सीएम योगी बोले: शीघ्र खत्म हो जाएगा.. 04

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

यूएनएफपीए की ब्रांड एंबेसडर बनीं... 11

वर्ष - 01, अंक - 154 | गाजियाबाद / शनिवार 06 सितम्बर 2025 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

सिद्धारमैया ने राष्ट्रपति से पूछा-कन्नड़ आती है

● मुर्मू बोलीं-हर भाषा-परंपरा से प्यार, कन्नड़ भी सीखूंगी ● बीजेपी का सख्त सवाल-सोनिया से पूछने की हिम्मत है

मैसूरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मैसूर में 1 सितंबर को अखिल भारतीय वाणी एवं श्रवण संस्थान का गोल्डन जुबली समारोह था। मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू थीं। कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया भी मौजूद थे। वे पहले स्पीच देने गए। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति से सवाल पूछ लिया। उन्होंने कहा- क्या आपको कन्नड़ आती है, मैं कन्नड़ में बात करता हूं। सिद्धारमैया की स्पीच के बाद द्रौपदी मुर्मू भाषण देने आईं। उन्होंने सिद्धारमैया को जवाब देते कहा- मैं मुख्यमंत्री से कहना चाहूंगी कि कन्नड़ भले ही मेरी मातृभाषा नहीं है, लेकिन यह कर्नाटक की भाषा है। मुझे भारत की हर भाषा, संस्कृति और परंपरा से प्यार है। मैं उनका सम्मान करती हूं। राष्ट्रपति ने आगे कहा, सब अपनी भाषा को जीवित रखिए। अपनी संस्कृति और परंपरा को जिंदा रखिए। मैं इसके लिए शुभकामनाएं देती हूं। मैं कन्नड़ भाषा धीरे-धीरे सीखने का कोशिश करूंगी।

हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सामने आने के बाद बीजेपी ने इसे राष्ट्रपति का अपमान बताया। पूर्व मंत्री सुरेश कुमार ने कहा कि सिद्धारमैया में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी या सोनिया गांधी से यही सवाल पूछने की हिम्मत नहीं है। इस घटना पर पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा के बेटे और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया, जिसमें कहा गया कि सिद्धारमैया की टिप्पणी अहंकार, अपमानजनक और राजनीतिक दिखावे से भरी है। इसने राज्य की आतिथ्य परंपरा का उल्लंघन किया है। विजयेंद्र ने आगे लिखा, कन्नड़ हमारा गौरव है, लेकिन एक भाषा को एकजुट करना चाहिए।

117 साल बाद 'दरिया-ए-नूर' तिजोरी खोलेगा बांग्लादेश

कोहिनूर की बहन के नाम से मशहूर, भारत के गोलकुंडा खदान से निकला था

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने ढाका के एक स्टेट बैंक की लंबे समय से बंद पड़ी तिजोरी को खोलने का आदेश दिया है। इस तिजोरी को 117 साल पहले (1908 में) सील की गई थी। इस तिजोरी में दुनिया की सबसे कीमती रत्नों में से एक 'दरिया-ए-नूर' हीरा बंद होने की उम्मीद है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि यह हीरा वहां है भी या नहीं, क्योंकि दशकों से इसे

देखा नहीं गया है। दरिया-ए-नूर को कोहिनूर की बहन कहा जाता है। कोहिनूर अभी ब्रिटेन में मौजूद है। दोनों हीरे भारत से ले जाए गए थे। वर्तमान में दरिया-ए-नूर की कीमत लगभग 13 मिलियन डॉलर (लगभग 114.5 करोड़ रुपए) आंकी गई है। दरिया-ए-नूर, जिसका मतलब है खूबसूरती की नदी। यह एक 26 कैरेट का हीरा है, जो अपने आयताकार, सपाट सतह (टेबल-कट) के लिए जाना जाता है। बांग्लादेश के अखबार द बिजनेस स्टैंडर्ड के अनुसार, यह हीरा दक्षिण भारत के खदानों से निकला था, जहां से विश्व प्रसिद्ध कोहिनूर हीरा भी मिला था। यह हीरा एक सुनहरे कंगन (आर्मलेट) के केंद्र में जड़ा हुआ है, जिसके चारों ओर दस छोटे-छोटे हीरे हैं।

अगली पीढ़ी के हथियार नौसेना को बनाएंगे समंदर का सिकंदर

न्यूक्लियर पॉवर शिप, एयरक्राफ्ट कैरियर, फ्रिगेट, मैरीटाइम हेलीकॉप्टर बढाएंगे शान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय ने अगले 15 साल के लिए सशस्त्र सेना को लेकर एक बहुत बड़ी योजना तैयार की है। सेना, वायुसेना के साथ-साथ नौसेना के लिए भी अरबों रुपये के हथियार और तकनीकी उपकरण जुटाए जाने हैं। आज भारत हिंद महासागर से लेकर अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में बहुत बड़ी ताकत है, जिसके पीछे हमारी नौसेना की क्षमता है। लेकिन, आने वाले

समय में इसे और भी अत्याधुनिक युद्धपोतों और विध्वंसकों से लैस किया जाना है, जिससे इस इलाके में दुश्मनों के दाल न गल पाएं। चीन जिस तरह से इस क्षेत्र में अपनी खतरनाक नजर बनाए रखता है, उसी को काउंटर करने के लिए भारतीय नौसेना की तैयारी और भी पुख्ता हो रही है। रक्षा मंत्रालय की योजना के अनुसार भारतीय नौसेना को एक विमानवाहक पोत की आवश्यकता है। इसके अलावा नेवी को 2 इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एयरक्राफ्ट लॉन्च सिस्टम, 10 अगली पीढ़ी के विध्वंसक और फ्रिगेट और अगली पीढ़ी के ही 7 कॉर्वेट की जरूरत है। छोटे आकार के ये युद्धपोत सतह और पानी के अंदर ऑपरेशन में सक्षम होते हैं। नौसेना को ऐसे कॉर्वेट की आवश्यकता है, जिसमें एंटी-शिप वेपन और सेंसर भी लगे हों।

एअर इंडिया विमान में तकनीकी खराबी इमरजेंसी लैंडिंग

● दिल्ली-इंदौर फ्लाइट में 161 पैसेंजर सवार थे; 5 दिन पहले भी इंजन में लगी थी आग

इंदौर (एजेंसी)। दिल्ली से इंदौर आ रही एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट की शुक्रवार सुबह इंदौर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। फ्लाइट में कुल 161 यात्री सवार थे। जानकारी के अनुसार, उड़ान संख्या आईएक्स-1104 के इंजन में खराबी के चलते सुबह 09.54 बजे आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। इमरजेंसी लैंडिंग की खबर जब विमान में बैठे यात्रियों को लगी तो हड़कंप मच गया। एयरपोर्ट पर इंतजार कर रहे उनके परिजन भी घबरा गए। इंदौर एयरपोर्ट से

मिली जानकारी के अनुसार, एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट (आईएक्स-1104) सुबह 6.40 बजे दिल्ली से रवाना होकर 8.15 बजे इंदौर पहुंचती है। लेकिन आज सुबह दिल्ली से 8.28 बजे रवाना हुई। फ्लाइट जब इंदौर पहुंच रही थी तभी इसके बाएं इंजन में तकनीकी खराबी आ गई। पायलट ने तुरंत इसकी जानकारी इंदौर एयरपोर्ट के एयर ट्रैफिक कंट्रोल को दी। एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग की घोषणा करते हुए अलर्ट जारी किया। इस पर फ्लाइट को लैंड करने के लिए रनवे के आसपास रेस्क्यू टीम थी।

देश के लिए विचारधारा जरूरी, जैसे शरीर में खून

● सीडीएस बोले-दुश्मन परमाणु हथियारों से लैस, हमें तैयार रहना होगा

अनिल चौहान ने कहा- पड़ोसियों के साथ सीमा विवाद बड़ी चुनौती

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखपुर (यूपी) में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा- भूमि राष्ट्र की भौतिक पहचान है। राष्ट्र की विचारधारा की सुरक्षा भी जरूरी है। एक राष्ट्र के संचालन के लिए विचारधारा उतनी ही जरूरी है, जितना शरीर के लिए खून। यह प्रशासनिक ढांचे को मजबूती देती है। जनरल चौहान ने कहा- दुश्मन परमाणु हथियारों से लैस है। सीमा विवाद सबसे बड़ी चुनौती है। आजादी के बाद से सीमा विवाद को लेकर कई लड़ाइयां हुईं। चीन के साथ सीमा विवाद सबसे बड़ी चुनौती है। फिर क्षेत्रीय अस्थिरता। शुक्रवार को जनरल चौहान गोरखनाथ मंदिर में आयोजित 'भारत के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां' विषय पर आयोजित सेमिनार पहुंचे थे। वहां पर उन्होंने ये बातें कहीं। इस दौरान सीएम योगी भी उनके साथ रहे। ये सेमिनार महंत दिग्विजयनाथ महाराज और अवैद्यनाथ महाराज की पुण्यतिथि पर हर साल आयोजित किया जाता है। देश में चार तरह के खतरे होते हैं। आतंरिक खतरे। बाहरी खतरे। बाहरी सहयोग से उत्पन्न आतंरिक खतरे और आंतरिक सहयोग से उत्पन्न आतंरिक खतरे। राष्ट्र की सुरक्षा तीन स्तर पर देख सकते हैं।

● **नभ, जल, थल की तरह ही अब साइबर स्पेस में चुनौतियां**- इस समय रोबोटिक्स का ट्रेंड नजर आता है। इसका इस्तेमाल तेजी से हो रहा है। भविष्य में यह तकनीक उपयोग में आ सकती है। आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते। ऐसे ही आतंकवाद और व्यापार साथ-साथ नहीं चलेगा। ये नए नॉर्म है। इसे देखते हुए तीनों सेनाओं को नए तरीके अपनाने होंगे। ऑपरेशन सिंदूर ऑफिशियल रूप से टर्मिनेट नहीं किया गया है। हमें हथियारों की रीच बढ़ानी होगी। नभ, जल, थल की तरह ही अब साइबर स्पेस में चुनौतियां होंगी। स्पेस में सर्विलांस का ध्यान रखना होगा। यह करने के लिए अपनी क्षमताओं को बढ़ाना होगा। एयर डिफेंस में और ज्यादा मजबूत बनना पड़ेगा। सुदर्शन चक्र मिशन की चर्चा प्रधानमंत्री कर चुके हैं। यह मल्टी डिफेंस टूल होगा। इससे लोगों की रक्षा होगी और हमले का जवाब भी देगा। भारत में ही इसका विकास होगा। भारत 2047 तक विकसित बनने के लिए कदम बढ़ा रहा है।

अब 'वन नेशन वन डेटा पोर्टल' बना रही सरकार

● बदलेगा कॉलेजों की रैंकिंग का फॉर्मूला, बस नाम से नहीं चलेगा काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क के तहत दी जाने वाली 'इंडिया रैंकिंग्स' को अब दस वर्ष पूरे हो गए हैं। 10 वर्षों में टॉप रैंकिंग में देश की आईआईटी व बड़े संस्थानों का ही कब्जा रहा है। अब आने वाले समय में नई रैंकिंग अप्रोच को अपनाया जाएगा और नए कल्चर के साथ

इंडिया रैंकिंग होगी। केवल धारणा के आधार पर ही रैंकिंग नहीं होगी, बल्कि ज्यादा से ज्यादा डेटा का विश्लेषण किया जाएगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि डेटा संचालित अप्रोच को फॉलो करना होगा और हर संस्थान के डेटा का बारीकी से विश्लेषण करना होगा। साथ ही नए अप्रोच में स्टार्टअप्स, एंटरप्रेन्योरशिप, इंडस्ट्री के साथ जुड़ाव समेत कई नए पहलुओं को शामिल किया जाएगा। रैंकिंग फ्रेमवर्क में कई बदलाव होंगे।

मुंबई में अनंत चतुर्दशी से पहले ब्लास्ट की धमकी

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस को गुरुवार देर रात वॉट्सएप पर धमकी भरा मैसेज मिला, जिसमें दावा किया गया है कि लश्कर-ए-जिहादी के 14 आतंकी शहर में आ चुके हैं। आतंकी 400 किलो आरडीएक्स 34 गाड़ियों में लगाकर बड़ा ब्लास्ट करने वाले हैं। धमकी मिलते ही मुंबई पुलिस ने शहर भर में हाई अलर्ट घोषित कर दिया। क्राइम ब्रांच ने जांच शुरू कर दी है। एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड (एटीएस) व अन्य सुरक्षा एजेंसियों को भी सतर्क कर दिया गया है। दरअसल, शनिवार को गणेशोत्सव का अंतिम दिन (अनंत चतुर्दशी) है। इस दौरान लाखों श्रद्धालु सड़कों पर निकलेंगे। इसलिए सुरक्षा सख्त कर दी गई है।

दंतेवाड़ा-नारायणपुर बॉर्डर पर 5-6 नक्सली मारे जाने की खबर

अबूझमाड़ के जंगलों में रुक-रुककर हो रही फायरिंग, नक्सलियों को घेरा

दंतेवाड़ा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा-नारायणपुर जिले की सीमा पर सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। एनकाउंटर में 5 से 6 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। पूर्वी बस्तर डिवीजन में अबूझमाड़ के घने जंगलों में रुक-रुककर फायरिंग चल रही है। जानकारी के मुताबिक, सुरक्षाबलों की ओर से दंतेवाड़ा और नारायणपुर की डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड टीम संयुक्त अभियान पर निकली थी। इसी दौरान नक्सलियों ने अटैक कर दिया। जवाबी कार्रवाई में जवानों ने नक्सलियों को मार गिराया। मुठभेड़ की पुष्टि दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने की है। इसके पहले 28 अगस्त को छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर सुरक्षाबलों ने एनकाउंटर में 4 नक्सलियों को मार गिराया था। मौके से बड़ी तादाद में हथियार बरामद किए गए थे।

नारायणपुर जिले और गढ़चिरौली बॉर्डर इलाके में तलाशी के दौरान सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं। मामला गढ़चिरौली के कोपरशी गांव का है।

बी से बीड़ी, बी से बिहार पर गरमाई राजनीति

पटना (एजेंसी)। केरल कांग्रेस के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बी से बीड़ी और बी से बिहार लिखे जाने पर राजनीति गरमा गई है। चुनावी मौसम में बीजेपी ने इस मुद्दे को लपक लिया है तो सहयोगी तेजस्वी यादव से जब सवाल पूछा गया तो वह अनजान बने दिखे। केरल कांग्रेस की ओर से सोशल मीडिया पोस्ट में बिहार की तुलना बीड़ी से किए जाने पर बिहार बीजेपी ने कहा है कि कांग्रेस ने अपनी मानसिकता से को बिहार को बदनाम है।

भारत में बढ़ रहे बुजुर्ग कम होते जा रहे हैं बच्चे

● रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

केरल में सबसे ज्यादा बुजुर्ग, बच्चों की आबादी भी घटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की आबादी अब धीरे-धीरे उम्रदराज हो रही है। रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया की 2023 की सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम रिपोर्ट के मुताबिक देश में 0 से 14 साल के बच्चों की आबादी में लगातार गिरावट आ रही है, जबकि बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है। साथ ही, कामकाजी उम्र (15 से 59 साल) के लोगों की हिस्सेदारी भी बढ़ी है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि देश की कुल प्रजनन दर (फर्टिलिटी रेट) 1971 में 5.2 थी, जो 2023 में घटकर 1.9 रह गई है। 0 से 14 साल के बच्चों की आबादी 1971-81 के बीच 41.2 फीसदी से घटकर 38.1 फीसदी हो गई थी। इसके बाद 1991 से 2023 के बीच यह और घटकर 24.2 फीसदी रह गई। यानी पिछले 50 साल में बच्चों की हिस्सेदारी में करीब 17 फीसदी की गिरावट आई है। बच्चों की संख्या घटना मतलब भविष्य में कार्यबल छोटा होगा। आर्थिक विकास की गति धीमी होना संभव बच्चे ज्यादा तो खर्च अधिक; भविष्य में पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पर दबाव बढ़ेगा। सिंगल चाइल्ड या नो चाइल्ड परिवार बढ़ सकते हैं। बुजुर्गों को संभालने वाले कम होंगे। प्रति बच्चे पर निवेश बढ़ सकता है, यानी बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य पर ध्यान संभव है।

इधर... शिशु मृत्यु दर 10 साल में 37.5 फीसदी कम हुई

देश में शिशु मृत्यु दर 2023 में घटकर 25 रह गई है। यह 2013 में 40 थी। यानी 10 साल में इसमें 37.5 फीसदी की गिरावट आई है।

कामकाजी उम्र के लोगों की संख्या बढ़ी

15 से 59 साल के लोगों की आबादी में लगातार इजाफा हो रहा है। 1971-81 के बीच यह 53.4 फीसदी से बढ़कर 56.3 फीसदी हुई। 1991 से 2023 के बीच यह और बढ़कर 66.1 फीसदी हो गई। दिल्ली में इस उम्र वर्ग की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 70.8 फीसदी है। वहीं, बिहार में यह सबसे कम 60.1 फीसदी है। शहरी इलाकों में कामकाजी उम्र के लोगों की हिस्सेदारी 68.8 फीसदी है, जबकि ग्रामीण इलाकों में 64.6 फीसदी है। जम्मू-कश्मीर में ग्रामीण महिलाओं की हिस्सेदारी सर्वाधिक 70.1 फीसदी है। देश में बुजुर्गों की संख्या भी बढ़ रही है। 2023 में 60 साल से ऊपर की आबादी 9.7 फीसदी हो गई है। केरल में यह सबसे ज्यादा 15.1 फीसदी है। इसके बाद तमिलनाडु है।

शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट नोटिस

● बिजनेसमैन कोठारी ने केस किया, आरोप-कपल को 60 करोड़ दिए थे, रकम निजी खर्च मे लगाई

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने 60 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया है। एक सीनियर पुलिस ऑफीसर ने बताया कि दोनों ही अक्सर विदेश यात्रा करते हैं, जिसकी वजह से ये कदम उठाया गया है। लुकआउट सर्कुलर का मकसद बिना किसी रुकावट जांच को पूरा करना है। बिजनेसमैन दीपक कोठारी ने 14 अगस्त को शिल्पा और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा में मामला दर्ज कराया था। दीपक का कहना है कि 2015 से 2023 के बीच उन्होंने बिजनेस बढ़ाने के लिए कपल को कुल 60.48 करोड़

रुपए दिए, लेकिन यह रकम निजी खर्चों में लगा दी गई। दीपक कोठारी के मुताबिक, उनकी मुलाकात साल 2015 में एजेंट राजेश आर्या के जरिए शिल्पा और कुंद्रा से हुई थी। उस समय दोनों बेस्ट डील टीवी के डायरेक्टर थे और शिल्पा के पास कंपनी के 87 फीसदी से ज्यादा शेयर थे। एक मीटिंग में तय हुआ कि शिल्पा और राज कुंद्रा की कंपनी को दीपक लोन देंगे। कंपनी के लिए 75 करोड़ रुपए का लोन मांगा था, जिस पर 12 फीसदी सालाना ब्याज तय हुआ। दीपक कोठारी का आरोप है कि बाद में शिल्पा और राज ने उनसे कहा कि लोन पर टैक्स की परेशानी आ सकती है, इसलिए इसे इन्वेस्टमेंट के रूप में दिखाते हैं और हर महीने रिटर्न देंगे।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने यमुना के जलस्तर को लेकर सभी जिलाधिकारियों के साथ की बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। खतरे के निशान के ऊपर बह रही यमुना के जलस्तर को लेकर शुक्रवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के सभी जिलाधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक कर यमुना के जलस्तर और भारी बारिश की स्थिति की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि 24×7 मॉनिटरिंग जारी रहे, राहत कार्य में कोई ढिलाई न हो और हर दिल्लीवासी की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता हो। उन्होंने कहा कि सरकार की पूरी टीम सतर्क है और हर परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। दिल्ली में खतरे के निशान से दो मीटर ऊपर बह रही यमुना का जलस्तर शुक्रवार को मामूली नीचे आया जो दोपहर एक बजे 207.22 मीटर दर्ज किया गया है। यमुना में खतरे का निशान 205.33 है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार गुरुवार से यमुना के जलस्तर में गिरावट दर्ज की गई है। शुक्रवार दोपहर एक बजे जलस्तर 207.22 मीटर पर दर्ज किया गया है। इस दौरान हरियाणा के हथिनी कुंड बांध से 88462 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। हालांकि यमुना से सटे इलाके पूरी तरह से जलमग्न दिखाई दे रहे हैं। जल भराव के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यमुना किनारे बसे लोग अपने पशुओं को लेकर सड़कों पर बस गए हैं, जिसके कारण कई इलाकों में जाम की स्थिति बनी हुई है। दिल्ली में हो रही बारिश ने लोगों की मुश्किलें और बना रखी हैं। प्रशासन लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहा है।

हरियाणा के हथिनी कुंड बांध से लगातार पानी छोड़े जाने से उफान पर आई यमुना और पिछले कई दिनों से हो रही बारिश से राजधानी के कई हिस्सों में जलभराव बना हुआ है। सिविल लाइंस के बेला रोड स्थित स्वामी नारायण मंदिर परिसर में पानी भर गया है। आईएसबीटी कश्मीरी गेट के आसपास बुधवार से जल भराव की स्थिति बनी हुई है, जिसकी वजह से यातायात काफी धीमा है। राष्ट्रीय राजधानी में बाढ़ की चेतावनी कई दिनों पहले से जारी है। दिल्ली का निगमबोध घाट और वासुदेव घाट डूबा पड़ा है।

उत्तर-पूर्व दिल्ली में 18 वर्षीय लड़की को चाकू मारने का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने उत्तर पूर्व दिल्ली के न्यू मुस्तफाबाद इलाके में एक लड़की को चाकू मारने के आरोप में 24 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि बृहस्पतिवार शाम को दयालपुर थाने को मंगल बाजार रोड से कथित घटना के बारे में सूचना मिली। जब तक पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक घायल लड़की (18) को उसके परिजन जीटीबी अस्पताल ले जा चुके थे। उन्होंने बताया कि पीड़िता का उपचार हो रहा है और उसकी हालत पर नजर रखी जा रही है। अधिकारी ने बताया, ''भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109(1) (हत्या का प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई।'' उन्होंने कहा, ''निरंतर प्रयासों के आधार पर घटना के कुछ ही घंटों के भीतर आरोपी का पता लगाकर उसे पकड़ लिया गया। उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया और अपराध में प्रयुक्त एक चाकू भी उसके कब्जे से बरामद कर लिया गया है।'' अधिकारी ने बताया कि सबूत इकट्ठा करने के लिए एक फॉरेंसिक टीम को घटनास्थल पर बुलाया गया है। मामले की जांच जारी है।

गर्दन दबाकर लूटपाट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुलाबी बाग थाना पुलिस टीम ने 24 घंटे के भीतर लूट के मामले को सुलझाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी गोलू उर्फ किशन है। पुलिस ने इसके पास से एक चाकू और लूटा गया मोबाइल फोन बरामद किया है। उत्तरी जिला डीसीपी राजा बाँठिया ने बताया कि संदीप कुमार (इंस्पेक्टर, कानून एवं व्यवस्था) और एसआई योगेश कुमार (प्रभारी चौकी अंधा मुगल) की देखरेख में गठित टीम ने शिकायत के बाद तकनीकी विश्लेषण और गुप्त सूचनाओं की मदद से एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पीड़ित को चाकू की नोक पर और गर्दन दबाकर लूटा था। पूछताछ के दौरान, आरोपी गोलू उर्फ किशन ने खुलासा किया कि उसने और उसके साथियों राज और विक्रम उर्फ चंगा ने लगभग 2-3 दिन पहले सब्जी मंडी रेलवे स्टेशन के पास एक व्यक्ति से एक मोबाइल फोन और 7,000 रुपये नकद लूटे थे और उन्होंने लूटी गई नकदी आपस में बांट ली थी। उसने अपना हिस्सा मौज-मस्ती में खर्च कर दिया था। आगे की पूछताछ में पता चला कि वह अपने साथियों के साथ रेलवे स्टेशनों के आस-पास के इलाकों में बेवजह घूमता था और भोले-भाले यात्रियों को निशाना बनाकर उनकी नकदी और सामान लूट लेता था। वह पीड़ितों के किसी भी प्रतिरोध को नाकाम करने के लिए चाकू रखता था। उसकी निशानदेही पर लूटा गया मोबाइल फोन बरामद किया गया।

दिल्ली के पुराने रेलवे पुल पर यमुना का जलस्तर 207.31 मीटर पर, और घटने की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पुराने रेलवे पुल पर यमुना नदी का जलस्तर शुक्रवार सुबह आठ बजे 207.31 मीटर दर्ज किया गया, जबकि एक दिन पहले यह इस मौसम के सर्वोच्च स्तर पर 207.48 मीटर था। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सुबह छह बजे जलस्तर 207.35 मीटर पर था और सुबह सात बजे तक घटकर 207.33 मीटर रह गया। अधिकारियों के अनुसार, आज जलस्तर और कम होने की संभावना है। बुधवार सुबह अधिकारियों द्वारा जारी बाढ़ बुलेटिन में कहा गया था कि रात आठ बजे तक जलस्तर 207.15 मीटर तक पहुंचने की संभावना है तथा इसमें गिरावट जारी रहने की संभावना है। पिछले कुछ दिनों में नदी ने निचले इलाकों में कहर बरपाया है, जिससे कई मकानों में पानी भर गया, लोग विस्थापित हुए हैं और व्यवसाय प्रभावित हुए हैं। पुराना रेलवे पुल नदी के प्रवाह और संभावित बाढ़ के खतरों पर नजर रखने के लिए एक प्रमुख अवलोकन बिंदु के रूप में कार्य करता है। जिला अधिकारियों ने लोगों को तैराकी, नौका विहार या मनोरंजन के उद्देश्य से उफनती नदी में जाने को लेकर आगाह किया है।

दिल्ली शराब नीति मामला: पंजाब में बाढ़ का हवाला देकर अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को मिली पेशी से छूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट से दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को दिल्ली शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी राहत मिली है। शुक्रवार को कोर्ट ने दोनों नेताओं को पेशी से छूट दे दी, जिसके बाद अब इस मामले की अगली सुनवाई अक्टूबर में होगी। अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के वकीलों ने कोर्ट में दलील दी कि वे इस समय पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर रहे हैं और वहां राहत और बचाव कार्यों में सक्रिय रूप से पीड़ितों की मदद कर रहे हैं। इस दलील को स्वीकार करते हुए कोर्ट ने उनकी उपस्थिति से छूट दे दी।

मामले की पृष्ठभूमि- दिल्ली की शराब नीति में कथित अनियमितताओं का यह मामला 2022 में शुरू हुआ, जब दिल्ली के तत्कालीन उपराज्यपाल ने सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। सीबीआई ने एक प्राथमिकी दर्ज की, जिसमें मनीष सिसोदिया को मुख्य आरोपी बनाया गया। बाद में, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग का पहलू जोड़ते हुए पीएमएलए के तहत एक अलग केस दर्ज किया।

जांच एजेंसियों, सीबीआई और ईडी, ने आरोप लगाया है कि इस नीति को जानबूझकर इस तरह से बनाया गया था, जिससे कुछ निजी कंपनियों को अनुचित लाभ मिले। एजेंसियों का दावा है कि इस पूरे मामले में आम आदमी पार्टी के नेताओं को 100 करोड़ रुपये से अधिक की रिश्वत मिली थी। ईडी के मुताबिक, इस रकम का इस्तेमाल गोवा और पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए किया गया था।

जमानत और आगे की सुनवाई- इस मामले में, ईडी ने मार्च 2024 में अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया था, जबकि मनीष सिसोदिया फरवरी 2023 से ही जेल में थे। सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त-सितंबर 2024 में दोनों नेताओं को जमानत दे दी थी।

पीएम मोदी की माता के लिए अभद्र शब्द का प्रयोग करने के खिलाफ दिल्ली भाजपा का प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उनकी माता के लिए अभद्र शब्दों का प्रयोग किए जाने पर कांग्रेस के खिलाफ दिल्ली भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा पिछले तीन दिनों से लगातार जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन जारी रहा। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के आवाहन पर हो रहे प्रदर्शनों के तीसरे दिन मयूर विहार और उत्तर पश्चिम जिले में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मयूर विहार जिले में आयोजित विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार से बिहार में कांग्रेस के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वर्गीय माताजी को गाली दी गई वह सिर्फ उन्हें नहीं बल्कि उन सभी मातृ शक्ति का अपमान है जो बेटे को जन्म देती है। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि आज सिर्फ मयूर विहार जिला में ही नहीं बल्कि दिल्ली के सभी 14 जिलों में प्रदर्शन किया गए हैं क्योंकि दिल्लीवालों में कांग्रेस को लेकर गुस्सा है और जब तक राहुल गांधी देश से माफी नहीं मांगते तब तक यह विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस हो या फिर आरजेडी जिसके मंच से देश के प्रधानमंत्री के माता के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया यह सिर्फ संयोग नहीं बल्कि यह कांग्रेस की राजनीतिक दिवालियापन है क्योंकि जब भी चुनाव आते हैं हताश कांग्रेस के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गाली देने या अपशब्द का प्रयोग करने से बाज नहीं आते। कांग्रेस का एक लंबा इतिहास रहा है और खासकर 2014 से जब से नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने हैं कांग्रेस को यह बर्दाश्त नहीं हो रहा है इसलिए आए दिन उनके नेता कुछ ना कुछ अपशब्दों का प्रयोग करके अपनी मानसिकता का परिचय देते रहे हैं। मयूर विहार जिला अध्यक्ष विजेंद्र धामा के नेतृत्व में में आयोजित विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से प्रदेश मंत्री विनोद बछेती, जिला सह प्रभारी नरेश वशिष्ठ, विधायक रवि नेगी और रविकांत सहित हजारों कार्यकर्ता उपस्थित थे। उत्तर पश्चिम जिला में आयोजित विरोध प्रदर्शन में प्रदेश महामंत्री सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया और कहा कि दिल्ली ही नहीं देश भर में कांग्रेस के खिलाफ लोगों में गुस्सा है और सभी चाहते हैं कि राहुल गांधी माफी मांगे। लेकिन राहुल गांधी हो या फिर तेजस्वी यादव दोनों सिर्फ एक विशेष वर्ग के वोटर्स को खुश करने के लिए चुप्पी साधे बैठे हैं। बिहार की जानता प्रधानमंत्रीकी माता का अपमान का बदला लेगी और चुनाव में कांग्रेस आरजेडी को हार का सामना करना पड़ेगा। विरोध प्रदर्शन में जिला अध्यक्ष विनोद सहरावत,डिप्टी मेयर जय भगवान यादव और नगर निगम दल के नेता प्रवेश वाही सहित हजारों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मंत्री ने नेत्रहीन शिक्षकों का सम्मान कर उनके शैक्षिक योगदान की सराहना की

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिक्षक दिवस के अवसर पर शुक्रवार को दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने एक समारोह में नेत्रहीन शिक्षकों को सम्मानित कर उनके शैक्षिक योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन शिक्षकों का समर्पण सभी के लिए प्रेरणा है। रोहिणी स्थित ऑल इंडिया कन्फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड्स में दिनकर सोसाइटी एवं भारतीय नेत्रहीन कल्याण परिषद की ओर से यह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर दिल्ली सरकार के मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि दिल्ली सरकार हमेशा ऐसे शिक्षकों के सम्मान और सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त दिव्यांग-समर्थ भारत संकल्प की दिशा में सरकार पूरी दिल्ली में भवनों और परिवहन के साधनों को दिव्यांगों के अनुकूल बना रही है। साथ ही यूडीआईडी कार्ड के बैकलॉग समाप्त करने के प्रयास तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। दिव्यांगों को उच्च गुणवत्ता वाले सहायक उपकरण दिए जा रहे हैं और लगातार जिलों में मूल्यांकन शिविर लगाए जा रहे हैं। इस अवसर पर पद्म पुरस्कार से सम्मानित और नेत्रहीनों के सशक्तिकरण के लिए जीवन समर्पित करने वाले जवाहर लाल कौल को भी सम्मानित किया गया। शुरुआत में दिव्यांग छात्राओं ने वंदना-गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता की।

हंसराज कॉलेज ने एनआईआरएफ रैंकिंग में हासिल किया देशभर में तीसरा स्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। हंसराज कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रमा ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2025 में अभूतपूर्व उपलब्धि प्राप्त करने एवं भारत के श्रेष्ठ महाविद्यालयों में तीसरा स्थान प्राप्त करने पर शुक्रवार को खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि यह सफलता पिछले वर्ष की तुलना में एक बड़ी छलांग है, जब कॉलेज 12वें स्थान पर था। कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रमा ने कहा कि यह उपलब्धि केवल हमारे काम का परिणाम नहीं बल्कि हमारी भावनाओं, सेवा-भाव और सामूहिकता की कहानी है।

प्राचार्या प्रो. रमा ने कहा कि हम कभी रैंकिंग से प्रभावित नहीं हुए। हमारा लक्ष्य हमेशा यही रहा है कि शिक्षा और संस्कार के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्टता प्राप्त की जाए और हमारे पूर्वजों की परंपरा का सम्मान हो। उन्होंने कहा कि हंसराज कॉलेज केवल एक संस्थान नहीं, बल्कि एक परिवार है। इस परिवार का हर सदस्य चाहे वह प्राध्यापक हो, विद्यार्थी (वर्तमान या पूर्व), नॉन-टीचिंग स्टाफहो या कॉलेज के प्रति अपनत्व का भाव रखने वाला कोई भी व्यक्ति इस उपलब्धि का साझेदार है।

प्रो. रमा ने कहा कि इस यात्रा में विशेष सहयोग उप प्राचार्य डॉ. विजय रानी राजपाल और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की निदेशक डॉ. अल्का कक्कड़ का रहा। जिनकी ऊर्जा और मार्गदर्शन ने पूरे कॉलेज समुदाय को निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उनका नेतृत्व इस प्रक्रिया की रीढ़ सिद्ध हुआ।

प्राचार्या ने कहा कि हंसराज परिवार का उत्थान और उसके गौरव में वृद्धि उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आज हंसराज कॉलेज केवल भारत के श्रेष्ठ महाविद्यालयों में नहीं, बल्कि शिक्षा, संस्कृति, खेल, शोध और नवाचार के क्षेत्र में वैश्विक पहचान बना रहा है।

प्राचार्या प्रो. रमा ने कहा कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारे सामने एक और बड़ा संकल्प है। विकसित भारत 2047 का हंसराज जिन आदर्शों से निर्मित हुआ, उनकी चेतना में शिक्षा का अर्थ राष्ट्रनिर्माण है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य में हंसराज परिवार का हर सदस्य तन, मन और धन से योगदान देगा क्योंकि राष्ट्र सर्वोपरि है।

उन्होंने कहा कि हंसराज कॉलेज की प्रतिष्ठा और गरिमा केवल एक शैक्षणिक उपलब्धि नहीं है बल्कि उसकी बुनियाद महामना दयानंद सरस्वती की तपस्या और महात्मा हंसराज के त्याग पर टिकी हुई है। 1948 से स्थापित इस संस्थान ने हमेशा यही प्रयास किया है कि विद्यार्थियों को केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि संस्कार और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का भाव भी मिले।

दिल्ली में बाढ़ से फसलें तबाह, मयूर विहार फेज-1 में बनाया राहत शिविर कैंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में भारी बारिश और यमुना के बढ़ते जलस्तर ने कई इलाकों को प्रभावित किया है। यमुना नदी का जलस्तर 207 मीटर तक बढ़ने से दिल्ली के निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। प्रभावित लोगों के लिए मयूर विहार फेज-1 इलाके में राहत शिविर कैंप बनाया गया है। यहां दिल्ली सरकार की ओर से प्रभावित लोगों को भोजन, मेडिकल सुविधाएं और अन्य आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शिविरों में रहने की व्यवस्था संतोषजनक है और खाने-पीने के साथ-साथ चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। हालांकि, डूब क्षेत्रों में रहने वाले किसानों को भारी नुकसान हुआ है, क्योंकि उनकी फसलें जलमग्न हो गई हैं। इसके अलावा, कुछ लोग अपने पशुओं और जानवरों को भोजन देने के लिए इन राहत शिविरों का सहारा ले रहे हैं। स्थानीय प्रशासन और स्वयंसेवी संगठन प्रभावित लोगों की मदद के लिए सक्रिय हैं। किसान कौशल के अनुसार, यमुना के बढ़ते जलस्तर के कारण उनकी 3 बीघा में लगाई गई भिंडी की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है। बाढ़ में सब बह गया। उन्होंने बताया कि इस बार पानी का जलस्तर पिछले साल की तुलना में कम है, फिर भी फसल को भारी नुकसान हुआ है। यमुना में बढ़ते जलस्तर से किसानों के लिए आर्थिक चुनौती पैदा की है। यमुना खादर निवासी रामवीर ने बताया कि सरकार की ओर से राहत शिविरों में खाने-पीने की चीजें उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे प्रभावित लोगों को कुछ राहत मिल रही है। मयूर विहार निवासी पीयूष ने कहा कि पिछले एक साल से मयूर विहार क्षेत्र में स्ट्रीट डॉग्स की मदद के लिए सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि जानवरों की मदद जरूरी है। अगर सभी लोग मिलकर सहायता करें तो उनकी स्थिति में सुधार हो सकता है। बुजुर्ग महिला ने बताया कि बाढ़ के कारण उन्हें काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने शिकायत की कि राहत शिविर में पानी का टैंकर और खाद्य पदार्थ समय पर नहीं पहुंच रहे, जिससे शिविर में रहने वालों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

महापौर ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों को लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने शुक्रवार को मुखर्जी नगर वार्ड स्थित हकीकत नगर, बुराड़ी तथा अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर वहां की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से क्षेत्र की स्थिति की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

निरीक्षण के दौरान महापौर राजा इकबाल सिंह ने निगम अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ के पानी की शीघ्र निकासी हेतु अतिरिक्त पंप लगाए जाएं और जलभराव वाले क्षेत्रों में सैनिटेशन तथा फॉगिंग की विशेष व्यवस्था की जाए, ताकि संक्रामक बीमारियों से बचाव सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने बताया कि हाल ही में यमुना नदी के जलस्तर में अप्रत्याशित वृद्धि के कारण हकीकत नगर, बुराड़ी व अन्य इलाकों के कुछ हिस्सों में जलभराव एवं बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। इकबाल सिंह ने कहा कि दिल्ली नगर निगम हर परिस्थिति में नागरिकों के साथ खड़ा है। यमुना नदी के निकटवर्ती विभिन्न क्षेत्रों में आई बाढ़ की स्थिति को गंभीरता से लिया गया है तथा प्रभावित नागरिकों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि जलभराव को यथाशीघ्र समाप्त कर जनजीवन को सामान्य किया जाए। उन्होंने स्थानीय निवासियों से अपील की कि वे घबराएं नहीं। नगर निगम की टीमें तथा आपदा प्रबंधन बल पूरी मुस्तैदी से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में नगर निगम के हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है। महापौर के साथ दिल्ली नगर निगम के क्षेत्रीय उपायुक्त अंशुल सिरोही व अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

'यमुना में दिल्ली डूबी हुई है', यह दावा पूरी तरह गलत: मंत्री प्रवेश वर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने राजधानी में जलभराव की स्थिति को लेकर विपक्ष द्वारा किए जा रहे दावों को खारिज किया है। उन्होंने सिविल लाइंस इलाके का दौरा करने के बाद कहा कि दिल्ली यमुना नदी में पूरी तरह से नहीं डूबी है और हालात उतने गंभीर नहीं हैं, जितना कि बताया जा रहा है। प्रवेश वर्मा ने मीडिया से बातचीत में स्पष्ट किया कि सिविल लाइंस जैसे महत्वपूर्ण इलाकों में पानी नहीं भरा है। उन्होंने बताया कि जलभराव की समस्या केवल कुछ निचले इलाकों तक सीमित है, जिनमें रिंग रोड की निचली सर्विस रोड प्रमुख है। उन्होंने कहा, 'रिंग रोड से लगी सर्विस रोड सड़क स्तर से लगभग 10 फीट नीचे है, जहां बारिश का पानी जमा हो जाता है। ऐसे स्थानों से पानी निकासी का काम लगातार किया जा रहा है।' मंत्री ने दावा किया कि दिल्ली सरकार और नगर निगम मिलकर जलभराव की समस्या से निपटने के लिए तेजी से काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जल निकासी के लिए अतिरिक्त पंप लगाए गए हैं और प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य जारी है। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब बीते दिनों भारी बारिश और यमुना नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण दिल्ली के कई हिस्सों में पानी भरने की खबरें सामने आई थीं, जिससे विपक्षी दलों ने सरकार पर सवाल उठाए थे। प्रवेश वर्मा ने विपक्ष पर स्थिति को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष आम लोगों में अनावश्यक रूप से भय का माहौल बना रहा है। उन्होंने जनता को आश्वासन दिया कि प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है और भविष्य में अगर और बारिश होती है तो भी जल निकासी के इंतजाम मजबूत हैं। गौरतलब है कि दिल्ली में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है, जिसके कारण यमुना बाजार, गीता कॉलोनी और मयूर विहार जैसे निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया है। हालांकि, वर्मा के बयान से यह संकेत मिलता है कि सरकार स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गंभीर है और अफवाहों के बजाय वास्तविक तथ्यों पर ध्यान केंद्रित करने की अपील कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस समस्या का स्थायी समाधान नालों की नियमित सफाई और ड्रेनेज सिस्टम के आधुनिकीकरण से ही संभव है।

दिल्ली में बाढ़ पर राजनीति, केजरीवाल राहत शिविरों में पहुंचे, राजधानी में पानी घुसने से जल मंत्री का इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में यमुना नदी और आसपास के इलाकों में जलभराव को लेकर राजनीति गरमाने लगी है। खासकर बाढ़ के समय यमुना किनारे बसे लोगों को राहत शिविरों में मिलने वाली सुविधाओं को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाए हैं कि रिलीफ कैंपों में रहने वाले लोगों के लिए ठीक इंतजाम नहीं हैं। शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शास्त्री पार्क इलाके में राहत कैंपों का दौरा किया और बाढ़ प्रभावित लोगों का हालचाल जाना।

मीडिया से बातचीत करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'दिल्ली में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं और तमाम इलाकों में पानी भर गया है। लोग अपने घरों को छोड़कर रिलीफ कैंप में रहने को मजबूर हैं। इन रिलीफ कैंपों में भी तमाम परेशानियां हैं, खाने और पानी तक का ठीक इंतजाम नहीं है। दिल्ली के कई इलाकों में जलभराव हो गया है, क्योंकि बीजेपी सरकार ने डिस्लिटिंग नहीं कराई थी। दिल्लीवालों को तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।' इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री ने उत्तर भारत में हो रही भारी बारिश को लेकर केंद्र सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग भी की। उन्होंने कहा, 'उत्तर भारत के तमाम हिस्सों में भारी बारिश की वजह से तबाही हो रही है, केंद्र सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए।'

इस बीच, दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने शुक्रवार को कश्मीरी गेट, निगम बोध घाट, मॉनेस्ट्री मार्केट और आसपास के क्षेत्रों का दौरा कर जलभराव की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने इन इलाकों में जलजमाव को लेकर सोशल मीडिया और कुछ रिपोर्ट्स में फैल रही 'बाढ़ की खबरों' को भ्रामक करार दिया।

प्रवेश वर्मा ने बताया कि जिस मॉनेस्ट्री मार्केट में पानी भरा हुआ है, वह यमुना की जल सीमा के भीतर बना हुआ क्षेत्र है, जो तकनीकी रूप से यमुना के दायरे में आता है। उन्होंने कहा, ÷यह कहना कि यमुना दिल्ली में घुस गई है, एक गलत बयान है। असल में, जिन जगहों पर जलभराव है, वे यमुना के अंदरूनी हिस्सों में बसे हैं, और प्राकृतिक रूप से जलस्तर बढ़ने पर वहां पानी भरना सामान्य है। जल मंत्री ने यह भी दावा किया कि ट्रैफिक सामान्य रूप से चल रहा है और कई जगहों पर जहां ड्रेनों के पास पानी भरा है, उसे जानबूझकर रोका गया है ताकि निचले इलाकों में पानी न पहुंचे।

समाज को सेवा, श्रद्धा और सनातन से जोड़ते हैं पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री: सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित बागेश्वर धाम के प्रमुख पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात की। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर दी।

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में बागेश्वर धाम के आचार्य धीरेंद्र शास्त्री का पावन आगमन हुआ। उनकी ऊर्जा समाज को सेवा, श्रद्धा और सनातन संस्कारों से जोड़ती है। जनसेवा के इस महायज्ञ में उनकी सहभागिता जनभावनाओं को और भी सशक्त बनाती है तथा हमें निरंतर यह प्रेरणा देती है कि 'सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।' उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें सीएम शॉल ओढ़ाकर आचार्य धीरेंद्र शास्त्री का स्वागत करती दिखाई दे रही हैं। उन्होंने लिखा, 'बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री मुख्यमंत्री जनसेवा सदन पधारे। स्नेहिल भेंट के लिए आभार।'

प्रसिद्ध हिंदू संत, कथावाचक और आध्यात्मिक गुरु पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने पिछले दिनों संतों के बीच आपसी मतभेदों को सनातन धर्म के लिए नुकसानदेह बताया था।

भिवंडी के बागेश्वर सनातन मठ में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा था कि कुछ लोग जानबूझकर संतों के बीच विवाद पैदा कर रहे हैं, जिससे सनातन धर्म की छवि को ठेस पहुंच रही है। उनकी इस बात को वर्तमान धार्मिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य में अहम मानना जा रहा है। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा था, ÷सोशल मीडिया पर प्रेमानंद महाराज और जगद्गुरु रामभद्राचार्य को लेकर एक मुद्दा खूब वायरल हो रहा है। मैं इस मुद्दे पर यही कहूंगा कि एक महापुरुष (प्रेमानंद महाराज) ने भागती, दौड़ती, बिछड़ती पीढ़ी को भजन से जोड़ा तो वहीं जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने सुप्रीम कोर्ट में खड़े होकर रामलला के पक्ष में बयान देकर राम मंदिर निर्माण में अहम योगदान दिया।'

धीरेंद्र शास्त्री ने गुरु रामभद्राचार्य का बचाव करते हुए कहा था, 'हमारे गुरुदेव कुछ छिपाते नहीं, जो मन में है, वही बोलते हैं। उनके मन में कोई गलत भावना नहीं है।'

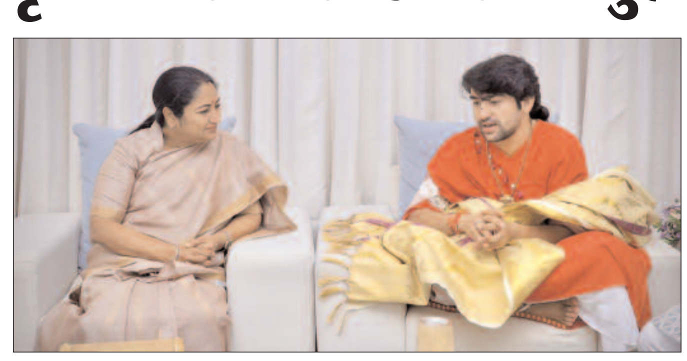

रात में रहस्यमय ढंग से गायब हुआ किशोर, परिजन चिंतित, पुलिस ने शुरू की जांच

रबूपुरा/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। थाना क्षेत्र के गांव तीरथली में उस समय हड़कंप मच गया जब एक किशोर रात को परिवार संग घर में सोते हुए रहस्यमय परिस्थितियों में अचानक गायब हो गया। सुबह उठे परिवारजन ने जब बेटे को बिस्तर पर न पाया तो पहले तो उन्होंने आस-पड़ोस में तलाश की, मगर कहीं भी कोई पता नहीं चला। हालात को देखते हुए परिजनों ने किसी अनहोनी की आशंका जताई और तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। गांव निवासी सोनू ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका 15 वर्षीय बेटा मनीष मंगलवार की रात रोज की तरह परिवार के साथ घर पर सोया था। रात कब और कैसे वह घर से बाहर निकला, इसका किसी को भी अंदाजा नहीं हो पाया। सुबह नींद खुलने पर जब परिजनों ने देखा तो मनीष बिस्तर से गायब था। परिवार ने पहले गांव के चप्पे-चप्पे और रिश्तेदारों के यहां खोजबीन की, लेकिन हर जगह से निराशा हाथ लगी। काफी खोज के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिला तो सोनू ने थाना रबूपुरा पहुंचकर मामले की जानकारी दी। परिवार का कहना है कि मनीष का अचानक इस तरह से लापता हो जाना किसी अनहोनी की ओर इशारा करता है। परिजनों का दर्द साफ झलक रहा था और हर किसी की जुबान पर एक ही सवाल था कि आखिर मनीष कहां चला गया। सूचना पर पुलिस ने तत्काल केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि किशोर की गुमशुदगी को गंभीरता से लेते हुए टीमें गठित कर दी गई हैं। गांव में लोगों से पूछताछ के साथ-साथ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। इसके अलावा परिजनों और रिश्तेदारों से भी बातचीत कर सुराग जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। गांव के लोग भी इस घटना से सहमे हुए हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस तरह से एक किशोर का घर से रहस्यमय तरीके से गायब हो जाना बेहद चिंताजनक है। परिवारजन रो-रोकर बदहवास हालत में हैं और मनीष की सकुशल वापसी की दुआएं कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि हर पहलू की गहराई से जांच की जा रही है और जल्द ही किशोर को खोज निकाला जाएगा। वहीं, गांव में इस घटना को लेकर तरह-तरह की चचाएं तेज हो गई हैं।

गाली का विरोध करने पर सिर फूटा, महिला भी पिटाई की शिकार

रबूपुरा/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। कस्बा के बड़ा मोहल्ला में गुरुवार देर शाम विवाद उस समय हिंसक हो गया जब घर के बाहर खड़े एक युवक को दो लोगों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। पीड़ित ने इसका प्रतिवाद किया तो बात बढ़ते-बढ़ते मारपीट तक पहुंच गई। आरोप है कि आरोपियों ने युवक के सिर पर लाठी-डंडों से हमला बोल दिया, जिससे उसका सिर फट गया और वह मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ा। शोरगुल सुनकर जब युवक की चाची बीच-बचाव करने पहुंचीं तो हमलावरों ने उनके साथ भी बेरहमी से मारपीट की और जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना से मोहल्ले में हड़कंप मच गया। घायल अवस्था में दोनों को नजदीकी निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। पीड़ित निहाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह घर के बाहर खड़ा था, तभी मोहल्ले के ही सचिन मीणा और मुकेश मीणा वहां पहुंचे और बिना किसी वजह के अपशब्द कहने लगे। विरोध करना उसके लिए भारी पड़ गया। आरोपियों ने अचानक लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। निहाल के मुताबिक, उसकी चाची ने जब उसे बचाने की कोशिश की तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। पुलिस का कहना है कि घटना की तहरीर के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। वहीं मोहल्ले के लोगों का कहना है कि आरोपियों का रवैया पहले से ही दबंगई भरा रहा है और आए दिन गाली-गलौज व विवाद करना उनकी आदत में शामिल है। हमले की इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। परिजन का कहना है कि यदि समय रहते आरोपियों पर सख्त कार्रवाई न हुई तो वे कभी भी किसी बड़े हादसे को अंजाम दे सकते हैं। पुलिस ने पीड़ित को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया है और घायलों का इलाज जारी है।

विकास कार्यों की जानकारी साझा करने वाले युवक को पीटा, जान से मारने की धमकी भी दी, चार नामजद आरोपी फरार

दादरी/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जारचा थाना क्षेत्र के जारचा गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब गांव के विकास कार्यों को लेकर जानकारी देने वाले युवक पर ही कुछ लोगों ने हमला बोल दिया। आरोप है कि चार लोगों ने मिलकर युवक की पिटाई कर दी और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी तक दे डाली। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस में तहरीर दी है, जिस पर नामजद रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार गांव निवासी अफसर अली ने ग्रामीणों को विकास कार्यों से अवगत कराने और समस्याओं का समाधान तेजी से कराने के उद्देश्य से ग्रीन जारचा नाम से एक व्हाट्सऐप ग्रुप बनाया हुआ है। इस ग्रुप में गांव के कई लोग जुड़े हुए हैं, जिनमें शानदार उर्फ शान रिजवी, काशिफ, कासिम और अब्दुल हसन भी शामिल हैं। हाल ही में गांव में प्रधान और ग्रामीणों के सहयोग से नाले की सफाई कराई गई थी। सफाई के दौरान करीब सौ से डेढ़ सौ ट्रॉली मलवा बाहर फेंकवाया गया था ताकि बरसात में गलियों और घरों में पानी जमा न हो सके। इसी बीच रविवार की शाम अफसर अली अपने घर के बाहर खड़े थे। तभी ग्रुप में शामिल चारों युवक वहां आ पहुंचे और बिना वजह गाली-गलौज शुरू कर दी। जब अफसर अली ने इसका विरोध किया तो उन्होंने हमला कर दिया। मारपीट में अफसर अली घायल हो गए। पीड़ित का कहना है कि हमलावरों ने धमकी दी कि अगर आगे कुछ बोला तो जान से खत्म कर देंगे। घटना के दौरान शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिन्हें देख आरोपी भाग निकले। घायल को परिजनों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं अफसर अली ने थाने पहुंचकर चारों आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर दी, जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाली प्रभारी सुमनेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

रास्ते में घेरकर युवक पर डंडों से हमला, सिर फूटा, पुलिस ने चार नामजद पर मुकदमा दर्ज किया

दादरी/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) जारचा थाना क्षेत्र के सीधीपुर गांव में ड्यूटी पर निकल रहे एक युवक को गांव के ही चार लोगों ने रास्ते में रोककर बेरहमी से पीट दिया। गाली-गलौज से शुरू हुई कहासुनी कुछ ही पलों में हाथापाई में बदल गई और आरोपियों ने युवक पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में युवक के सिर पर गहरी चोट आई, जिससे वह मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ा। आनन-फानन में परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। करीब डेढ़ हफ्ते तक इलाज कराने के बाद पीड़ित ने पुलिस में तहरीर दी, जिस पर अब मुकदमा दर्ज किया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक सीधीपुर निवासी प्रवीण कुमार 22 अगस्त की सुबह रोज की तरह अपनी ड्यूटी पर जाने के लिए घर से निकले थे। रास्ते में ही गांव के अंकित, रवि, आकाश और तेजवीर ने उन्हें रोक लिया। पहले तो चारों ने जमकर गाली-गलौज की और जब प्रवीण ने विरोध किया तो चारों ने मिलकर लात-घूंसों से पिटाई शुरू कर दी। इसी दौरान डंडे से वार होने पर प्रवीण बुरी तरह घायल हो गए और सिर से खून बहने लगा। उनकी चीख सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग खड़े हुए। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायल को तत्काल अस्पताल लेकर गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर बताई गई। लंबे इलाज के बाद पीड़ित ने तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया है और उनकी तलाश में दबिश दी जा रही है। कोतवाली प्रभारी सुमनेश कुमार का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी जल्द की जाएगी और मामले की गंभीरता को देखते हुए कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बाढ़ पीड़ितों के लिए व्यवस्था कर रहा गाजियाबाद प्रशासन, चिकित्सा विभाग के कैम्प भी स्थापित

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। हरियाणा प्रदेश के हथिनी कुंड लाजेवाला बैराज से छोड़े जा रहे जल के दृष्टिगत जनपद गाजियाबाद के तहसील लोनी क्षेत्रान्तर्गत प्रभावित ग्राम बदरपुर, मीरपुर हिन्दू, पचायरा, इलायचीपुर, लुत्फुल्लापुर नवादा, अल्लीपुर में बढ़े हुए जलस्तर एवं प्रभावित परिवारो को आवश्यक सुविधाऐ उपलब्ध कराने हेतु गाजियाबाद प्रशासन जुटा हुआ है। सौरभ भट्ट अपर जिलाधिकारी (वि/रा), दीपक सिंघनवाल ज्वाईंट मजिस्ट्रेट उपजिलाधिकारी लोनी एवं डॉ० अरूण कुमार अग्रवाल तहसीलदार लोनी द्वारा प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण लगातार किया जा रहा है। बाढ प्रभावित स्थानों से निकाले गये व्यक्तियों के साथ वार्ता भी की जा रही है। अपर जिलाधिकारी (वि/रा) ने बताया कि तहसील लोनी क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित लगभग 250 व्यक्तियों को दिन में 3 बार खाने के पैकेटों का वितरण कराया जा रहा है तथा सभी के लिये शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की गयी है। छोटे बच्चो एवं वृद्धो के लिये पर्याप्त मात्रा में दूध का वितरण कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त चिकित्सा विभाग द्वारा राहत शिविर के पास अपना कैम्प

स्थापित किया गया है, जहाँ आवश्यकतानुसार क्लोरीन, जिंक, पैरासिटामोल आदि टैबलेट/दवाईयो तथा ओआरएस के पैकेटो का वितरण कराया जा रहा है। किसी भी आकस्मिकता की स्थिति के दृष्टिगत मौके पर ही एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित की गयी है। प्रभावित परिवारो के मवेशियो हेतु पर्याप्त वारे उपलब्ध कराया जा रहा है। यमुना नदी का जलस्तर पहले की अपेक्षा कम हुआ है, जो आज 211.40 मीटर बना हुआ है। जिला प्रशासन द्वारा सर्तक दृष्टि रखी जा रही है तथा स्थिति नियंत्रण में है।

बहादुरगढ़ पुलिस मुठभेड़ में घायल आरोपी सहित दो गौकश दबोचे

हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र में बीती रात पुलिस और गौकशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान गोली लगने से एक आरोपी घायल हो गया, जबकि पुलिस ने उसके साथी को भी धर दबोचा। पकड़े गए दोनों आरोपियों के कब्जे से एक जिंदा गौवंश, अवैध तमंचा-कारतूस, बाइक, गौकशी के औजार और मोबाइल फोन बरामद किए गए। सीओ गढ़ वरुण मिश्रा ने बताया कि थाना प्रभारी मनोज कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने गांव नानई से पलवाड़ा मार्ग पर गश्त के दौरान संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया। खुद को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक गोली लगने से आरोपी महताब पुत्र इलियास कुरैशी घायल हो गया, जबकि उसका साथी जैद पुत्र सहीद कुरैशी निवासी ग्राम वैठ थाना सिंभावली को भी मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी हाल ही में 30 अगस्त को गांव खेड़ा के जंगल में हुई गौकशी की वारदात में भी शामिल थे। इनके खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपी हाथ जोड़कर माफी मांगते रहे और दोबारा ऐसा अपराध न करने की बात कहते रहे। पुलिस फरार अन्य साथियों की तलाश में दबिश दे रही है। फिलहाल पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

आईटीएस कॉलेज में शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का अभिनंदन, छात्रों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

मुरादनगर (शिखर समाचार)। आई.टी.एस कॉलेज परिसर शुक्रवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर रंग-बिरंगी छटा से जगमगा उठा। पूर्व राष्ट्रपति और महान दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर आयोजित समारोह में शिक्षकों को सम्मानित कर उनके योगदान को नमन किया गया। पूरा माहौल गुरुजनों के प्रति आदर और कृतज्ञता की भावना से ओतप्रोत नजर आया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने कहा कि शिक्षक समाज की रीढ़ होते हैं, जो विद्यार्थियों को केवल अकादमिक ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि जीवन जीने की कला और मूल्यों का बोध भी कराते हैं। उन्होंने कहा कि आज का शिक्षक कक्षा और क्लीनिकल लैब से आगे बढ़कर छात्रों के व्यक्तित्व निर्माण में सांस्कृतिक, खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों के जरिए भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

छात्र-छात्राओं ने भी अपने अंदाज में शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम की शान बढ़ा दी। नृत्य, गीत, फैशन शो और रंगोली प्रतियोगिता में छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मंच पर उतरी हर प्रस्तुति ने तालियों की गड़गड़ाहट बटोरी। प्रतियोगिताओं में विजयी छात्रों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया, जिससे प्रतिभागियों का उत्साह और बढ़ गया।

समारोह में चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा, डेंटल कॉलेज के डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेट्टी, हेल्थ एंड एलाइड साइंसेज के प्राचार्य डॉ. एम. थंगराज और फामेर्सी निदेशक डॉ. एस. सदीश कुमार सहित सभी विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य और छात्र बड़ी संख्या में मौजूद रहे। मंच से बार-बार यह संदेश गूंजता रहा कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षक ही वह शक्ति हैं जो आने वाली पीढ़ियों को जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं।

मेरठ परिक्षेत्र ने फिर दिखाया दम, आईजीआरएस रैंकिंग में लगातार छठी बार नंबर-वन

मेरठ (शिखर समाचार) प्रदेश सरकार की जनसुनवाई व शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) पर मेरठ परिक्षेत्र ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखते हुए अगस्त 2025 की मूल्यांकन रिपोर्ट में पहला स्थान हासिल किया है। खास बात यह है कि यह उपलब्धि मेरठ परिक्षेत्र ने लगातार छठी बार अपने नाम की है, जो पुलिस प्रशासन की सजगता और जनता के मुद्दों पर गंभीरता का प्रमाण माना जा रहा है। पुलिस उप महानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने जानकारी दी कि आईजीआरएस, जनसुनवाई और सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज हुई शिकायतों का पूरी तत्परता और समयबद्ध ढंग से निस्तारण कराया गया। शासन की मंशा के अनुरूप की गई इस कार्यप्रणाली का ही नतीजा है कि मेरठ परिक्षेत्र एक बार फिर प्रदेश के सभी परिक्षेत्रों से आगे रहा।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि हर शिकायत को गंभीरता से लिया जाए और जांच में किसी तरह की औपचारिकता न बरती जाए। डीआईजी ने जनपद प्रभारियों को आदेशित किया कि अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर तथ्यों की पड़ताल करें, केवल फोन या थाने में बैठकर रिपोर्ट न भेजें। साथ ही थाना प्रभारी व्यक्तिगत रूप से शिकायतकर्ता से फीडबैक लेकर ही जांच आख्या पोर्टल पर अपलोड करें।

डीआईजी नैथानी ने यह भी कहा कि थानों पर शिकायतों व फीडबैक से संबंधित रजिस्टर हमेशा अपडेट रहें और नोडल अधिकारी हर 15 दिन पर पोर्टल से प्राप्त शिकायतों की समीक्षा अनिवार्य रूप से करें। जांच आख्या में घटनास्थल की भौगोलिक स्थिति यानी लैटिट्यूड और लॉन्गिट्यूड दर्ज करना भी आवश्यक होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि शासन की प्राथमिकता जनता की समस्याओं का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण है। ऐसे प्रयासों से आम नागरिकों का पुलिस पर विश्वास और मजबूत होगा और मेरठ परिक्षेत्र की छवि लगातार और बेहतर बनेगी।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर शिक्षा के दीप जलाए, गुरुजनों को किया नमन

दादरी/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) पूरे क्षेत्र में शिक्षक दिवस का आयोजन इस बार विशेष श्रद्धा और उत्साह के साथ हुआ। विभिन्न विद्यालयों में हुए कार्यक्रमों में न केवल बच्चों ने अपने गुरुजनों के प्रति आभार प्रकट किया बल्कि शिक्षकों के समाज निर्माण में योगदान को भी याद किया गया। कटहेरा रोड स्थित सिटी हार्ट एकेडमी स्कूल में सुबह से ही वातावरण उत्सव जैसा रहा। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मिलकर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और दीप प्रज्वलन कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने कहा कि गुरु ही वह शक्ति हैं जो हमें अज्ञान से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाते हैं। बच्चों को संदेश दिया गया कि जीवन में सफलता के लिए गुरुजनों का सम्मान करना आवश्यक है और उनके बताए मार्ग पर चलकर ही व्यक्ति अपने माता-पिता और समाज का नाम रोशन कर सकता है। कार्यक्रम में चंचल चंदेल, शीतल वर्मा, तरुण रोसा, रजिया हुसैन, रजनीश, नवीन, रोहित यादव, पवनेश सहित कई लोग मौजूद रहे। इसी क्रम में एनटीपीसी परिसर स्थित डीपीएस स्कूल में भी शिक्षक दिवस का भव्य समारोह आयोजित किया गया। शुरूआत विद्यार्थियों की ओर से शिक्षकों को समर्पित मधुर गीत से हुई, जिसने पूरा माहौल संगीतमय बना दिया। इसके बाद विद्यार्थियों ने नाट्य मंचन प्रस्तुत कर यह संदेश दिया कि शिक्षक के मार्गदर्शन के बिना जीवन की राह अधूरी है। रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को और भी जीवंत बना दिया। समारोह में एनटीपीसी प्रबंधन की ओर से विद्यालय के शिक्षकों को सम्मानित किया गया, जिससे उनके चेहरे गर्व और संतोष से खिल उठे। कार्यक्रम में अभय कुमार मिश्रा, एस.एल. कालरा और प्रधानाचार्या पूनम दुआ विशेष रूप से उपस्थित रहे। शिक्षक दिवस पर हुए इन आयोजनों ने यह स्पष्ट कर दिया कि शिक्षक केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि विद्यार्थियों के चरित्र, संस्कार और जीवन मूल्यों को गढ़ने का भी कार्य करते हैं। यही कारण है कि समाज में गुरु का स्थान हमेशा सर्वोपरि माना गया है।

स्वर्ण प्राशन एवं पौष्टिक आहार स्वस्थ जीवन के आधार : प्रो. डॉ. भगवान सहाय शर्मा

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद के पिलखुवा कोतवाली क्षेत्र में स्थानीय जी.एस. आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में मानव संसाधन विकास प्रकोष्ठ एवं कौमारभृत्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ह्लबाल पोषण एवं स्वास्थ्य में समन्वित दृष्टिकोण झ्र 2025ह्व विषय पर एक दिवसीय शैक्षणिक कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता तिबिया कॉलेज दिल्ली के बाल रोग विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. भगवान सहाय शर्मा ने बताया कि स्वस्थ एवं सफल जीवन के लिए बच्चों को पौष्टिक आहार की आवश्यकता होती है वर्तमान परिवेश में बाजार वाद के कारण बच्चों के आहार में स्वाद पर ध्यान केंद्रित हुआ है और पोषण में कमी आई है इसलिए बदले हुए परिवेश में बच्चों के पोषण पर ध्यान देने की अत्यंत आवश्यकता है पौष्टिक आहार के साथ यदि स्वर्ण प्राशन का भी प्रयोग किया जाता है तो आश्चर्यजनक परिणाम देखने को मिलते हैं बच्चों की स्मरण शक्ति में वृद्धि होती है शारीरिक एवं मानसिक तौर से वे सबल बनते हैं और कम बीमार पड़ते हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य बाल पोषण, जीवनशैली एवं स्वास्थ्य पर आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की समन्वित दृष्टि को साझा करना था इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु विभिन्न विशेषज्ञ वक्ताओं ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए जिनमें डॉ. हिमा मंगल द्वारा बचपन में मोटापा डॉ. स्वाति चौहान द्वारा बच्चों में सामान्य पोषण, डॉ. अनीता द्वारा मातृ पोषण एवं स्तनपान की भूमिका डॉ. अंकुर तंवर द्वारा आहार विधि विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक डॉ रॉबिन चौधरी एवं डॉ मसूदा ने मंच संचालन

किया। उद्घाटन समारोह में जी एस आयुर्वेद कॉलेज एवं हॉस्पिटल की प्रिंसिपल डॉ भावना सिंह ने पोषाहार सप्ताह के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम के लिए विभाग की प्रशंसा करते हुए कहा कि स्वस्थ एवं चिरंजीवी बनने के लिए बचपन से ही मजबूत नींव डालने की आवश्यकता है और पौष्टिक आहार समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम के समापन एवं आभार प्रदर्शन में डॉ. सूनरीता तनेजा (विभागाध्यक्ष, कौमारभृत्य विभाग) ने सभी उपस्थित वक्ताओं और प्रतिभागियों के साथ साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोगी सभी स्वयंसेवकों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया कि बाल रोग विभाग में बच्चों के स्वास्थ्य रक्षण से लेकर उनके सर्वांगीण विकास तक हर प्रकार की सुविधा बाल रोग विभाग में उपलब्ध है। शैक्षिक प्रकोष्ठ की प्रमुख डॉ जीना पटनायक ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए इसे उपस्थित प्रतिभागियों के लिए एक मील का पत्थर बताते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों की आवश्यकता पर जोर दिया। मानव संसाधन विकास प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ सरोजिनी ने भविष्य में भी इसी प्रकार के कार्यक्रमों की श्रृंखला को जारी रखने के अपने संकल्प को दोहराया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कॉलेज के शिक्षक, छात्र छात्रों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की सफलता को सिद्ध किया।

सीएम योगी बोले: शीघ्र खत्म हो जाएगा पाकिस्तान

गोरखनाथ मंदिर में व्याख्यानमाला को संबोधित कर रहे थे; कहा-आंतरिक अराजकता से खोखला हो चुका है

गोरखपुर। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पाकिस्तान आंतरिक अराजकता से खोखला हो चुका है। आंतरिक अराजकता किसी भी राष्ट्र की दुर्गति की ओर ले जाती है। दुर्गति से अस्तित्व पर संकट होता है। मुख्यमंत्री गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में आयोजित व्याख्यानमाला को बतौर अध्यक्ष संबोधित कर रहे थे। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारत के चीफ आफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान भी उपस्थित थे। 'भारत के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां' विषय पर बोलते हुए सीएम ने आचार्य चाणक्य के एक उद्धरण का उल्लेख करते हुए कहा कि 'कोई राष्ट्र वाह्य रूप से सुरक्षित हो और आंतरिक रूप से सुक्षित न हो तो उसे अराजक राष्ट्र माना जाता है। ऐसा अराजक राष्ट्र शीघ्र समाप्त होने के कगार पर होता है।' अराजक राष्ट्र के रूप में उन्होंने पड़ोसी देश पाकिस्तान का उदाहरण दिया। सीएम ने कहा कि पाकिस्तान आंतरिक अराजकता से पूरी तरह खोखला हो चुका है। यही स्थिति रही तो जल्द ही वह खत्म हो जाएगा। यह व्याख्यानमाला ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 56वीं व ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 11वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित है। एक सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रम का यह पहला व्याख्यान था। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत प्राचीन काल से ही इसको लेकर सजग व सतर्क रहा है। वैदिककाल से ही भारत में यह शिक्षा दी गई कि धरती हमारी माता है। कोई भी सुयोग्य पुत्र मां के साथ अराजकता बर्दाश्त नहीं कर सकता। भारत मां की आन, बान,शान के प्रति किसी ने दुस्साहस या तो उसके खिलाफ हर भारतीय खड़ा होगा। सीएम योगी ने रामायणकाल में उपद्रवियों के नाश के लिए प्रभु श्रीराम के 'निसिचर हीन करहुं महि...' संकल्प को रामराज की आधारशिला बताया। इसी परिप्रेक्ष्य में उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम् के उद्घोष को संदर्भित करते हुए कहा कि नागरिकों का संरक्षण और दुष्टों का संहार राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपरिहार्य है। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नागरिकों के संरक्षण और दुष्टों का संहार करके ही कोई राष्ट्र सुरक्षित रह सकता है।सुरक्षा के माहौल में ही स्मृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दिए गए पंचप्रण का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें सेना के जवानों के प्रति सम्मान का भाव रखने का भी एक संकल्प है। उन्होंने कहा कि नागरिक चैन की नींद इसलिए सो पाते हैं कि हमारे सैनिक देश के मोर्चे पर माइनस 50 डिग्री तापमान में भी देश की सुरक्षा के लिए जागते रहते हैं। भारतीयों के लिए यह गर्व की बात है कि भारतीय सेना दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में से एक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में युद्ध के तौर तरीके बदले हैं। बदली परिस्थितियों में भी हमारी सेना ने दुश्मन को उसकी सीमाओं का एहसास कराया है। गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंतद्वय दिग्विजयनाथ और अवेद्यनाथ की पावन स्मृति को नमन करते हुए मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आध्यात्मिक साधना के साथ ब्रह्मलीन महंतद्वय का पूरा जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित रहा। पांथिक संकीर्णता में बंधे रहने की बजाय महंतद्वय ने भारत और भारतीयता के लिए किए गए हर आह्वान में बढ़-चढ़कर भाग लिया। महंतद्वय की स्मृति में राष्ट्र से जुड़े विषयों पर संगोष्ठी का यह आयोजन गुरु परंपरा के प्रति गौरव की अनुभूति और कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर होता है। संगोष्ठी के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के दूसरे राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन को उनकी जयंती पर याद किया और इस अवसर पर मनाए जाने वाले शिक्षक दिवस की बधाई सभी शिक्षकों को दी। सीएम ने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन एक दार्शनिक शिक्षक थे। उन्होंने समाज के मुद्दों को दार्शनिक अंदाज में देश और दुनिया के सामने प्रस्तुत किया। संगोष्ठी में विषय प्रवर्तन करते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभाग के आचार्य प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा की सीमाएं अनंत हैं। उसे देखने के कई कोण हैं। उन्होंने कहा कि सात देशों की सीमाएं भारतीय सीमा को स्पर्श करती हैं। 17 राज्यों की सीमाएं अंतरराष्ट्रीय हैं। प्रो.सिन्हा ने कहा कि आतंकवाद की 70 प्रतिशत घटनाओं में कमी आई है, फिर भी चुनौती बनी हुई है। राष्ट्र की सुरक्षा में नए किस्म के और अमूर्त खतरे उत्पन्न हुए हैं। मसलन साइबर अटैक, देश में प्रति मिनट 761 साइबर अटैक हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा कुछ साहसिक फैसलों, संकल्पों और पराक्रम की मांग करता है। संगोष्ठी को अशर्फी भवन अयोध्या से आए स्वामी श्रीधराचार्य ने भी संबोधित किया। संगोष्ठी का शुभारंभ युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के चित्रों पर पुष्पांजलि से हुआ। दिग्विजय स्त्रोत पाठ डॉ.अभिषेक पांडेय, महंत अवेद्यनाथ स्त्रोत पाठ डॉ. प्रांगेश कुमार मिश्र, वैदिक मंगलाचरण डॉ. रंगनाथ त्रिपाठी और गोरक्ष अष्टक पाठ आदित्य तिवारी व गौरव पांडेय ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्रीभगवान सिंह ने किया। इस अवसर पर परिधान पीठ गोपाल मंदिर अयोध्या से आए कथा व्यास जगद्गुरु रामानंदाचार्च स्वामी राम दिनेशाचार्य, गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, काशी से पधारे जगद्गुरु स्वामी संतोषाचार्य उर्फ सतुआ बाबा, सवाई आगरा के ब्रह्मचारी दास लाल, हनुमानगढ़ी अयोध्या के महंत राजूदास, धर्मदास, अयोध्या से आए महंत कमलनयनदास, अनंत स्वामी पद्मनाभाचार्य, महंत रामलखनदास, राममिलनदास, जबलपुर से आए स्वामी नरसिंहदास, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

आवास सम्बंधित संयुक्त समिति के बैठक में विधायक पीएन पाठक ने अधिकारियों को दिए निर्देश

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। उत्तर प्रदेश आवास संबंधी संयुक्त समिति द्वारा नई दिल्ली स्थित उतर प्रदेश भवन (संगम) में राज्य सम्पत्ति विभाग के अधिकारीगणो के साथ बैठक में भाग किया विधायक पीएन पाठक तथा उत्तर प्रदेश भवन का स्थलीय निरीक्षण कर भवन के रखरखाव, कार्यप्रणाली, विभिन्न व्यवस्थाओं के सन्दर्भ आवश्यक निर्देश दिया। विधायक पीएन पाठक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि समय- समय पर भवन के रख रखाव और मरम्मत कार्य पूर्ण करले और भवन के कार्यप्रणाली और विभिन्न व्यवस्थाओं को ध्यान रखते हुए काम करने पर बल दिया गया इस दौरान साथ में विधान परिषद सदस्य संतोष सिंह विधायक संजीव अग्रवाल विधायक श्रीमती पूनम शंखवार विधायक राम सिंह आवास आयुक्त, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ आईएएस रवि एनजी राज्य संपति अधिकारी आलोक सिंह आदि उपस्थित रहें।

शिक्षक राष्ट्र निर्माण के आधार:सांसद शशांक मणि त्रिपाठी

संवाददाता

कुशीनगर। जनपद के फाजिलनगर ब्लाक के ग्राम मधुरिया स्थित पावानगर सेंट्रल स्कूल में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह की शुरूआत माँ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन कर की गई। इसके उपरांत विद्यालय के छात्र- छात्राओं ने देशभक्ति गीतों पर आधारित मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। चीफ गेस्ट क्षेत्रीय सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने कहा कि बिना शिक्षक के विकसित भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। शिक्षक केवल ज्ञान का संचार नहीं करते, बल्कि देश की नींव को सुदृढ़ बनाते हैं। वे विद्यार्थियों में विचार, चरित्र और आत्मबल का निर्माण करते हैं, जो आने वाले राष्ट्र के भविष्य की दिशा तय करता है। विधायक सुरेंद्र कुमार कुशवाहा ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक वह हस्ती है, जिसकी गोद में प्रलय और निर्माण दोनों खेलते हैं। वह प्रतिभाओं को गढ़ता है और भविष्य की नींव रखता है।इस अवसर पर पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, मण्डल अध्यक्ष राणा प्रताप सिंह सहित अन्य वक्ताओं ने भी शिक्षक की भूमिका को युग निर्माण से जोड़ते हुए उन्हें समाज की रीढ़ बताया। समारोह में क्षेत्र के बरिष्ठ एवं अवकाश प्राप्त शिक्षकों रामायन पांडेय, सुरेश राय, घरभरन गुप्ता, कृपाशंकर चौबे, मुन्ना मिश्र, राज्य शिक्षक पुरस्कार प्राप्त सुनील त्रिपाठी सुमन को अंगवस्त्र व प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। विद्यालय की छात्राओं समीक्षा सिंह, सात्विक पांडेय, सक्षम जायसवाल, परी जायसवाल, सोनम यादव, पीहू कुमारी, नाफि जा खातून, ऋद्धि-सिद्धि आदि ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थितजनों का मन मोह लिया। संचालन विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती संजू सिंह ने से किया। विद्यालय प्रबंधक अशोक जायसवाल ने आए हुए सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक आकाश अग्रहरी, राजेश्वर द्विवेदी, संध्या शाही, अनुष्का पांडेय, अमृता तिवारी, महेंद्र उपाध्याय, सांसद प्रतिनिधि सुरेंद्र सिंह कुशवाहा, सांसद पीआरओ प्रिंस चतुर्वेदी, भाजपा नेता मनोज चौबे, कुलदीप उपाध्याय, कृष्ण कुमार उपाध्याय, राणा प्रताप मिश्र, नीलेश उपाध्याय, आनंद उपाध्याय, ग्राम प्रधान नागेंद्र गुप्ता, पूर्व ग्राम प्रधान विनय तिवारी, छात्र नेता बलराम जायसवाल, राना सिंह, योगेन्द्र कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

लखनऊ में पुलिस द्वारा किए गए दुर्व्यवहार के विरोध में एबीवीपी ने मुख्यमंत्री के नाम का सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

लखनऊ। स्थित एसआरएम यूनिवर्सिटी में छात्रो के साथ हो रही समस्याओं के लिए जब विद्याथीर्यो संग एबीवीपी कार्यकताओं ने उसके विरोध में आवाज उठाने का काम करा तब उन छात्रो की आवाज को दबाते हुए स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा ना जाने किसके निर्देश पर छात्रों के साथ मारपीट की गई व उस छात्र शक्ति की आवाज को दबाने का काम किया गया । जब इसी क्रम में विद्याथीयो व विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन एबीवीपी के कार्यकताओं ने शांतिपूर्वक न्याय दिलाने की बात करी तो इसी भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए उन निर्दोष विद्याथीयों पर लाठीचार्ज कर दिया जाता है । इस प्रदेश में न्याय की व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए भ्रष्टाचारियों का प्रदेश से सफाया हो ऐसी माँग एबीवीपी के कार्यकताओं की देखी जा रही है जिसके निमित आज गाज़ियाबाद के कार्यकताओं ने उक्त विषय के विरोध में मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया व उचित कार्यवाही की माँग की । कार्यकताओं ने यह माँग रखी कि मामले की जाँच कर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए , एसआरएम यूनिवर्सिटी की जाँच हो , भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए सरकार कार्य करे , इस देश में गलत के विरोध में आवाज उठाने की आजादी प्रत्येक नागरिक की सुनिश्चित हो और इस प्रकार की घटना पुनः प्रदेश के किसी भी कोने में ना घटे इसकी समीक्षा करने की अतियंत आवश्यकता है ।

ब्राइट चिल्ड्रन एकेडमी में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

संवाददाता

कुशीनगर। नगर स्थित ब्राइट चिल्ड्रन एकेडमी में शिक्षक दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। विद्यालय में स्कूली छात्र छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। प्रबंध समिति ने शिक्षकों को सम्मानित किया।

शुक्रवार को शिक्षक दिवस पर स्कूली बच्चों ने शिक्षक की भूमिका निभाते हुए रोल प्ले कर उनसे आशीर्वाद भी लिया। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा अपने शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें उपहार दिए । कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक श्री जयप्रकाश श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य चंद्रभूषण मिश्र ने मां सरस्वती व सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन के चित्र के सम्मुख पुष्प अर्पित कर किया।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य श्री मिश्रा ने शिक्षक दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षक हमारे समाज के निमार्ता मार्गदर्शक होते हैं। माता-पिता बच्चों को जन्म जरूर देते हैं तो शिक्षक उनके चरित्र को आकार देकर उज्जवल भविष्य के लिए तैयार करते हैं। इसलिए हमें अपने शिक्षकों को कभी नहीं भूलना चाहिए। विद्यालय के प्रबंधक जयप्रकाश श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारत के राष्ट्रपति होने के साथ-साथ एक महान शिक्षक भी थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाज के लिए समर्पित कर दिया। सभी शिक्षकों व स्कूली बच्चों को डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णनन द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लेना चाहिए। इस दौरान शिक्षक रमेश प्रसाद, विवेकानन्द मिश्रा, मुकेश मिश्रा, अनवारुल खान, अंजू श्रीवास्तव, निशा यादव, सलोनी, शशि मिश्रा ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन खुशी मद्धेशिया और नीलू ठाकुर ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर जयप्रकाश श्रीवास्तव, गुफरान, बुशरा, विजय लक्ष्मी पांडे, ज्योति सहित सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हरियाणा गौड़ ब्राहमण समाज द्वारा वामन भगवान की शोभायात्रा का भव्य स्वागत

शोभायात्रा में ब्राहमणों की एकजुटता ने दिया समाज की मजबूती का संदेश : सत्यप्रकाश शर्मा

संवाददाता

मथुरा। शहर में वामन भगवान की शोभायात्रा भव्य रूप से निकाली गई, जिसका जगह जगह जोरदार स्वागत किया गया। शोभायात्रा में ब्राहमण समाज के गणमान्य लोगों ने भारी मात्रा में भाग लिया। इसी कड़ी में हरियाणा गौड़ ब्राहमण समाज द्वारा श्रीवामन भगवान शोभायात्रा का स्वागत होली दरवाजा अंदर जोरशोर से किया गया। इस दौरान हरियाणा गौड़ ब्राहमण समाज के जिलाध्यक्ष गोविन्द्र हरियाणा के नेतृत्व में सत्यप्रकाश सहित अन्य पदाधिकारियों ने शोभायात्रा भव्य स्वागत किया तथा आरती कर भोग लगाया। इसके अलावा यात्रा में शामिल सभी श्रद्धालुओं को ठंडा पेय का वितरण किया गया। प्रदेश संगठन मंत्री सत्यप्रकाश शर्मा ने यात्रा के संचालकों का मंच पर पटुका पहनाकर जोरदार स्वागत किया एवं स्मृति चित्र भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान प्रदेश संगठन मंत्री सत्यप्रकाश शर्मा ने कहा कि वामन भगवान की शोभायात्रा में ब्राहमण समाज क एकजुटता काफी सराहनीय है जो कि यह साबित कर रही है कि अलग थलग रहने वाला ब्राहमण समाज आज पूरी तरह एकजुट होकर एक स्तम्भ की तरह मजबूत है।

संक्षिप्त डायरी

शैक्षिक विकास में डॉ राधा कृष्णन का अहम योगदान: पुरंदर प्रताप यादव

संवाददाता

कुशीनगर। कसया तहसील क्षेत्र के नपाप कुशीनगर अंतर्गत बनवारी टोला स्थित केश्वर इंटरमीडिएट कालेज के परिसर में पूर्व राष्ट्रपति, प्रख्यात शिक्षाविद, भारत रत्न डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन को जयंती अवसर पर याद किया गया। बृहस्पतिवार को विद्यालय के प्रधानाचार्य पुरंदर प्रताप यादव सहित शिक्षकों और बच्चों ने केक काटा गया और उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। प्रधानाचार्य श्री यादव ने कहा कि डॉ राधा कृष्णन एक कुशल कुशल प्रशासक, राजनीतीज्ञ और शिक्षाविद थे। उन्होंने देश के शैक्षिक विकास में अहम योगदान दिया। छात्र और छात्राओं ने अपने गुरुजनों को कलम, डायरी, उपहार देकर सम्मानित किया। इस दौरान विद्यालय के प्रबंधक देवेंद्र प्रताप यादव, अमरजीत यादव, शेषनाथ यादव, कमलेश भारती, हरेंद्र यादव, जगतराज चौहान, जयसिंह प्रसाद, ओम प्रकाश यादव, शशिमा पटेल, मोनिका प्रसाद, अंबालिका यादव, ज्योति यादव, मुन्नी देवी आदि मौजूद रहे।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने किया बुद्ध को नमन

संवाददाता

कुशीनगर। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन और बौद्ध तीर्थ कुशीनगर पहुंचे भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने शांति, करुणा, मैत्री के उपदेशक भगवान बुद्ध का दर्शन पूजन किया और चीवर चढ़ाकर देश की खुशहाली की कामना की। शुक्रवार को बुद्ध स्थली पहुंचे सीडीएस जनरल अनिल चौहान सबसे पहले थाई मंदिर पहुंचे जहां अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक नितेश कटियार ने बुके देकर स्वागत किया। इसके बाद मुख्य थाई मंदिर पहुंचे और बुद्ध की दर्शन किया। प्रमुख भंते डॉ पी सोम पोंग के निर्देशन में थाई भंते फ्रा सों क्रान और ने बुद्ध की प्रतिमा, कलम डायरी, और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। अंत में सीडीएस जनरल श्री चौहान मुख्य महा परिनिर्वाण मंदिर पहुंचे और भिक्षुओं के बुद्ध वंदना के बीच बुद्ध की लेटी प्रतिमा का दर्शन कर चीवर चढ़ाया। बुद्ध इंटरमीडिएट कालेज के एनसीसी कैप्टन वेद प्रकाश मिश्रा और गाइड डॉ अभय कुमार राय ने उन्हें कुशीनगर के पुरातात्विक, ऐतिहासिक महत्व से अवगत कराते हुए बुद्ध के निर्वाण स्थल, अंतिम उपदेश स्थल, अंतिम संस्कार स्थल आदि की जानकारी दी। श्री चौहान गोरखपुर में गुरुवार को गोरखा रेजिमेंट के शताब्दी समारोह में भाग लेने आए हुए थे। यहां भंते यशपाल ने उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान एसडीएम डॉ संत राज बघेल, सीओ कुंदन सिंह, मेजर ध्रुवा बहादुर खत्री, आई पी एस अरुण कुमार एस, नायब तहसीलदार संदीप कुमार, चौकी इंचार्ज कुशीनगर गौरव कुमार शुक्ला, राजस्व निरीक्षक ब्रजेश मणि, लेखपाल निलेश रंजन राव, डा. संजय कुमार सिंह, थाई मंदिर से अंबिकेश त्रिपाठी, ओम प्रकाश कुशवाहा, सूरज यादव, गौतम शर्मा, विवेक कुमार गोंड आदि सहित सेना, पुलिस, पर्यटन पुलिस, चिकित्सा स्टाफ मौजूद रहे।

संस्कार-संगम: गुरुजनों पर टिकी है सभ्यता, संस्कृति की नींव: कवि दिनेश तिवारी

संवाददाता

कुशीनगर। परंपरागत मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से कार्यरत अखिल भारतीय सांस्कृतिक संस्था संस्कार-संगम द्वारा रविवार को नगर के चित्रतुली मोहल्ले स्थित डॉ. अंबरीश विश्वकर्मा के आवास पर शिक्षक दिवस पर परिचर्चा आयोजित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। मुख्य अतिथि अवकाश प्राप्त प्रवक्ता सुरेश गुप्त ने कहा कि शिक्षक हमारे जीवन की दिशा तय करते हैं। वे ज्ञान के साथ-साथ संस्कारों की शिक्षा देकर समाज को समृद्ध बनाते हैं। लब्ध प्रतिष्ठित कवि दिनेश तिवारी ह्यभोजपुरियाह्न ने कहा कि ₹शिक्षक समाज की वह नींव हैं जिन पर सभ्यता और संस्कृति टिकी हुई है। डॉ. अंबरीश विश्वकर्मा ने कहा कि ₹शिक्षक दिवस हमें यह स्मरण कराता है। श्रीमती किरण जयसवाल ने कहा कि ₹गुरु का स्थान सबसे ऊँचा है। अध्यक्षता कर रहे कृष्णमुरारी धर द्विवेदी ने कहा कि ₹गुरुजनों का सम्मान करना समाज का परम कर्तव्य है। संचालन करते हुए शिक्षक राजू मद्धेशिया ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह का समापन सामूहिक गुरु वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर राम नारायण जायसवाल, रमेश मद्धेशिया, अमित मिश्रा, पवन गुप्ता,धीरज जायसवाल, मनोज सिंह, विवेक विश्वकर्मा, सुभाष मद्धेशिया सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विधायक ने चैलेंजर्स ग्रुप की 'डिजिटल बस' का किया अनावरण

नॉएडा (शिखर समाचार)। दिनांक 5/09/2025 को चैलेंजर्स ग्रुप द्वारा सेक्टर-21 स्थित नॉएडा स्टेडियम में चैलेंजर्स की "पाठशाला ऑन व्हील्स" के शुभारंभ पर कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसकी शुरूआत गणेश वंदना के साथ दीप प्रज्वलित करके की, तत्पश्चात मुख्य अतिथि श्री पंकज सिंह (विधायक, नाॅएडा), विशिष्ट अतिथि श्री ओपी गोयल, डॉ राजीव (प्राचार्य, डिग्री कॉलेज) ने पाठशाला ऑन व्हील्स का अनावरण कर झंडी दिखाकर वाहन को रवाना किया, चैलेंजर्स ग्रुप के संस्थापक प्रिंस शर्मा ने कहा कि पाठशाला ऑन व्हील्स एक चलती-फिरती पाठशाला है, जिसका उद्देश्य उन बच्चों तक शिक्षा पहुँचाना है जो किसी कारणवश औपचारिक स्कूलों से दूर हैं। यह पहल खासकर झुग्गी-झोपड़ियों, और सड़क किनारे रहने वाले वंचित बच्चों के लिए शुरू की गई है। इस मोबाइल क्लासरूम के माध्यम से बच्चों को बुनियादी शिक्षा व डिजिटल शिक्षा की जानकारी दी जाएगी, इसमें स्मार्ट टीवी और लैपटॉप जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं, विधयाक पंकज सिंह ने कहा कि इस पहल के माध्यम से समाज के सभी वर्गों के लिए शिक्षा के अवसरों का विस्तार होगा, मंच का संचालन डॉ अशोक श्रीवास्तव ने किया, इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों जैसे राजेश सहाय (चैयरमेन, हायरैंक कॉलेज), महेश सक्सेना (नॉएडा लोकमंच), सुनीता जेटली (प्रोफेसर, डीयू), रंजन तोमर (अध्यक्ष, नोवरा), संजय गुप्ता, गौरी शंकर, दीपा, रोशनी, गीतिका, उत्तम आदि ने इस पहल की सराहना की।

मीडिया क्लब ने मनाया महासचिव समेत वरिष्ठ पत्रकारों का जन्मदिन

नॉएडा (शिखर समाचार)। शुक्रवार को नोएडा मीडिया क्लब में क्लब के सदस्यों का जन्मदिन मनाया गया, गौरतलब है की बीते दिनों मीडिया क्लब के महासचिव जयप्रकाश सिंह, वरिष्ठ पत्रकार संतोष कुमार सिंह,सुरेश चौधरी, प्रवेश चौधरी और ऋषि तिवारी का जन्मदिन रहा,क्लब में भव्य कार्यक्रम के जरिए सभी वरिष्ठ पत्रकारों एवं महासचिव का जन्मदिन मनाया गया,इस अवसर पर मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने सभी को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं दी और कहा कि मीडिया क्लब में समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे, उन्होंने कहा कि मीडिया क्लब नोएडा के पत्रकारों के लिए कई नयी योजनाएं भी शीघ्र लागू करने जा रहा है। इस अवसर पर सचिव जगदीश शर्मा, कोषाध्यक्ष मनोज वत्स, कार्यकारिणी सदस्य प्रमोद शर्मा और आंचल यादव,वरिष्ठ पत्रकार अरुण सिन्हा, राजेश शर्मा, संगीता चौधरी, सुमन चौधरी, हरवीर चौहान, पवन बैरागी, धीरेंद्र अवाना, योगेश राणा, हेमंत कुमार, अनुज गुप्ता, वरुण श्रीवास्तव, विनायक गुप्ता, कंचन भारद्वाज, रंजीत पांडे, आदि मौजूद रहे ।

नोएडा सेक्टर-15 में रोजगार की दिशा में नवाचार क्रिस्टल पाठशाला और ANP ग्लोबल ने संयुक्त रूप से प्रशिक्षण संस्थान की शुरूआत की

नॉएडा (शिखर समाचार)। युवाओं को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत क्रिस्टल पाठशाला और अठढ ग्लोबल ने संयुक्त रूप से नोएडा सेक्टर-15 में एक नए प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में संस्थान के निदेशक श्री राहुल पाल ने जानकारी देते हुए कहा कि यहां युवाओं के लिए एंकरिंग, एडिटिंग, ग्राफिक्स, एविएशन, पर्सनैलिटी डेवलपमेंट, स्पोकन इंग्लिश, कैमरा ऑपरेशन और लाइव स्ट्रीमिंग जैसे सर्टिफिकेट कोर्स उपलब्ध करवाए गए हैं। इन कोर्सेस की मदद से छात्र-छात्राएं शीघ्र ही रोजगार प्राप्त कर सकेंगे। संस्थान की सह-निदेशक और प्रसिद्ध इमेज कंसल्टेंट काजल बंसल ने कहा झ एविएशन और पर्सनैलिटी डेवलपमेंट ट्रेनिंग के बाद विद्यार्थी कॉर्पोरेट क्षेत्र की बड़ी कंपनियों में अपना करियर बना सकते हैं। पहले से ही संस्थान के कई छात्र HCL, iEnergizer, TCS, Wipro ,Indio, air india जैसी नामी कंपनियों में कार्यरत हैं।
संस्थान के मीडिया निदेशक अभय रंजन ने बताया कि प्रशिक्षण के लिए मीडिया इंडस्ट्री के जाने-माने एंकर और विशेषज्ञों को जोड़ा गया है। इनमें राहुल कुमार, संदीप अग्रवाल, रवि सिंह, नैन्सी गौतम, अस्मिता सिंह राजपूत जैसे नाम शामिल हैं, जो विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव के साथ प्रशिक्षित करेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने संस्थान की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रयास न केवल स्थानीय युवाओं को उद्योग और मीडिया क्षेत्र की ओर उन्मुख करेगा, बल्कि उन्हें व्यावसायिक कौशल विकसित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की राह भी प्रशस्त करेगा।

शिक्षक दिवस पर ब्रह्माकुमारीज द्वारा शिक्षकों का सम्मान समारोह

नॉएडा (शिखर समाचार)। शिक्षक दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज, सेक्टर-46, नोएडा केंद्र द्वारा विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में शिक्षकों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।इस उपलक्ष्य परे एस.डी. बाल विद्या मंदिरे (सेक्टर-55), भवानी शंकर कॉलेजे (सेक्टर-46) तथो नवजीवन स्कूले (भांगेल) में विशेष कार्यक्रम सम्पन्न हुए। ब्रह्माकुमारी केंद्र की प्रभारी वरिष्ठ बहन बी.के. कीर्ति (लीना दीदी) ने शिक्षकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान का प्रसार करने वाले ही नहीं, अपितु एक आदर्श और सशक्त समाज के निर्माण के सूत्रधार हैं।आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में यह और भी आवश्यक हो गया है कि शिक्षा केवल अंकों की दौड़ न होकर, मूल्यों के संचार का माध्यम बने। शिक्षा का उद्देश्य केवल बुद्धि-विकास नहीं, बल्कि आत्म-विकास और चरित्र-निर्माण भी होना चाहिए। लीना दीदी ने आगे कहा कि इस समस्त सृष्टि का वास्तविके सद्गुरे और सर्वोच्च शिक्षक स्वयं परमपिता परमात्मा ही हैं।साधारण शिक्षक हमें विषयगत ज्ञान देते हैं, परंतु परमात्मा हमें ऐसी शिक्षा प्रदान करते हैं जो जीवन पर्यन्त साथ देती है।संस्था द्वारा सदा यह प्रेरणा दी जाती है कि शिक्षक स्वयं को ह्लसत्य, शांति, प्रेम, पवित्रता और सहयोगह्व जैसे सार्वभौमिक मूल्यों से सज्जित करें और इन मूल्यों को विद्यार्थियों में भी संचारित करें। यह मूल्यों का ही प्रकाश है, जिसके सहारे हम जीवन की विभिन्न चुनौतियों और उलझनों से पार पा सकते हैं।जब समाज के हर स्तर पर ऐसे संस्कार स्थापित होते हैं तो शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य पूर्ण होता है।इस प्रकार, शिक्षक दिवस पर हम सभी को यह स्मरण रखना चाहिए कि समस्त जगत का परम शिक्षक स्वयं ईश्वर है। उनसे जुड़कर ही हम एक सफल, संतुलित और मूल्यनिष्ठ जीवन जी सकते हैं। कार्यक्रमों के दौरान शिक्षकों को पुष्प एवं सम्मान पत्र देकर उनके योगदान की सराहना की गई। इस अवसर पर विद्यालयों और महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने भी अपने विचार साझा किए। सभी ने एक स्वर में कहा कि यह पहल शिक्षकों के सम्मान को नई ऊर्जा प्रदान करने वाली है। उपस्थित प्राचार्यों और शिक्षकों ने ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा आयोजित इस प्रेरणादायी कार्यक्रम के लिए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। ब्रह्माकुमारीज, सेक्टर-46, नोएडा की इस पहल ने न केवल शिक्षकों की महत्ता को उजागर करते हुए यह भी स्मरण कराया कि समाज की प्रगति का वास्तविक आधार शिक्षक ही हैं।

शिक्षक दिवस समारोह बड़े ही उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया

नॉएडा (शिखर समाचार)। संस्कार अध्ययन केन्द्र गढ़ी में शिक्षक दिवस समारोह गढ़ी, 5 सितम्बर 2025। संस्कार अध्ययन केन्द्र गढ़ी में शिक्षक दिवस समारोह बड़े ही उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने गीत, कविता और नृत्य प्रस्तुत कर अपने शिक्षकों के प्रति आभार और सम्मान व्यक्त किया।इस अवसर पर बच्चों द्वारा चयनित तीन अध्यापिकाओं को उनके उत्कृष्ट शिक्षण एवं समर्पण के लिए "Best Teachers Award 2025" से सम्मानित किया गया। सम्मानित अध्यापिकाएँ रहीं - दीक्षा (संस्कार अध्ययन केन्द्र सरफाबाद), को डॉ. एन.के. अम्बष्ट के द्वारा सम्मानित किया गया। सीमा (संस्कार अध्ययन केन्द्र कोंडली) को वेद प्रकाश तथा राम किशन के द्वारा सम्मानित किया गया। प्रिंसी (संस्कार अध्ययन केन्द्र गढ़ी) को विभा बंसल के द्वारा सम्मानित किया गया।शिक्षक सम्मान समारोह के दौरान बच्चों ने फूल एवं कार्ड भेंट कर अपने भाव प्रकट किए। पूरे कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, कृतज्ञता और भावनात्मक जुड़ाव से सराबोर रहा।इस अवसर पर लोकमंच के पदाधिकारी एवं विशिष्ट अतिथि -डॉ. एन.के. अम्बष्ट, महेश सक्सेना, जय श्री, विभा बंसल, आर एन श्रीवास्तव, मुकुल बजपाय,सुभाष सिंघल, कुशाग्र अवश्थी, कुशाग्र, लीका सक्सेना , वेद प्रकाश, राम किशन, मुक्ता, आशु, अल्का चौहान एवं श्री मुकेश चंद शर्मा उपस्थित रहे। समारोह के उपरांत अध्यापिकाओं द्वारा बनाए गए स्वादिष्ट भोजन का सभी ने सामूहिक रूप से आनंद लिया। यह आयोजन बच्चों और शिक्षकों के बीच स्नेह, सम्मान एवं सहयोग की भावना का सशक्त उदाहरण बनकर स्मरणीय हो गया।

रामलीला मैदान में भूमिपूजन कर श्रीरामलीला मंचन की तैयारियों का किया श्रीगणेश

नॉएडा (शिखर समाचार)। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति ने आज सेक्टर-62,नोएडा स्थित लीला स्थल रामलीला मैदान में भूमिपूजन कर श्रीरामलीला मंचन एवं श्रीरामलीला महोत्सव 2025 की तैयारियों का श्रीगणेश कर दिया है।भूमिपूजन के उपरांत आज से रामलीला की विधिवत तैयारियाँ शुरू हो गईं हैं।भूमिपूजन के शुभ अवसर पर नोएडा विधायक पंकज सिंह के प्रतिनिधि अनिल सिंह,श्रीराम मित्र मंडल नोएडा के चेयरमैन उमशंकर गर्ग,अध्यक्ष धर्मपाल गोयल,महासचिव डॉ॰मुन्ना कुमार शर्मा,कोषाध्यक्ष राजेंद्र गर्ग,सह-कोषाध्यक्ष अनिल गोयल,वरिष्ठ उपाध्यक्ष बजरंगलाल गुप्ता,राजकुमार गर्ग,चौधरी रविन्द्र सिंह,मनोज शर्मा,विपिन गुप्ता,पवन गोयल,एसएमगुप्ता,मुकेश गोयल,मुकेश गुप्ता,महेश गुप्ता,महेश सक्सेना,लीला मंडली के निर्देशक आलोक राठौर,सहनिर्देशक नरेंद्र कुमार,अर्जुन अरोड़ा,चक्रपाणि गोयल,मनीष गोयल,साहिल चौधरी,गिरिराज,डॉ.एसपीजैन,आर के उप्रेती,अनंत वर्मा,राजेश माथुर,उपदेश भारद्वाज,रामनिवास बंसल,राकेश कुमार सिंह,पवन शर्मा,सातेंद शर्मा,एनके अग्रवाल,सुधीर पोरवाल,सुशीला शर्मा,बिजेंद्र राय,किशनलाल,राजकुमार शर्मा,बाबूराम,कमलाकांत राय,एस-केगुप्ता,विनय हिन्दू,बीकेराय,सहित शहर के सैकड़ों गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। पूजा के दौरान भगवान श्रीराम,माता सीता, लक्ष्मणजी और हनुमान जी की विशेष पूजा की गई और इसके बाद आरती की गई।प्रसाद वितरण के पश्चात भंडारा का आयोजन किया गया । श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के महासचिव डॉ॰मुन्ना कुमार शर्मा ने सभी उपस्थितजनों का स्वागत किया एवं कहा कि इस वर्ष रामलीला मंचन 22 सितंबर से 3 अक्टूबर तक भव्य रूप में आयोजित की जाएगी,जिसमें मुरादाबाद की प्रसिद्ध मंडली शिवकला लोक कल्याण समिति के पचास से अधिक कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।26 सितंबर को श्रीराम बारात शोभायात्रा निकाली जायेगी।समिति के चेयरमेन उमाशंकर गर्ग एवं अध्यक्ष धर्मपाल गोयल ने सभी उपस्थितजनों को धन्यवाद दिया।लीला मंचन के लिए 150 फुट के स्टेज को तीन हिस्सों में विभाजित किया जाएगा,जिसमें पहला हिस्सा जंगल, दूसरा हिस्सा पहाड़ और तीसरा हिस्सा राम दरबार के रूप में सजाया जाएगा। सभी अतिथियों,कलाकारों और दर्शकों की सुरक्षा के लिए व्यापक व्यवस्था की जा रही है। सीसीटीवी कैमरों एवं ड्रोन के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

यमुना एक्सप्रेस-वे से जुड़े किसानों का धरना 38वें दिन भी जारी

नॉएडा (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) के बैनर तले चल रहा किसानों का धरना आज 38वें दिन भी जारी रहा। आंदोलन की अध्यक्षता लखन चौधरी ने की, जबकि राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर श्यौराज ने नेतृत्व किया। धरने में मौजूद पदाधिकारियों ने एक सुर में संकल्प लिया कि जब तक किसानों की सभी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं हो जाता, तब तक आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा। किसानों की मुख्य मांगों में शामिल हैं–

यमुना एक्सप्रेस–वे पर किसानों को आवासीय प्लाट का आवंटन
भूमि अधिग्रहण के एवज में अतिरिक्त मुआवजा
पुनर्ग्रहण/अधिग्रहण की गई पुरानी आबादियों का निस्तारण

तथा जिन किसानों ने अब तक मुआवजा नहीं लिया है, उन्हें वर्तमान दर से मुआवजा दिलाना। किसानों का कहना है कि जब तक सरकार और प्राधिकरण इन सभी मुद्दों का निस्तारण नहीं करेंगे, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। आज के धरने में उदयभान मलिक, सगीर खां, विजयपाल सिंह, ओमप्रकाश, मनवीर सिंह, गजब सिंह, शीले, महेंद्र रावत, विजयवीर, शिबू मुखिया और प्रेमचंद भाटी समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। धरना स्थल पर किसानों का उत्साह देखते हुए स्पष्ट है कि यह आंदोलन जल्द समाप्त होने वाला नहीं है। किसान नेताओं का कहना है कि वे अपने हक की लड़ाई लड़ रहे हैं और अंतिम समाधान तक पीछे नहीं हटेंगे।

शिक्षक दिवस पर – ज्ञान के पोषक शिक्षक व्यक्ति, समाज व राष्ट्र निमार्ता है : रेखा रानी

नॉएडा (शिखर समाचार)। मंडी श्याम नगर स्थित गुरुकुल उच्चतर माध्यमिक संस्कृत विद्यालय सिकंदराबाद में शुक्रवार को पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ . राधाकृष्णन मेनन के जन्मदिन के अवसर पर आचार्य सोबरन सिंह पूर्व प्रधानाचार्य की अध्यक्षता में भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के तत्वधान में राष्ट्रीय सचिव नंद गोपाल वर्मा के संचालन में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया इस मौके पर बोलते हुए अध्यापिका रेखा रानी ने कहा कि ज्ञान के पोषक शिक्षक व्यक्ति समाज व राष्ट्र निमार्ता है। कार्यक्रम में भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ संगठन की ओर से अध्यापक, अध्यापिकाएं एवं समाजसेवी को फूलमाला-पटका आदि से सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने गुरुकुल के विद्यार्थियों से शिक्षक रहे पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्णन मेनन के आदर्श से प्रेरणा लेकर अच्छे शिक्षित, संस्कारिक, ज्ञानवर्धक एवं कर्तव्य परायण राष्ट्रवादी नागरिक बन अपने व परिवार जनों सहित समाज एवं देश को विकासशील एवं समृद्ध भारत बनाने में भूमिका निभाने का आवाहन किया। इस मौके पर प आचार्य सोबरन सिंह पूर्व प्रधानाचार्य, भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय सचिव नंद गोपाल वर्मा पत्रकार व सामाजिक चिंतक, चौधरी मुकेश सिंह, समाजसेवी कुलदीप शर्मा, संदीप कुमार, विजय कुमार, सृष्टि, रोनिका भाटी, रेखा रानी, समेत गुरुकुल के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जनपद में 13 सितंबर 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत का होगा आयोजन

नॉएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ व जिला न्यायाधीश गौतम बुद्ध नगर मलखान सिंह के निदेर्शों के क्रम में अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतम बुद्ध नगर चंद्र मोहन श्रीवास्तव ने बताया कि 13/09/2025 को जनपद गौतमबुद्धनगर में मुख्यालय एवं तहसील स्तर पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में विशेषतः आपराधिक शमनीय वाद, पारिवारिक मामले, मोटरयान दुर्घटना अधिनियम के मामले, बिजली व पानी से संबंधित मामले, धारा 138 एन.आई. एक्ट के वाद, भू-राजस्व वाद, सेवा सम्बन्धित मामले एवं प्री-लिटीगेशन मामलों के साथ-साथ सुलह-समझौते के माध्यम से निस्तारण योग्य अन्य विवाद, जिनमें पक्षकार पारस्परिक सद्भावना के अधीन सन्धि हेतु इच्छुक हों, वे मामले राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित किये जाएंगे।

एवियर कॉलेज में शिक्षक दिवस का भव्य आयोजन

नॉएडा (शिखर समाचार)। सेक्टर-62 नोएडा स्थित एवियर कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन में शिक्षक दिवस बड़े उत्साह और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर छात्रों ने अपने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों, भाषणों और प्रस्तुतियों के माध्यम से गुरुजनों का सम्मान किया।
कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। छात्रों ने शिक्षकों के मार्गदर्शन और प्रेरणा को अपनी सफलता की कुंजी बताते हुए उन्हें सम्मान-पत्र और उपहार भेंट किए। कार्यक्रम में संस्थान की प्रबंध निदेशक कनिका सिंह, कार्यकारी निदेशक अमरेश कुमार, डीन अकादमिक्स डॉ. अभिषेक स्वामी व सभी शिक्षक मौजूद रहे। कार्यकारी निदेशक अमरेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि ह्लशिक्षक ही विद्यार्थियों के भविष्य की नींव रखते हैं। उनका मार्गदर्शन जीवन में सही दिशा और प्रेरणा देता है।" इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिनमें शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरा परिसर शिक्षकझ्रछात्र संवाद, भावनात्मक पलों और कृतज्ञता के माहौल से गुंजायमान रहा।

संपादकीय

राष्ट्रीय सुरक्षा के बदलते आयाम और भारत की चुनौती

भारत आज जिस मोड़ पर खड़ा है वहां राष्ट्रीय सुरक्षा का अर्थ केवल सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं रह गया है बल्कि यह बहुआयामी और जटिल चुनौती बन चुका है। यदि हम अतीत में देखें तो सुरक्षा की परिभाषा सैन्य शक्ति और सीमा प्रहरियों तक सिमटी हुई थी, लेकिन बदलते समय और प्रौद्योगिकी के विस्तार ने खतरे के स्वरूप को इतना व्यापक कर दिया है कि अब हर नागरिक, हर संस्थान और हर संसाधन सुरक्षा की बड़ी तस्वीर का हिस्सा बन गया है। पाकिस्तान और चीन जैसी परंपरागत चुनौतियों से निपटने के लिए भारत दशकों से तैयार रहा है, लेकिन अब खतरे केवल गोलियों और तोपों तक सीमित नहीं बल्कि साइबर अटैक, ड्रोन हमलों, ऊर्जा संकट और आंतरिक अस्थिरता तक फैल गए हैं। यही कारण है कि राष्ट्रीय सुरक्षा की अवधारणा को हमें नए दृष्टिकोण से देखना होगा।

आज सबसे गंभीर चुनौती साइबर सुरक्षा की है। हाल के वर्षों में भारत के बैंकिंग तंत्र, ऊर्जा ग्रिड और यहां तक कि रक्षा मंत्रालय की वेबसाइटों पर हैकिंग की कोशिशें हुई हैं। यह संकेत है कि भविष्य के युद्ध केवल रणभूमि पर नहीं बल्कि कंप्यूटर के पर्दों के पीछे लड़े जाएंगे। दुश्मन देश यदि हमारे बैंकिंग नेटवर्क या अस्पतालों को पंगु बना दे तो बिना गोली चलाए ही वह हमें अपंग कर सकता है। ऐसे में यह जरूरी है कि भारत साइबर सुरक्षा में निवेश बढ़ाए, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित निगरानी तंत्र को मजबूत बनाए और एक समर्पित साइबर आर्मी खड़ी करे जो हर हमले का जवाब उसी स्तर पर दे सके।

दूसरा अहम पहलू आंतरिक सुरक्षा है। नक्सली गतिविधियां, सांप्रदायिक तनाव और आतंकवादी स्लीपर सेल आज भी देश के लिए खतरा बने हुए हैं। केवल पुलिस बल या अर्धसैनिक बलों की तैनाती से यह समस्या खत्म नहीं होगी। इसके लिए दोहरी नीति अपनानी होगी एक ओर सख्त खुफिया तंत्र और आधुनिक हथियारों से लैस बल, दूसरी ओर विकास, शिक्षा और संवाद की नीतियां ताकि असंतोष और कट्टरता की जमीन को जड़ से खत्म किया जा सके। आंतरिक सुरक्षा में नागरिकों की सतर्कता और समाज का सहयोग भी उतना ही जरूरी है जितना कि सरकारी प्रयास।

सीमा सुरक्षा भी नए दौर में नई चुनौतियां लेकर आई है। सीमा पार से घुसपैठ और आतंकी गतिविधियां पहले से मौजूद थीं, लेकिन अब ड्रोन के जरिए हथियार, विस्फोटक और नशे की तस्करी होने लगी है। यह नया खतरा है जिसे पारंपरिक तरीकों से रोकना मुश्किल है। भारत को एंटी-ड्रोन सिस्टम, लेजर तकनीक और उपग्रह आधारित निगरानी प्रणाली को तेजी से विकसित करना होगा। सीमाओं पर केवल सैनिकों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा, उन्हें तकनीकी दृष्टि से सुसज्जित करना ही सुरक्षा की असली गारंटी है।

राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि युद्ध या वैश्विक संकट की स्थिति में तेल और गैस की आपूर्ति बाधित होती है तो इसका असर सीधे हमारी अर्थव्यवस्था और समाज पर पड़ेगा। इसी तरह खाद्यान्न उत्पादन और भंडारण में कमी भी आंतरिक अशांति को जन्म दे सकती है। इसलिए आत्मनिर्भर भारत का असली अर्थ तभी पूरा होगा जब हम ऊर्जा स्त्रोतों में विविधता लाएँ, नवीकरणीय ऊर्जा को तेजी से अपनाएँ और खाद्य सुरक्षा भंडार को पर्याप्त रखें।

~ मौलिक चिंतन ~

जिस इंसान को आंसुओं की जगह मुस्कान चुनना आता है, वह जज्बाती नहीं, समझदार होता है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

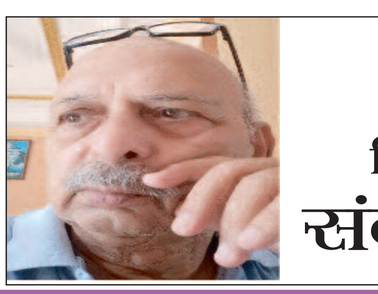

©
विनय संकोची

हर देश को अपनी रक्षा का अधिकार है और देश से बढ़कर कुछ नहीं है

संजय गोस्वामी

रक्षा प्राचीन सभ्यता और श्रम संस्कृति दोनों में, श्रम का एक सामान्य रूप है, जिसमें से हम देख सकते हैं, जकन और हिंदू पूर्व, उपर्णशा। इनमें अधिकार शामिल हैं। हथियार सत्य, अहिंसा, आश्चर्य, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य होने चाहिए। यदि मृत्यु धर्म के कारण हो, तो वह अहिंसा है। जियो और जीने दो। भारत में सत्य और अहिंसा के संघर्ष में, श्री मोहनदास गांधी ने अपने सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को सीखा और अपने जीवन में सत्य और अहिंसा को अपनाकर 1947 में भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराया। आज के यज्ञावर्षण युग में, अहिंसा के पालन से ही, यह सृष्टि पृथ्वी पर विद्यमान है। अंततः इस दुनिया में दो विश्व युद्ध हुए हैं, जिनमें मानव जीवन और अत्यधिक हिंसा मुख्य कारण हैं। जौनपुर के शहर, जिनके शहर गंगा की बारिश से नष्ट हो गए थे और नवरंग, जिनके शहर गंगा की बारिश से नष्ट हो गए थे। आज, सर्वोच्च शक्ति या सर्वोच्च शक्ति जो भगवान की पहुंच से परे है, ने उन्नत देशों को अपनी सुरक्षा के लिए हथियारों का उपयोग करने के लिए मजबूर किया है। सेनाओं के बीच इस प्रतिस्पर्धा के कारण ही विश्व युद्ध होगा और पृथ्वी पर जीवन समाप्त हो जाएगा। इसलिए, आज दुनिया के सभी लोगों के लिए इस धरती पर दिव्य जीवन के लिए अहिंसक जीवन जीने की कला को अपनाना आवश्यक है। भले ही दुनिया के सभी विश्व परम अहिंसा के कारण पर जुटे हों, फिर भी हर साल विश्व स्तर पर सभी दुनिया अहिंसा के मार्ग पर एक दुनिया से दूसरी दुनिया में बदल गई है। केंद्र से केंद्र की ओर बढ़ने की आवश्यकता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है और इसलिए संयुक्त परामर्श होगा।आज चीन विक्ट्री पैरेड कर शांति को भंग करना चाहता है जिसमें विश्व के शक्तिशाली देशों का जमावाड़ा लगा माननीय प्रधानमंत्री जी को शंघाई शिखर सम्मलेन में जाना उचित था या नहीं ऐ देश के वीर जवानों के लहू से आप खुद समझ जायेंगे देश सर्वोपरि है सेना हमारी रक्षा करती है सियाचिन जैसे कठिन गलेशियर पर -30 से 40 डिग्री के तापमान पर भी देश की सीमा की रक्षा करते हैं टैरिफ ज्यादा हुआ अमेरिका से तो देश में संसाधनों की कमी नहीं है ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन की धरती पर कदम नहीं रखना चाहिए वहाँ पाकिस्तान, तुर्की भी था रूस के राष्ट्रपति पुतिन को भारत की चिंता होती तो भारत आते चीन नहीं जब 26/11/08 के हमले हुए तो यही सोच रहा था कि आतंकवादी से मुक्ति दिलाने वाला सही में वो सरकार नाकाम हुई और 2011 में वर्ल्ड कप में जब इंडिया में मैच देखने मोहाली में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह आए तो पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री की खातिरदारी हुई जो आतंक को पालता है लेकिन अब ऐसा लगने लगा है सभी राजनीती पार्टियों को देश से ज्यादा सत्ता की चिंता होती है ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान से नहीं आतंकवादी से युद्ध हुआ और पाकिस्तान की दोहरी नीति सामने आई आतंकवादी को पालना पोसना अतः युद्ध में कूद गया और पाकिस्तान को सबसे ज्यादा किसी ने मदद की है तो वो चीन ही है आप मजे से हैं तो ऐ मत सोचिये की ठीक हो रहा है जो सीमा पर डटे हैं उनसे जाकर पूछिए कितना कष्ट में जीवन यापन करते है खुद के लिए नहीं देश के लिए अतः ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब सेना के उप प्रमुख का बयान आता है कि हम तीन फ्रंट पाकिस्तान, चीन और तुर्की से भी लड़ रहें थे तो उनका जज्बा देखिए कभी किसी ने चीन से युद्ध के बारे में खुले तौर पर नहीं कहा लेकिन सेना ने भारत माता के लिए वो दर्द सहा है संघर्ष किया है भारत माता का मस्तिष्क गर्व से ऊँचा किया है हम देश के लिए जिए और देश के लिए मरे यही हमारा उद्देश्य होना चाहिए अमेरिका के सामने एक छोटा सा देश वेनेजुअला ने अमेरिका को डरा दिया कम नहीं है वेनेजुएला के रक्षा मंत्री व्लादिमीर पैड्रिनो लोपेज ने घोषणा की है कि कैरिबियन में वाशिंगटन की सैन्य उपस्थिति को लेकर बढ़ते तनाव के बीच, उनका देश संयुक्त राज्य अमेरिका के किसी भी हमले का सामना करने के लिए तैयार है।रविवार को सरकारी मीडिया पर प्रसारित उनकी यह टिप्पणी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा कार्टेल विरोधी अभियानों के लिए इस क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना बलों की तैनाती के बाद कराकस और वाशिंगटन के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई है भारत तो भगवान राम के आदर्शो पर चलने वाला देश है जहाँ देश ही सबकुछ है मान मयार्दा भी भारत माता के लिए है रविवार को सरकारी मीडिया पर प्रसारित उनकी यह टिप्पणी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा कार्टेल विरोधी अभियानों के लिए इस क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना बलों की तैनाती के बाद कराकस और वाशिंगटन के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई है भारत 140 करोड़ देश वासियो का देश हैं जो आप महाकुम्भ मेला में उसकी ताकत देख चुके होंगे अतः हम देश के स्वाभिमान के लिए मर मिटने के लिए तैयार हैं जो हमें गुरुगोविन्द सिंह ने सिखाई है कि सत कर्मन से कभी ना डरो इसलिए आज पूजे जाते हैं हर हिंदुस्तानी के दिल में बसते है क्योंकि कभी देश की शान को झुकने नहीं दिया और सारा परिवार शहीद होने के बाद भी अंत अंत तक देश में मानवता की रक्षा की.भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा हेतु खालसा पंथ भी बनाया ना तो कभी हारें और हाराना सिखया ऐ देश के प्रति सही शिक्षा हासिल करने से होगी आइये सब मिलकर शिक्षक दिवस पर देश प्रेम की शिक्षा प्राप्त करें क्योंकि जब देश बचेगा तभी हमारी संस्कृती बचेगी और हमारा वजूद रहेगा. भारत माता की रक्षा करना ही शिक्षा का मूल मन्त्र हो देश की सेवा के लिए शिक्षा जरुरी है इसलिए देश के वीर सैनिकों को नमन करता हूँ आज यूक्रेन पर भले ही चीन में सब उसका मजाक उड़ा ले लेकिन कभी इतिहास में ऐ भी दर्ज होगा जेलेस्की की बहादुरी और देश प्रेम की भावना जिससे ऐ तो मालूम होगा अपने देश की अखंडता और उसकी संप्रभुता की रक्षा हेतु जो किया वो सही था या गलत अतः देश ही सबकुछ है उसकी मिट्टी में ही जन्मे और मरे भी उसकी मिट्टी में और फिर जन्म भी अपनी मात्रभूमि में लिए.।

गुरुग्राम : जलभराव का जिम्मेदार कौन

रजनीश कपूर

आज का गुरुग्राम, जिसे 'मिलेनियम सिटी' और ह्यसाइबर सिटी' जैसे गौरवशाली नामों से नवाजा जाता है, हर साल मानसून के आगमन के साथ जल में डूबे नरक में तब्दील हो जाता है। महज दो घंटे की बारिश शहर को घुटनों तक पानी में डुबो देती है। सड़कों पर घंटों लंबा ट्रैफिक जाम लग जाता है। करोड़ों रुपये की कीमत वाले आलीशान घरों में रहने वाले लोग बुनियादी सुविधाओं के अभाव में त्रस्त हो उठते हैं। यह विडंबना है कि एक ओर गुरु ग्राम भारत के सबसे महंगे रियल एस्टेट बाजारों में से एक है, जहां लोग भारी-भरकम टैक्स और किराए चुकाते हैं, वहीं सरकारी विभागों की लापरवाही और गैर-जिम्मेदारी के कारण यह शहर हर बारिश में डूब जाता है।

हाल में प्रसिद्ध लेखक और उद्यमी सुहेल सेठ ने एक सार्वजनिक मंच पर हरियाणा सरकार और स्थानीय प्रशासन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने गुरु ग्राम की स्थिति को 'शर्मनाक' करार देते हुए कहा, 'गुरुग्राम खत्म हो चुका है। आप कल्पना भी नहीं कर सकते। इसकी शुरूआत पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने की और वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस स्थिति को संभाल नहीं पा रहे। बीजेपी को गंभीर आत्ममंथन की जरूरत है। वे 11 साल से इस राज्य को चला रहे हैं, अब नेहरू को दोष नहीं दे सकते।'

सुहेल सेठ ने अपनी एक अन्य टिप्पणी में कहा, 'क्या नालों की सफाई के लिए रॉकेट साइंस चाहिए? नहीं, बिल्कुल नहीं।' इस शहर का बुनियादी ढांचे के मामले में इतना पिछड़ा होना न केवल शर्मनाक है, बल्कि गंभीर प्रशासनिक विफलता को भी दशार्ता है। गुरुग्राम में जलभराव की समस्या कोई नई बात नहीं है। हर मानसून के दौरान शहर की सड़कें नदियों में बदल जाती हैं, और प्रमुख मार्ग जैसे गोल्फ कोर्स रोड, सोहना रोड, और दिल्ली-जयपुर हाईवे पर घंटों तक ट्रैफिक रेंगता रहता है। एक सितम्बर, 2025 को महज चार घंटे की बारिश में 100 मिमी. से अधिक वर्षा दर्ज की गई जिसने शहर को पूरी तरह ठप कर दिया। नेशनल हाईवे-48 पर 7 किमी. लंबा जाम लग गया। लोग घंटों तक सड़कों पर फंसे रहे। सोशल मीडिया पर निवासियों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए तस्वीरें और वीडियो साझा किए जिनमें गोल्फ कोर्स रोड जैसे पॉश इलाकों में गहरे पानी में डूबी गाड़ियां और फंसे हुए लोग दिखाई दिए।

गुरुग्राम में जन्मे और वहीं पर बसे सफल उद्यमी और समाजसेवी शरद गोयल ने हाल में एक चैनल में दिए इंटरव्यू में कहा, 'इस संकट का मूल कारण है शहर का अनियोजित शहरीकरण और सरकारी विभागों में आपसी तालमेल का अभाव। आज गुरुग्राम अनियंत्रित निर्माण और बुनियादी ढांचे की कमी का शिकार है। गुरु ग्राम की पुरानी भौगोलिक संरचना में कई प्राकृतिक जलाशय और नाले थे, जो बारिश के पानी को संचित करते थे। लेकिन तेजी से हुए निर्माण ने इन जल निकायों को नष्ट कर दिया।' वे आगे कहते हैं, 'जनता बारिश और जल भराव से त्रस्त होती है लेकिन जनप्रतिनिधि कभी भी ऐसे मौकों पर सड़क पर दिखाई नहीं देते। नेताओं को छोड़िए निगम के अधिकारी भी ईद का चांद बने हुए हैं, जो केवल अनियमितताओं के चलते ही हरकत में आते हैं। अपने गैर जिम्मेदाराना रवैये के लिए कभी भी जनता के बीच नहीं दिखाई देते। सरकारी विभागों के बीच जवाबदेही का अभाव समस्या को और गंभीर बनाता है। म्युनिसिपल कॉरपोरेशन ऑफ गुरुग्राम (एमसीजी), हरियाणा अर्बन डवलपमेंट अथॉरिटी (हुडा) और गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन डवलपमेंट अथॉरिटी (जीएमडीए) जैसे विभिन्न निकाय एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालते हैं, लेकिन कोई भी पूर्ण रूप से समस्या का समाधान नहीं करता। गुरुग्राम हो या देश अन्य कोई शहर, सभी को इंदौर से सबक लेना चाहिए जहां के अधिकारी और जनता सभी अपनी-अपनी जिम्मेदारियां पूर्णतः निभाते हैं, और सुखी रहते हैं।'

समाधान के लिए दीर्घकालिक और टिकाऊ शहरी नियोजन की जरूरत है। प्राकृतिक जल निकायों के पुनर्जनन, आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग के कुओं का निर्माण और अवैध निर्माण पर सख्त कार्रवाई जैसे कदम उठाए जाने चाहिए। सरकारी विभागों के बीच बेहतर तालमेल और जवाबदेही सुनिश्चित करने की भी आवश्यकता है। हर वो अधिकारी जो गुरुग्राम जैसे क्षेत्र में तैनाती पाने के लिए एड़ीझचोटी का जोर लगाता है वो यहां आते ही काम करने से क्यों बचता है? यदि उस पर काम न

करने पर तबादले की तलवार लटका दी जाए या कुछ आलसी अधिकारियों का तबादला कर दिया जाए तो इससे बाकी अधिकारियों के बीच सही संदेश जाएगा। गुरु ग्राम को 'मिलेनियम सिटी' का दर्जा बनाए रखने के लिए आलीशान इमारतें और कॉरपोरेट कार्यालय ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि इसे ऐसा शहर बनाना होगा जो अपनी जनता को बुनियादी सुविधाएं और सम्मानजनक जीवन प्रदान कर सके। जब तक ये कदम नहीं उठाए जातेङ्क तब तक गुरुग्राम हर मानसून में डूबता रहेगा और निवासियों की निराशा बढ़ती रहेगी।

(लेख में विचार निजी हैं)

भारत का जीएसटी सुधार 2025 -टैक्स ढांचे का पुनर्निर्माण और वैश्विक अर्थव्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम

शिक्षक दिवस पर विशेष जब भी जन्में इस धरती पर, हमको शिक्षक ही बनना है...

शब्द बहुत गरिमामय शिक्षक, पावनता में है आकाश। इसमें मयार्दा का सागर, इसमें सच्चाई का वास ।।
'श' से शिष्टाचार बना है, 'क्ष' से क्षमाशील होता है। 'क' कर्तव्य सिखाकर सच्चा, मन में कर्मठता बोता है।।
शिल्पकार होता है शिक्षक, देता है आकार देश को। शिष्यों को सद्‌गुण से भरकर, देता नव आधार देश को ।।
गुण बहुतेरे इसमें आते, क्षमाशीलता जैसे गुण से। सच्चा शिक्षक सदा बचा है, स्वार्थ-लोभ जैसे अवगुण से।।
कर्मशील, कर्तव्यपरायण, कार्यकुशल, कर्मठ होता है। युग को प्रगति-पथ ले जाता, यह पुनीत इक रथ होता है।।
यह होता है धुरी देश की, इस पर देश गर्व करता है। नैतिक जीवन मूल्य देश में, सच्चा शिक्षक ही भरता है ।।
यह सेवा है, यह पूजा है, गौरवान्वित खुद को मानें। समझें खुद को युग-निमार्ता, खुद को सच्चा नायक जानें ।।
ऐसे पावन, पूजित पद को, शत शत बार नमन करना है। जब भी जन्में इस धरती पर, हमको शिक्षक ही बनना है।।

डॉ. विनोद 'प्रसून', ग्रेटर नोएडा,
drvinodprasoon@gmail.com

वैश्विक स्तरपर भारत की अर्थव्यवस्था ने पिछले एक दशक में अनेकों उतार-चढ़ाव देखे हैं। वैश्वीकरण, अमेरिकी टैरिफ,तेल कीमतों की अनिश्चितता, महामारी के झटके और डिजिटल क्रांति के बीच भारतीय कर प्रणाली को समय- समय पर नए स्वरूप की आवश्यकता महसूस होती रही है। इसी कड़ी में 3-4 सितंबर 2025 को आयोजित जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक ऐतिहासिक साबित हुई,जब इसमें टैक्स स्लैब को पुनर्संरचित कर 12 पर्सेंट और 28 पर्सेंट की दरों को समाप्त कर दिया गया और सैकड़ों उत्पादों को 5 व 18 पर्सेंट टैक्स स्लैब में स्थानांतरित कर दिया गया। साथ ही अनेक आवश्यक वस्तुओं को 0 पर्सेंट टैक्स स्लैब में डाल दिया गया,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि इससे गरीबों किसानों और मध्यम वर्ग के लिए जीवन यापन आसान होगा। यह नया ढांचा 22 सितंबर 2025 से लागू होगा।

साथियों बात अगर हम जीएसटी क्या है?और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की करें तो,वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) एक ऐसा अप्रत्यक्ष कर है, जिसे 122वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत 1 जुलाई 2017 को पूरे देश में लागू किया गया। जीएसटी का मूल उद्देश्य देशभर में एक राष्ट्र,एक टैक्स की अवधारणा को साकार करना था। इससे पहले केंद्र और राज्य स्तरपर उत्पाद शुल्क, सेवा कर, वैट, एंट्री टैक्स और लगान जैसी अनेक परतों वाले कर प्रणाली लागू थे,जिससे व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों को जटिलताओं का सामना करना पड़ता था। जीएसटी ने इन सबको समेटकर एक एकीकृत कर ढांचा दिया।आज की तारीख में दुनियाँ के 150 से अधिक देशों में इसी तरह का जीएसटी सिस्टम किसी-न-किसी रूप में लागू है। कनाडा,ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ के अधिकांश देश, मलेशिया, सिंगापुर और यहां तक कि ब्राजील जैसे बड़े देश भी जीएसटी आधारित कर व्यवस्था से जुड़े हुए हैं।भारत का नया सुधार इसलिए भीमहत्वपूर्ण है क्योंकि अब वह वैश्विक मानकों के अनुरूप टैक्स ढांचे को और सरल बना रहा है।

साथियों बात अगर हम नए ढांचे का स्वरूप, नए टैक्स स्लैब की करें तो, नए सुधार के बाद भारत में अब टैक्स ढांचा मुख्यतः तीन बड़े स्लैब पर केंद्रित हो गया है, 0 पर्सेंट 5 पर्सेंट और 18 पर्सेंट- 0 पर्सेंट स्लैब-गरीब और मध्यम वर्ग की जरूरतों से जुड़े खाद्यान्न, दालें, फल, सब्जियां, स्कूल किताबें, प्राथमिक शिक्षा सेवाएं और जीवनरक्षक दवाइयां इसमें शामिल हैं। यह स्लैब सीधे तौर पर समाज के कमजोर तबकों को राहत देने के लिए बनाया गया है।5 पर्सेंट स्लैब,इसमें रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं, कुछ डेयरी प्रोडक्ट्स, सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं और छोटे व्यापार से संबंधित सामान आते हैं।18 पर्सेंट स्लैब- इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स, बीमा,निर्माण कार्य,उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं,औद्योगिक उत्पादन, लक्जरी सामान और उच्च मूल्य के कंज्यूमर गुड्स शामिल हैं।12पर्सेंट और 28 पर्सेंट स्लैब हटाने से टैक्स ढांचा सरल हुआ है। पहले जहां चार से अधिक प्रमुख दरें थीं,अब यह तीन स्लैबों में सिमट गया है,जिससे न केवल व्यापारियों के लिए टैक्स अनुपालन आसान होगा बल्कि आम उपभोक्ता को भी स्पष्टता मिलेगी।

साथियों बातें अगर हम किन क्षेत्रों को मिलेगा लाभ? इसको समझने की करें तो,नए ढांचे के सबसे बड़े लाभार्थी वे क्षेत्र हैं जो प्रत्यक्ष रूप से गरीब, मध्यम वर्ग, उद्योग और सामाजिक जरूरतों से जुड़े हैं। (1)डेयरी प्रोडक्ट्स : दूध, पनीर, दही, घी और पोषण संबंधी उत्पादों पर टैक्स संरचना सरल होने से कीमतें स्थिर रहेंगी। इससे किसानों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभ होगा। (2)बीमा क्षेत्र- स्वास्थ्य व जीवन बीमा पर बीमा प्रीमियम पर 0पर्सेंट टैक्स लागू होने से उपभोक्ताओं के लिए प्रीमियम लागत कम हो सकती है। इससे जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा और पेंशन योजनाओं में भागीदारी बढ़ेगी। (3)निर्माण और आवास-घर बनाने के लिए आवश्यक सीमेंट, स्टील, टाइल्स और सेवाओं पर कर भार कम होने से घर की लागत घटेगी। यह मध्यम वर्ग और रियल एस्टेट उद्योग दोनों के लिए लाभकारी है (4) इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र,मोबाइल, लैपटॉप और घरेलू उपकरणों की कीमतें स्थिर होने से डिजिटल इंडिया अभियान को गति मिलेगी। (5) मेडिकल और पोषण क्षेत्र :जीवन रक्षक दवाओं को 0% स्लैब और अन्य चिकित्सा उपकरणों को 5 पर्सेंट-18 पर्सेंट स्लैब में रखने से स्वास्थ्य सेवाएं सस्ती होंगी।(6) एमएसएमई और बड़े उद्योग- सरल टैक्स स्लैब से छोटे और मझोले उद्योगों को अनुपालन लागत कम होगी, जबकि बड़े उद्योगों को उत्पादन और निर्यात बढ़ाने में बहुत विशाल सहूलियत होगी।

साथियों बात अगर हम जीएसटी रिफॉर्म करने का सरकार का मकसद और आम आदमी का फायदा होने की करें तो,जीएसटी सुधार का सबसे बड़ा मकसद है, (1) गरीबों और मध्यम वर्ग को राहत देना। नई दरों से- गरीब तबके को 0 पर्सेंट टैक्स स्लैब से सस्ते में भोजन और दवाइयां मिलेंगी, (2) घर बनाने वालों को कम खर्च आएगा,(3) बीमा सस्ता होगा, (4) स्वास्थ्य सेवाएं किफायती होंगी, (5) छोटे उद्योगों को प्रतिस्पर्धा में मजबूती मिलेगी,(6) और महंगाई का दबाव घटेगासरकार यह संदेश देना चाहती है कि टैक्स नीति सिर्फ राजस्व बढ़ाने का साधन नहीं, बल्कि आर्थिक न्याय और सामाजिक सुरक्षा का भी सशक्त औजार है।

साथियों बात अगर हम टैक्स के स्लैब में परिवर्तन करने से करीब 85000 करोड़ का घाटा और भरपाई के उपायों को समझने की करें तो, सरकार का अनुमान है कि दरें घटाने और कई वस्तुओं को 0 पर्सेंट टैक्स स्लैब में डालने से उसे लगभग 85,000 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हो सकता है। लेकिन इसकी भरपाई के लिए बड़े उपाय किए गए हैं, 40 पर्सेंट स्लिप से रिकवरी-टैक्स अनुपालन बढ़ने, ई-इनवॉइसिंग और डिजिटल ट्रैकिंग से टैक्स चोरी में कमी आएगी और इससे राजस्व की बड़ी मात्रा में भरपाई होगी। साथियों बात अगर हम अमेरिकी टैरिफ और भारत की रणनीति को समझने की करें तो, हाल के वर्षों में अमेरिका ने भारत सहित कई देशों के खिलाफ टैरिफ हथियार के रूप में इस्तेमाल किए हैं। इस पृष्ठभूमि में जीएसटी सुधार भारत की आंतरिक ताकत को बढ़ाने का जरिया है। (1) सरल टैक्स ढांचा विदेशी निवेशकों को आकर्षित करेगा। (2) घरेलू उद्योग को प्रतिस्पर्धी बनाएगा।(3)निर्यात लागत कम होने से अमेरिका और यूरोप के टैरिफ का दबाव कम महसूस होगा।यह सुधार संकेत देता है कि भारत आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच संतुलन बनाना चाहता है।

साथियों बातें अगर हम जीएसटी सुधारो के पीछे संभव होता है राजनीतिक विमर्श,राहत या सियासत? की करें तो, जब 2017 में जीएसटी लागू हुआ था तब सरकार ने इसे 'वन नेशन, वन टैक्स' कहकर ऐतिहासिक बताया था और तर्क दिया था कि उच्च दरें राजस्व जुटाने के लिए जरूरी हैं। अब 2025 में दरें घटाने पर वही सरकार कह रही है कि, इससे उपभोक्ताओं को राहत और उद्योग को प्रोत्साहन मिलेगा। अब सवाल उठता है, क्या यह आर्थिक विवशता है या राजनीतिक रणनीति दरअसल, यह दोनों का मिश्रण है। वैश्विक मंदी, अमेरिकी दबाव और घरेलू महंगाई ने सरकार को दरें घटाने पर मजबूर किया। साथ ही, यह कदम गरीबों, मध्यम वर्ग और छोटे उद्योगों को चुनावी वर्ष में राहत देने की रणनीति भी हो सकता है।

साथियों बात अगर हम जीएसटी सुधारो को सामाजिक दृष्टिकोण, जैसे घर के बड़े समझाते हैं थ्योरी को समझने की करें तो, अगर इस सुधार को सामाजिक रूप से समझा जाए तो यह बिल्कुल वैसा है जैसे घर के बड़े सदस्य बच्चों को जीवन जीने का तरीका बताते हैं (1) 'भोजन और स्वास्थ्य सबसे पहले'-इसलिए खाद्यान्न और दवाइयां 0% स्लैब में।(2)'स्वास्थ्य का ध्यान रखो'- इसलिए मेडिकल और बीमा क्षेत्र सस्ता।(3)'घर बनाओ' -इसलिए कंस्ट्रक्शन सेक्टर को राहत।(4)'बच्चों की पढ़ाई जरूरी है'-इसलिए शिक्षा सेवाएं किफायती (5)'फालतू दिखावा मत करो'- इसलिए लक्जरी सामान पर टैक्स ऊंचा रखा गया।यह सुधार दशार्ता है कि सरकार टैक्स नीति को सिर्फ राजस्व का औजार नहीं, बल्कि समाज के कल्याण का ढांचा मानकर आगे बढ़ रही है।

साथियों बात अगर हम इन जीएसटी सुधारो को अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य के रूप में समझने की करें तो,विश्व अर्थव्यवस्था आज दो ध्रुवों में बंटी हुई है,अमेरिकी प्रभुत्व और एशियाई उभार। ऐसे समय में भारत का टैक्स सुधार एक सॉफ्ट पावर मॉडल के रूप में सामने आ रहा है।(1) यूरोप ने भी 2008 मंदी के बाद टैक्स स्लैब घटाकर अर्थव्यवस्था को स्थिर किया था। (2) चीन ने निवेश आकर्षित करने के लिए टैक्स दरें लचीली बनाई थीं।(3) भारत अब उसी राह पर चल रहा है।इससे भारत की छवि निवेश के लिए सुरक्षित और आकर्षक गंतव्य के रूप में मजबूत होगी।

संक्षिप्त समाचार

विकसित भारत के लिए कृषि का विकास जरूरी

कन्नौज, एजेंसी। समाज कल्याण राज्यमंत्री असीम अरुण ने कहा कि कृषि क्षेत्र में विकास और नए प्रयोगों से ही विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा। डबल इंजन की सरकार आधुनिक तकनीक, उन्नत बीज, कृषि यंत्रों पर रियायत के साथ फसलों को प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षित रखने के लिए बीमा योजना का लाभ दे रही है। इससे किसानों की आय में लगातार वृद्धि हो रही है। वह बुधवार को सदर तहसील के ग्राम नजरापुर में मुख्यमंत्री कृषि उद्यमी स्वावलंबन (एग्रीजंक्शन) जागरूकता अभियान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उन्नत कृषि से ही किसानों की आय बढ़ेगी। इसके लिए मल्टी लेयर फार्मिंग, मशरूम उत्पादन का विकसित मॉडल तैयार किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि युवा कृषक वर्मी कंपोस्ट यूनिट स्थापित कर और नए प्रयोग कर कृषि को सफल रोजगार के रूप में चुन रहे हैं। सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बंद मुर्गी फार्म शुरू करने के लिए संचालकों को प्रोत्साहित किया और कहा कि इसके लिए कांट्रेक्ट फार्मिंग के मॉडल को अपनाया जाएगा। इसमें बड़ी कंपनियों की मदद ली जाएगी, जो किसानों को चूजे, दवाई, आहार देने के साथ उत्पाद खरीदने का भी काम करेंगे। कार्यक्रम में जिले के 147 कृषि स्नातकों को प्रशिक्षण देकर कृषि आय बढ़ाने के उपाय बताए गए।

किराना दुकान में चोरी करने वाले चोर पुलिस ने दबोचे

कन्नौज, एजेंसी। 100 दिनों में किराना दुकान में हुई चोरी की वारदातों का पुलिस ने बुधवार को खुलासा कर दिया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 4670 रुपये, पान-मसाला, सिगरेट समेत अन्य सामग्री बरामद की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है। कोतवाल जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि ग्राम उदैतापुर निवासी उमेश दुबे की किराना दुकान से चार अप्रैल और 15 जुलाई की रात में चोरों ने नकदी और पान-मसाला, सिगरेट समेत अन्य सामग्री चोरी हुई थी। पुलिस टीम ने तेरामल्लू जाने वाले मार्ग पर मोचीपुर क्रॉसिंग के पास से दो संदिग्ध युवक को पकड़ा। तलाशी में उनके पास से 4,670 रुपये नकद, पान-मसाला, सिगरेट के बड़ी संख्या में पैकेट मिले। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम ग्राम तेजापुरवा निवासी अर्जुन उर्फ मोनू, सूरज उर्फ विकास बताया। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया। कोतवाल ने बताया कि अर्जुन उर्फ मोनू पर सदर कोतवाली और सूरज उर्फ विकास पर भी आबकारी अधिनियम समेत तीन मुकदमे दर्ज हैं।

डॉक्टरों को लिखनी होंगी जेनरिक दवाएं

अमरोहा, एजेंसी। सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों को अब जेनरिक दवाएं ही लिखनी होंगी। प्रमुख सचिव के आदेश पर सीएमओ ने सभी चिकित्सा प्रभारियों को जेनरिक और प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्र पर उपलब्ध दवाएं लिखने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने सीएमओ और समस्त अधीक्षक एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को जेनरिक दवाओं के संदर्भ में पत्र भेजा है जिसके अनुसार अब जिले के सरकारी अस्पतालों में निशुल्क दवा वितरित की जा रही हैं। मई 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में सुनवाई के दौरान कहा था कि डॉक्टर अगर सिर्फ जेनरिक दवाएं लिखें तो दवा कंपनियों की रिश्वतखोरी बंद हो सकती है। दवा कंपनियां अत्याधिक और तर्कहीन दवाएं लिखने के लिए डॉक्टरों पर दबाव बनाते हैं। उन्हें खास ब्रांड पर जोर देने के लिए रिश्वत की पेशकश करते हैं। इस पर अंकुश तभी लगेगा जब डॉक्टरों के लिए जेनरिक दवाएं ही लिखने का वैधानिक आदेश आएगा। मालूम रहे कि पहले भी सरकारी चिकित्सालयों में दवाएं नहीं होने पर चिकित्सकों को जेनरिक दवाएं लिखने का आदेश दिया गया था लेकिन अधिकांश जगह प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्र संचालित होने पर भी चिकित्सक ब्रांडेड कंपनियों की दवाएं लिख रहे हैं। प्रमुख सचिव ने ऐसे चिकित्सक एवं प्रभारियों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी है।

नकली दवा का कारोबार 223 करोड़ का निकला, आगरा की ये तीन फर्में जांच के घेरे में...मांगा जा रहा रिकॉर्ड

आगरा, एजेंसी। आगरा में औषधि विभाग की जांच में तीन फर्मों ने बीते 20 महीने में 223 करोड़ रुपये की दवाओं का कारोबार किया। इनमें नामी कंपनी के नाम पर नकली दवा होने की भी आशंका है। इस पर खरीदारों को नोटिस भेजकर दवाओं का रिकॉर्ड मांगा जा रहा है। इससे इन दवाओं का नमूना लेकर जांच की जा सके।

कंपनी को भी इसकी रिपोर्ट भेजी जाएगी। सहायक आयुक्त औषधि बस्ती मंडल नरेश मोहन दीपक ने बताया कि बंसल मेडिकल एजेंसी, एमएसवी मेडि पॉइंट, ताज मेडिको की जांच में फर्जी अभिलेखों से दवाओं की बिक्री की। इन फर्म से बीते वित्तीय वर्ष में 168 करोड़ रुपये की दवाओं की बिक्री दर्शाई। इस साल एक अप्रैल से 22 अगस्त तक 55.5 करोड़ रुपये का कारोबार मिला। इस तरह से 20 महीने में 223 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ।

इनमें नामी कंपनियों के नाम से नकली दवा की भी आशंका है। ऐसे में जांच में जिन खरीददारों ने ये दवाएं खरीदी हैं। इनको नोटिस भेजकर रिपोर्ट मांग रहे हैं। इसमें पूछा गया है कि कितनी दवाएं खरीदीं, किस मर्ज की दवाएं हैं। किस बैच नंबर और कंपनी की दवाएं हैं। इनके आधार पर इन दवाओं की जांच कराई जाएगी। संबंधित कंपनी को भी इसका विवरण भेजा जाएगा।

फर्म संचालकों को नहीं पकड़ सकी एसटीएफ कोतवाली के बाजार में नकली दवाओं को खपाने के मामले में तीन मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। मगर लखनऊ और पुडुचेरी फर्म के संचालक अब तक नहीं पकड़े जा सके हैं। जेल भेजे गए 4 आरोपियों से मिली जानकारी के बाद एक भी आरोपी नहीं पकड़ा जा सका है। एसटीएफ की जांच में लखनऊ की न्यू बाबा फार्मा के विक्की कुमार, पार्वती ट्रेडर्स के सुभाष कुमार और पुडुचेरी की मीनाक्षी फार्मा से जुड़े राजा उर्फ एके राना की एसटीएफ तलाश में लगी है।

तीनों फर्मों के संचालक अभी तक पकड़ से दूर हैं। लखनऊ के फर्म संचालकों की लोकेशन गोवा में मिली है। डीसीपी सिटी सोनम कुमार ने बताया कि दवाओं के मामले में 3 और 1 रिश्वत देने के मामले में केस दर्ज किया गया है। दवाओं के फर्जीवाड़े की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। एसटीएफ की ओर से अपनी अलग पड़ताल की जा रही है।

झोलाछाप के क्लीनिकों पर छापा, दो को नोटिस

सिकंदरपुर, एजेंसी। कस्बे में संचालित अवैध क्लीनिकों की शिकायत पर एसीएमओ जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने बुधवार को छापा मारा। इस दौरान बिना पंजीकरण के दो क्लीनिकों के संचालकों को अभिलेख प्रस्तुत करने के लिए तीन दिनों की मोहलत देते हुए नोटिस थमाए गए। एसीएमओ डॉ. जितेंद्र नाग ने बीसीसीएम इरशाद बेग व टीम के साथ कस्बे में संचालित क्लीनिक चेक किए। छापे की भनक लगते हुए कई संचालक क्लीनिकों का ताला डालकर निकल गए। कस्बे में संचालित डॉ. बंगाली क्लीनिक, सलमान हुसैन व अंकित राजपूत के क्लीनिक को चेक किया। यहां भी मरीज मौजूद थे और मौजूद झोलाझाप उन्हें दवाएं दे रहे थे। तीन चिकित्सक पंजीकरण से लेकर अन्य अभिलेख मौके पर प्रस्तुत नहीं कर पाए। एसीएमओ ने बताया कि तीनों के पास डिग्री भी नहीं थी। इनको नोटिस जारी कर अभिलेख प्रस्तुत करने का समय दिया गया है। उसके बाद तीनों के खिलाफ कार्रवाई होगी। उसके बाद एसीएमओ ने पीएचसी सिकंदरपुर का भी निरीक्षण किया। यहां स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे पर टीकाकरण नहीं हो रहा था, जिस पर स्वास्थ्य कर्मियों की लापरवाही पर फटकार लगाते हुए टीकाकरण कार्य शुरू कराया। इसके अलावा टीम ने सलेमपुर, सिकंदरपुर, अकबरपुर में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर का भी निरीक्षण किया। यहां टीका न लगवाने की शिकायत एसीएमओ ने घर घर पहुंचकर लोगों को वैक्सीन के फायदे बताते हुए लोगों को जागरूक किया।

एक नवंबर से बिजली उपभोक्ताओं के लिए लागू होगी नई व्यवस्था

लखनऊ, एजेंसी। कानपुर की तर्ज पर राजधानी में 14.50 लाख बिजली उपभोक्ताओं के लिए एक नवंबर से नई व्यवस्था लागू होने जा रही है। वर्टिकल सिस्टम नामक नई व्यवस्था में हर एक काम के लिए एक अधिकारी जिम्मेदार होगा। उपभोक्ता को बिजली कनेक्शन और बिल देने वाले जिम्मेदार अफसर अब अलग-अलग होंगे। वर्तमान में कनेक्शन व बिल देने की दोहरी जिम्मेदारी अधिशासी अभियंता (वितरण) ही निभा रहे हैं।

निगम के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने मंगलवार की शाम राजधानी के चारों मुख्य अभियंताओं के साथ नई व्यवस्था के संबंध में विस्तार से चर्चा की। प्रबंध निदेशक पंकज कुमार की उपस्थित में हुई बैठक में व्यवस्था में बदलाव से जुड़े पूर्व के प्रस्ताव में उन्होंने कुछ बदलाव करने के लिए भी कहा।

ऐसे समझें नई व्यवस्था : नई व्यवस्था में अधिशासी अभियंता की जगह अधीक्षण अभियंता जिम्मेदार बनेंगे। इन अधीक्षण अभियंताओं की टीम में अधिशासी, सहायक, अवर अभियंता भी होंगे। हालांकि, उपभोक्ताओं की समस्याओं के लिए जवाबदेही अधीक्षण अभियंताओं की होगी, जिनके मुखिया मुख्य अभियंता होंगे।

लखनऊ मध्य जोन लेसा के मुख्य अभियंता रवि कुमार अग्रवाल का कहना है कि बिजली उपभोक्ताओं के लिए वर्टिकल सिस्टम में एक काम का एक अफसर जिम्मेदार होगा। इससे उपभोक्ताओं को सहूलियत होगी।

प्रत्येक जोन में अधिकारी और उनकी जिम्मेदारी : अधीक्षण अभियंता (वाणिज्य) - नया कनेक्शन देना, मीटर लगाना, बिल सही करना, बिल वसूली, स्मार्ट मीटर लगाने व 1912 की शिकायतों के निराकरण।

अधीक्षण अभियंता (तकनीकी) - बिजली की निर्बाध आपूर्ति, शहर में 33 केवी, 11 केवी लाइनों में आए फॉल्ट, जले ट्रांसफार्मर बदलने, उपकेंद्रों पर दर्ज होने वाली शिकायतों का निदान।

शहर के नजदीक पहुंचा तेंदुआ, लोगों ने वीडियो बनाकर किया वायरल, वन विभाग की टीम अलर्ट

सीतापुर, एजेंसी। सीतापुर जिले के रामकोट थाना क्षेत्र के लोधौरा गांव में बुधवार देर रात एक तेंदुआ ग्रामीणों के कैमरे में कैद हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार तेंदुआ धनईखेड़ा सहित आसपास के कई गांव में विचरण कर रहा है। लोधौरा स्थित मुनींद्र अवस्थी के मिल के पास वाले बाग में तेंदुआ देखा गया है।

ग्रामीणों ने हिम्मत दिखाकर वीडियो बनाया। काफी देर तक तेंदुआ इस क्षेत्र में घूमता रहा। शहर के पास तेंदुए की आमद से वन विभाग अलर्ट हुआ है। टीम काम्बिंग के लिए जा रही है।

तेंदुए की चहलकदमी से ग्रामीणों में खौफ, गोवंश को बना चुका है निवाला

गोंदलामऊ। वैशौली गांव स्थित गोशाला में बीते तीन दिनों से तेंदुए की चहलकदमी से ग्रामीण दहशत में हैं। सोमवार को तेंदुए ने गोशाला के एक गोवंश को निवाला बनाया था। बुधवार सुबह गोशाला में जंगली जानवर के पगचिह्न देखे जाने के बाद संरक्षित गोवंशों की गिनती की गई तो एक गोवंश कम निकला। इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। वन विभाग ने पगचिह्न तेंदुए के बताए हैं। वन दरोगा ऋषभ सिंह तोमर ने बताया कि टीम कॉम्बिंग कर रही है। गोशाला के आसपास साफ-सफाई कराई है।

पीलीभीत में बाढ़ से बिगड़े हालात: 30 से अधिक गांव चपेट में... हाईवे डूबे; ट्रैक्टर से पुलिस लाइन पहुंचे एसपी

पीलीभीत, एजेंसी। बारिश और बैराज से रिलीज पानी से उफनाई पीलीभीत जिले की नदियों का कहर जारी है। सदर, बीसलपुर, कलीनगर, अमरिया और पूरनपुर तहसील क्षेत्र के 30 से अधिक गांव जलभराव की चपेट में हैं। हालांकि गांवों में भरा पानी कुछ कम हुआ है, लेकिन मुश्किलें अभी बरकरार हैं। शहर से गुजरे टनकपुर हाईवे, पीलीभीत-बीसलपुर और बीसलपुर-बरेली मार्ग पर दो फुट तक पानी बह रहा है। बरखेड़ा क्षेत्र में कुछ कच्चे मकान भी गिरे हैं। बृहस्पतिवार सुबह बीसलपुर के कुछ मोहल्लों में भी बाढ़ का पानी पहुंच गया है।

मंगलवार से भले ही जिले में बारिश थमी है, लेकिन मुश्किलें अभी कम नहीं हुई। शहर में सरकारी कार्यालयों और कुछ मोहल्लों में जलभराव बना हुआ है। कई गांव अभी शारदा की चपेट में है। बुधवार को पीलीभीत-टनकपुर हाईवे पर कचहरी से पूरे दिन पानी तेज गति से सड़क पर बहता रहा। कई बाइक चालकों की बाइक बीच पानी में रुक गई। सबसे अधिक समस्या कलक्ट्रेट और अफसर कॉलोनी मार्ग से गुजरे बाइक सवारों को हुई। बाइक सवार जोखिम के बीच आवागमन करते दिखे।

राहगीरों की सुरक्षा के लिए पुलिस और यातायात पुलिस की ड्यूटी लगाई गई। पुलिस चौकी भी जलमग्न है। बनकटी मार्ग पर भी लोग पानी से होकर गुजरते दिखे। वहीं गोदावरी स्टेट कालोनी में पानी भरा हुआ है। जल निगम के कार्यालय परिसर में भरे पानी को पंपिंग सेट लगाकर निकाला गया। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय परिसर पूरी तरह जलमग्न है। ऑफिसर्स कालोनी में करीब चार फुट पानी भरा है। अफसर, आवासों को छोड़कर होटलों में रह रहे हैं।

लाल निशान से 45 सेंटीमीटर ऊपर पहुंचा सरयू का पानी

बाराबंकी, एजेंसी। सरयू नदी का जल स्तर खतरे के निशान से 45 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया। इससे तटवर्ती 30 से ज्यादा गांव क्षेत्रों में बाढ़ का पानी घुसने लगा है। 20 गांवों में खेती और आबादी क्षेत्र दोनों ही पानी भरने लगा है। कटान के कारण खेतिहर जमीन भी नदी में समाती जा रही है। शासनिक अधिकारी बाढ़ क्षेत्र का भ्रमण कर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। इस बीच बुधवार को नेपाल के बैराज से सरयू में फिर करीब साढ़े तीन लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है।

बाढ़ कार्य खंड के अधिशासी अभियंता शशिकांत सिंह ने बताया कि जल स्तर बुधवार की शाम को खतरे के निशान 106.070 मीटर से बढ़कर 106.520 मीटर तक पहुंचकर स्थिर रहा। बृहस्पतिवार तक इसके बढ़ने के आसार है।

राम सनेहीघाट तहसील के कोटेदार पुरवा, गोड़ियनपुरवा, पाठक पुरवा, लोनियनपुरवा, मास्टर पुरवा, कंगणन पुरवा, सहाई पुरवा मजरे ढेमा, छपटन पुरवा मजरे टिकरी, मुखियनपुरवा मजरे जलालपुर तराई की आबादी व खेती दोनों बाढ़ प्रभावित है। इसी तरह रामनगर तहसील खेत्र के सुंदरनगर, कोड़री,ललपुरवा मजरे बतनेरा, मदरहा, सांई तकिया, कोयलीपुरवा, सकतापुर, गड़रियनपुरवा मजरे डिहुवा, बाबा पुरवा, केदारीपुर मजरे सरसंडा व प्रसादीपुरवा मजरे सिसौंडा की आबादी और खेती दोनों प्रभावित है। लोग गांवों में रहकर नाव से आवागमन कर रहे हैं।

स्कूल व अस्पताल में फिर भरा पानी

सिरौलीगौसपुर तहसील क्षेत्र में नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद टेपरा गांव में भी पानी भर गया है। वहीं प्राथमिक विद्यालय तेलवारी और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोबरहा में भी पानी भर गया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के स्वास्थ्य कर्मी तटबंध पर बैठे दिखे लोगों को दवाएं देते दिखे। सनावा, टेपरा, भयकपुरवा, बघौलीपुरवा, तेलवारी, गोबरहा, सरायसुर्जन, सिरौलीगुंग, कहरान पुरवा, कोठीडीहा, परसा, भैरवकोल, सरदहा, बीहड़, कुड़वा, परसवाल, रायपुर, मंझा व बेहटा गांव टापू बन गए हैं। आवागमन के रास्तों पर पानी भरने से नाव का सहारा लेना पड़ रहा है। तहसीलदार सिरौलीगौसपुर बालेंदु भूषण वर्मा व नायब तहसीलदार दिनेश पांडेय ने बुधवार को बाढ़ प्रभावित गांवों का भ्रमण किया।

सिरौलीगौसपुर एसडीएम प्रीति सिंह ने बताया की बाढ़ चौकी शुरू कर दी गई है। वही बढ़ते जलस्तर को देखते हुए लेखपालों की की ड्यूटी बाढ़ क्षेत्र में लगा दी गई है। सभी गांवों में बृहस्पतिवार सुबह तक नाव लगवा दी जाएगी। गांवों में पानी भरने से सुंदरनगर तटबंध पर करीब 30 परिवार पहुंच गए हैं। उनका कहना है कि गांवों में पानी घटने के बाद वापस जाएंगे।

कलश यात्रा के साथ शुरु हुई सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा

सकारपार, एजेंसी। क्षेत्र के सिसहनिया गांव में मंगलवार को सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा की शुरुआत हुई। कथा से पूर्व कलश यात्रा निकाली गई। आयोजक मातादीन उपाध्याय ने सिर पर श्रीमद्भागवत महापुराण रखकर धार्मिक स्थलों के दर्शन किए। कथा वाचक पं. सत्य प्रकाश पाण्डेय ने बताया कि दिन में श्रीमद्भागवत का पाठ होगा। एवं शाम सात बजे से प्रवचन के माध्यम से भगवत कथा का रसपान कराया जाएगा। कथा वाचक पं. वेद प्रकाश पांडेय ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा सुनने मात्र से जीव को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

इस दौरान मनोज उपाध्याय, विनोद कुमार उपाध्याय, अष्ट भुजा, बालकेश, कृष्ण गोपाल, बृजेश, राम मिलन, राम रक्षा आदि मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की कथा सुन श्रद्धालु भावविभोर हो उठे : पकड़ी बाजार। पकड़ी चौराहे पर चल रहे श्रीमद्भागवत कथा में सोमवार की रात कथावाचक सुभाष पांडेय ने श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की कथा सुनाई। कथा सुन श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। मथुरा के राजा कंस अपनी बहन देवकी का विवाह वासुदेव से कर देता है। कंस बहन को ससुराल पहुंचाने के लिए जाने लगता है। आकाशवाणी हुई कि देवकी के आठवें पुत्र के हाथों तेरी मृत्यु निश्चित है। वह बहन और उसके पति वासुदेव को बंदी बनाकर कारागार में डाल देता है। उसके सात पुत्रों को मार देता है, श्रीकृष्ण अष्टमी तिथि को आधी रात को देवकी के आठवें पुत्र के रूप में जन्म लेते हैं। जन्म लेते ही पुरा पंडाल जयकारों से गूंज उठा। इस दौरान आयोजक कर्ता विष्णु आदि मौजूद रहे।

पीडीडीयू जंक्शन से 35.60 लाख नकद बरामद, एक आरोपी दबोचा गया, महीने भर में आया दूसरा मामला

चंदौली, एजेंसी। एक माह के भीतर दूसरी बार पीडीडीयू जंक्शन पर बड़ी मात्रा में नकदी पकड़ा गया है। आरपीएफ और जीआरपी ने बुधवार की रात पीडीडीयू जंक्शन से 35.60 लाख रुपये नकद के साथ एक व्यक्ति को पकड़ लिया। पकड़ा गया व्यक्ति वाराणसी से बंगाल रुपये लेकर जा रहा था। बरामद रुपये और आरोपी को आयकर विभाग के हवाले कर दिया गया। आगे की कार्रवाई आयकर विभाग करेगी।

लाख प्रयास के बाद भी हावड़ा दिल्ली रूट पर ट्रेनों से तस्करी रुक नहीं पा रही है। सोने चांदी के आभूषण, कछुआ, नशीले पदार्थ के साथ रुपए एक स्थान से दूसरे स्थान को भेजे जा रहे हैं। 31 जुलाई को आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने पीडीडीयू जंक्शन से अलग अलग समय पर 3 लोगों को पकड़ कर उनके पास से 81.33 लाख रुपए नकदी बरामद की थी। अब बुधवार की रात 35.60 लाख बरामद हुए हैं।

आरपीएफ निरीक्षक प्रदीप कुमार रावत ने बताया कि बुधवार की रात 8 बजे आरपीएफ एसआई अमरजीत दास, सुनील कुमार, जीआरपी एसआई संदीप कुमार शर्मा आदि टीम के साथ गस्त कर रहे थे। इसी बीच फुटओवर ब्रिज पर एक संदिग्ध व्यक्ति दिखा। रोक कर उसके पिट्ठू बैग की तलाशी लेने पर उसमे बड़े पैमाने पर नगदी दिखा। इसके बारे में वह कोई कागजात नहीं दिखा सका। उसे पकड़ कर आरपीएफ पोस्ट पर लाया गया। यहां गिनती करने पर 35.60 लाख रुपये नकद मिले।

पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम आशीष दुआ निवासी सूरतपुर, हरिरामपुर, पश्चिमी मेदनीपुर,पश्चिम बंगाल बताया।

उसने बताया कि इन रुपयों को वाराणसी से बंगाल लेकर जा रहा था। आरपीएफ ने इसकी सूचना आयकर विभाग वाराणसी को दी। सूचना पर आयकर अधिकारी राजेश कुमार, दीपक कुमार पहुंचे। यहां बरामद रुपए और रुपए तस्करी के आरोपी को आयकर विभाग को सौंप दिया गया। आगे की कार्रवाई आयकर विभाग की टीम करेगी।

महिंद्रा ने एसयूवी बीई 6 को नए रूप में किया गया पेश

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा के इलेक्ट्रिक इंग्लो प्लेटफॉर्म पर तैयार की गई एसयूवी बीई 6 को एक नए रूप में पेश किया गया है। हाल ही में महिंद्रा ने इसका बैटमैन एडिशन लॉन्च किया, जो दुनिया की पहली कमर्शियली उपलब्ध बैटमैन से प्रेरित एसयूवी है।

इसकी एक्स-शोरूम कीमत 27.79 लाख रुपये रखी गई है। खास बात यह है कि लॉन्चिंग के तुरंत बाद ही इस लिमिटेड एडिशन की बुकिंग पूरी हो गई। कंपनी ने शुरुआती चरण में केवल 300 यूनिट्स की बुकिंग खोली थी, लेकिन भारी डिमांड को देखते हुए इसे बढ़ाकर 999 यूनिट्स कर दिया गया। इसके बावजूद सभी यूनिट्स सिर्फ 135 सेकंड में बुक हो गईं। महिंद्रा ने संकेत दिए हैं कि भविष्य में अपनी अन्य एसयूवी के लिए भी इस तरह के खास एडिशन लॉन्च किए जा सकते हैं। 20 सितंबर से इसकी डिलीवरी शुरू होगी, जबकि उससे पहले ही बीई 6 बैटमैन एडिशन को मुंबई की सड़कों पर देखा गया है। हावोक ब्लॉग्स के वीडियो में यह एसयूवी चलते हुए नजर आई है। रात के अंधेरे में इसका मैट-ब्लैक बॉडीवर्क और शार्प लाइटिंग एलिमेंट्स इसे बैटमोबाइल जैसी पहचान देते हैं। बड़े 20-इंच के अलॉय व्हील्स और सुनहरे रंग के सस्पेंशन व ब्रेक कैलिपर्स इसकी दमदार उपस्थिति को और खास बनाते हैं।

डार्क नाइट ट्रिलॉजी से प्रेरित इस एडिशन में हब कैप, फ्रंट क्वार्टर पैनल, रियर बंपर, विंडो और रियर विंडशील्ड पर बैट का प्रतीक चिन्ह दिया गया है। इसके अलावा इन्फिनिटी रूफ और कार्पेट लैंप पर भी बैट का साइन उकेरा गया है। इंटीरियर की बात करें तो एसयूवी में चारकोल लेदर इंस्ट्रूमेंट पैनल, स्यूडे लेदर अपहोल्स्ट्री और गोल्ड सेपिया स्टिचिंग दी गई है। गोल्ड एक्सेंट्स स्टीयरिंग व्हील, इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक और अन्य डिटेलिंग को और आकर्षक बनाते हैं। सीट्स, बूस्ट बटन और इंटीरियर पार्ट्स पर भी बैट का प्रतीक चिन्ह उभरा हुआ है।

जीएसटी 2.0 झटका या जैकपॉट? एसबीआई रिपोर्ट ने बताईं जरूरी बातें

नई दिल्ली ।

जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक में टैक्स ढांचे को सरल बनाते हुए अब केवल दो मुख्य स्लैब लागू किए गए हैं 18 फीसदी (स्टैंडर्ड रेट) और 5 फीसदी (मेरिट रेट)।

इसके अलावा कुछ विशेष वस्तुओं पर 40 फीसदी डिमेरिट रेट भी रहेगा। इससे पहले की तुलना में टैक्स प्रणाली आसान और पारदर्शी होगी, जिससे मिडिल क्लास को सीधा फायदा होगा। कुल 453 वस्तुओं और सेवाओं पर जीएसटी की दरें बदली गई हैं, जिनमें 413 पर टैक्स घटाया गया है और केवल 40 पर बढ़ाया गया है।

खासतौर पर 295 जरूरी सामानों की टैक्स दर 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी या शून्य कर दी गई है। इससे रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में करीब 25-30 आधार अंक की कमी होगी और महंगाई में कुल 65-75 आधार अंक तक कमी आने की उम्मीद है। यह बदलाव आम आदमी की जेब पर सकारात्मक प्रभाव डालेगा। टैक्स दरों में बदलाव से सरकार के राजस्व में 48,000 करोड़ रुपए की कमी आ सकती है, लेकिन बढ़ी हुई खरीदारी और टैक्सदाता संख्या के कारण वास्तविक घाटा केवल 3,700 करोड़ रुपए तक सीमित रहेगा। इससे फिस्कल डिफिसिट पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा। बीमा प्रीमियम पर जीएसटी खत्म होने से बीमा सस्ता होगा और इसकी पहुंच बढ़ेगी। साथ ही छोटे और मझोले उद्योगों को सप्लाई-चेन के जरिए ज्यादा काम मिलेगा, जिससे उत्पादन और रोजगार बढ़ेगा।

यह सुधार लंबे समय में देश की अर्थव्यवस्था के लिए फायदेमंद साबित होगा।

नाकोडा ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज़ ने सॉफ्ट ड्रिंक्स और बेवरेज सेक्टर में किया प्रवेश

पटेल बेवरेजेज के साथ हुआ को-पैकिंग एग्रीमेंट, पोर्टफोलियो का होगा विस्तार

नागपुर/इंदौर ।

नाकोडा ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड (NGIL) ने पटेल बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस को-पैकिंग एग्रीमेंट के तहत, नाकोडा ग्रुप पटेल बेवरेजेज के उत्पादों जैसे सॉफ्ट ड्रिंक और एनर्जी ड्रिंक का निर्माण, आपूर्ति और को-पैकिंग करेगा, जो उनके ब्रांड "NOC-TRL" के तहत बाज़ार में आएंगे।

इस समझौते से नाकोडा ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज़ को उपभोक्ता उत्पाद खंड में, विशेष रूप से बेवरेज सेक्टर में, प्रवेश करने का अवसर मिला है। इससे कंपनी के मौजूदा उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार होगा, जिसमें पहले से ही विभिन्न किस्म के मखाने और अन्य खाद्य उत्पाद शामिल हैं। वहीं, पटेल बेवरेजेज को भी एक नया क्लाइंट मिलने के साथ-साथ अपने टर्नओवर और उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी करने का मौका मिलेगा।

नाकोडा ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड 1989 से खाद्य उत्पादों के निर्माण और व्यापार में एक प्रतिष्ठित नाम रहा है। कंपनी उच्च गुणवत्ता वाले टूटी फ्रूटी (डाइस्ड चेलोरी), ड्राई फ्रूट्स, अनाज और दालों के लिए जानी जाती है। नागपुर में स्थित होने के कारण, कंपनी को उत्कृष्ट लॉजिस्टिक लाभ मिलते हैं, जिससे देशभर में ग्राहकों तक कुशल और समय पर डिलीवरी सुनिश्चित होती है। कंपनी के प्रमुख क्लाइंट्स में ब्रिटानिया, वडीलाल, हिंदुस्तान यूनिलीवर, हल्दीराम्स, अमूल जैसे बड़े और जाने-माने ब्रांड शामिल हैं।

सोना जल्द जा सकता है 1.4 लाख प्रति 10 ग्राम!

- यूक्रेन युद्ध और अमेरिका-डॉलर पर भरोसे में कमी से बढ़ रहे सोने के भाव

नई दिल्ली ।

सोना हमेशा से महंगाई और आर्थिक अनिश्चितता में सुरक्षित निवेश माना जाता रहा है। इस बार सोने की कीमतों में तेजी के पीछे सिर्फ महंगाई या घरेलू मांग नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक कारण हैं। यूक्रेन युद्ध और अमेरिका-डॉलर पर भरोसे में कमी के चलते कई देशों के सेंट्रल बैंक अपनी रिज़र्व रणनीति में बदलाव कर भारी मात्रा में सोना खरीद रहे हैं। तकनीकी चार्ट और विश्लेषण से पता चलता है कि सोने की कीमत 3,500 डॉलर से बढ़कर 4,750 डॉलर प्रति औंस तक जा सकती है, यानी करीब 35 फीसदी की वृद्धि संभव है। भारत में यह मूल्य 1,06,000 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1,40,000-1,45,000 रुपए तक पहुंच सकता है। 2025 की पहली तिमाही में सेंट्रल बैंकों ने पिछले पांच साल की तुलना में 24 फीसदी अधिक सोना खरीदा है। रूस के विदेशी रिज़र्व फ्रीज होने के बाद सोना राजनीतिक और आर्थिक संकट के समय सबसे भरोसेमंद सुरक्षा साधन बन गया है। इसके कारण विश्वभर के केंद्रीय बैंक हर साल 1,000 टन से अधिक सोना खरीद रहे हैं। भारत में भी सोने में निवेश का रुझान बढ़ा है। गोल्ड ईटीएफ में जून और जुलाई 2025 में 3,256 करोड़ रुपए का निवेश आया।

रुपये की कमजोरी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमतों में बढ़ोतरी ने निवेशकों को सोने की ओर आकर्षित किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि सोने की कीमतों में अभी और तेजी आ सकती है। निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे एक साथ बड़ी राशि निवेश करने की बजाय किस्तों में निवेश करें और अपने पोर्टफोलियो का 5-10 फीसदी हिस्सा सोने में रखें ताकि वित्तीय सुरक्षा बनी रहे।

डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में टेक दिग्गजों के साथ की मुलाकात

- ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पिचाई, नडेला सहित प्रौद्योगिकी जगत के दिग्गजों की मेजबानी की

वॉशिंगटन।

अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला, गूगल के सुंदर पिचाई, मेटा के मार्क जुकरबर्ग, बिल गेट्स, एप्पल के टिम कुक सहित प्रमुख टेक्नोलॉजी नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। ट्रंप ने इस अवसर पर इन तकनीकी नेताओं को 'उच्च आईक्यू वाला समूह' बताते हुए उनकी प्रशंसा की और कहा कि ये लोग व्यवसाय और नवाचार में क्रांति ला रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि यह समूह दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। मैं इस पर गर्व महसूस करता हूं। ये लोग हर उस क्षेत्र में बदलाव ला रहे हैं, जिसकी हम कल्पना भी कर सकते हैं।

बैठक में ट्रंप ने इन दिग्गजों से उनके विचार साझा करने को कहा। गूगल के सुंदर पिचाई ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) तकनीक का युग हमारे जीवनकाल का सबसे बड़ा परिवर्तनकारी दौर है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को इस क्षेत्र में सबसे आगे रहना होगा।' पिचाई ने ट्रंप के नेतृत्व की सराहना करते हुए सहयोग की इच्छा जताई।

सत्य नडेला ने कहा कि उद्योग को विशिष्ट बनाना केवल नवाचार से नहीं होता, बल्कि वैश्विक बाजार तक पहुंच से होता है। उन्होंने ट्रंप की भूमिका की सराहना की, जिन्होंने अमेरिकी तकनीक पर विश्व का भरोसा बढ़ाया। बिल गेट्स ने कहा कि वे अपने करियर के दूसरे चरण में हैं और सत्य नडेला के अच्छे काम से मिलने वाली धनराशि दान कर रहे हैं, जिस पर ट्रंप ने हंसी के साथ प्रतिक्रिया दी।

दुग्ध उत्पादों की जीएसटी दरों में कटौती से दूरगामी लाभ होंगे- मिल्की मिस्ट

- दुग्ध उत्पादों पर जीएसटी घटाने से मिलेगा उपभोक्ता और किसान को लाभ

चेन्नई । मिल्की मिस्ट डेयरी फूड लिमिटेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि पनीर, मक्खन, घी जैसे दुग्ध उत्पादों पर जीएसटी दर घटाकर 5 प्रतिशत करने का फैसला उपभोक्ताओं और किसानों दोनों के लिए लाभकारी होगा। रत्नम ने बताया कि इस कदम से पौष्टिक और मूल्यवर्धित दुग्ध उत्पाद सस्ते होंगे, जिससे उनकी मांग बढ़ेगी। इससे नवाचार को प्रोत्साहन मिलेगा और संगठित डेयरी क्षेत्र मजबूत होगा। उन्होंने इसे केवल कर सुधार नहीं बल्कि समावेशी विकास का उत्प्रेरक बताया। रत्नम के अनुसार, यह निर्णय औपचारिक डेयरी कारोबार को बढ़ावा देगा और किसानों को बेहतर कीमत दिलाने में मदद करेगा।

छोटे चाय उत्पादकों ने हरी चाय पत्तियों के लिए एमएसपी की मांग की

कोलकाता । देश के करीब 2.5 लाख छोटे चाय उत्पादक (एसटीजी) ने सरकार से हरी चाय की पत्तियों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लागू करने की मांग की है। छोटे उत्पादकों का कहना है कि वे देश की कुल चाय उत्पादन में 50 प्रतिशत से अधिक योगदान देते हैं, लेकिन बाजार में कीमतों में गिरावट और अस्थिरता के कारण उनकी आय प्रभावित हो रही है। भारतीय लघु चाय उत्पादक संघों के परिसंघ (सीआईएसटीए) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एसटीजी ने 35 रुपये प्रति किलोग्राम के एमएसपी की मांग की है, जिससे उन्हें आर्थिक सुरक्षा मिलेगी और उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता बनी रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि छोटे चाय उत्पादकों को कृषि किसानों के समान दर्जा दिया जाना चाहिए ताकि वे केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों से मुलाकात में मंत्रालय ने इस मुद्दे पर जमीनी स्तर पर अध्ययन कराने की बात कही है। मंत्रालय एमएसपी के निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यान्वयन के लिए एक राष्ट्रीय मूल्य निर्धारण समिति भी गठित करेगा।

सीसीआई ने एम्मार इंडिया पर प्रभुत्व के दुरुपयोग के आरोपों को किया खारिज

नई दिल्ली । सीसीआई ने एम्मार इंडिया पर प्रभुत्व के दुरुपयोग के आरोपों को किया खारिज कॉम्पटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने एम्मार इंडिया लिमिटेड और उससे जुड़ी कंपनियों के खिलाफ परियोजना के क्षेत्र में प्रभुत्व के दुरुपयोग और प्रतिस्पर्धा-विरोधी व्यवहार के आरोपों को खारिज कर दिया है। यह मामला एक मुखबिर की शिकायत पर आधारित था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि एम्मार ने 97 खाली भूखंडों पर बिल्डर फ्लोर और गैर-विला आवासीय इकाइयों का निर्माण कर 'सिग्नेचर विला कम्युनिटी' की पहचान को नुकसान पहुंचाया। सीसीआई ने मामले की जांच के दौरान पाया कि गुरुग्राम में विला विकास एवं बिक्री के क्षेत्र में एम्मार इंडिया की प्रभुत्वशाली स्थिति नहीं है। बाजार में कई बड़े डेवलपर्स जैसे डीएलएफ, गोदरेज, टाटा हाउसिंग, सिग्नेचर ग्लोबल और वाटिका ग्रुप सक्रिय हैं, जो उपभोक्ताओं को विकल्प उपलब्ध कराते हैं। इसलिए, एम्मार द्वारा प्रभुत्व के दुरुपयोग के आरोप प्रथम दृष्टया निराधार पाए गए। प्रतिस्पर्धा अधिनियम की धारा 3 और 4 के तहत आरोपों का कोई मामला नहीं बनता है, इस आधार पर सीसीआई ने शिकायत को खारिज कर दिया। नियामक ने कहा कि संबंधित संस्थाओं के खिलाफ कोई प्रतिस्पर्धा-विरोधी कृत्य सिद्ध नहीं हुआ है। यह फैसला प्रतिस्पर्धा के संरक्षण और बाजार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जीएसटी सरलीकरण से महंगाई में राहत, राजस्व पर सीमित असर- एसबीआई रिपोर्ट

जीएसटी दरों में बदलाव से 3,700 करोड़ रुपए की संभावित राजस्व हानि

कोलकाता ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की नवीनतम शोध रिपोर्ट के अनुसार, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों के सरलीकरण से सरकार को न्यूनतम 3,700 करोड़ रुपए की राजस्व हानि हो सकती है। हालांकि सरकार का अनुमान है कि इस बदलाव का शुद्ध वार्षिक राजकोषीय प्रभाव 48,000 करोड़ रुपए तक होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि बढ़ती खपत और आर्थिक विकास से इस घाटे की भरपाई संभव है और इसका राजकोषीय घाटे पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। हाल ही में हुई जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में मौजूदा चार-स्तरीय दर संरचना (5, 12, 18, 28 फीसदी) दो-स्तरीय प्रणाली में बदला गया है। नई प्रणाली में 18 और 5 फीसदी की मानक दरें रखी गई हैं, जबकि कुछ विशेष वस्तुओं और सेवाओं पर 40 फीसदी की अवगुण दर लागू होगी। एसबीआई की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि जीएसटी दरों के युक्तिकरण से बैंकिंग जैसे क्षेत्रों में लागत दक्षता बढ़ेगी और कर अनुपालन में सुधार होगा। प्रभावी औसत जीएसटी दर 2017 के 14.4 फीसदी से घटकर अब 9.5 फीसदी रह गई है। इसके अलावा, आवश्यक वस्तुओं की जीएसटी दर घटाने से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई दर 2025-26 में 0.25 फीसदी से 0.30 फीसदी तक कम हो सकती है। अनुमान है कि 2026-27 तक महंगाई दर 0.65 फीसदी से 0.75 फीसदी के भीतर नियंत्रित रहेगी। कुल मिलाकर, यह सुधार न केवल कर व्यवस्था को सरल बनाएगा, बल्कि उपभोक्ताओं और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए लाभकारी साबित होगा।

शेयर बाजार सपाट कारोबार के साथ बंद हुआ

सेंसेक्स 7.25 अंक गिरा, निफ्टी 6.70 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को मिश्रित कारोबार हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी आईटी और एफएमसीजी शेयरों पर दबाव से दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 7.25 अंक की हल्की गिरावट के साथ ही 80,710.76 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 6.70 अंक की बढ़त के साथ ही 24,741.00 पर बंद हुआ। आज ऑटो शेयरों के कारण बाजार ऊपर आया। निफ्टी ऑटो इंडेक्स 1.25 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। वहीं निफ्टी मेटल 0.68 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 0.17 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.14 फीसदी और निफ्टी मीडिया 0.59 फीसदी के साथ बंद हुए। वहीं आईटी और एफएमसीजी शेयर नीचे आये। निफ्टी आईटी इंडेक्स -1.44 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी (-1.42 फीसदी), निफ्टी रियल्टी (-1.16 फीसदी) और निफ्टी इंडिया डिफेंस (-0.35 फीसदी) की गिरावट के साथ बंद हुआ।

आज लार्जकैप के विपरीत ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी दर्ज की गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 116.05 अंक या 0.20 फीसदी की तेजी के साथ 57,075.20 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 33.30 अंक करीब 0.19 फीसदी की बढ़त के साथ 17,655.25 पर था।सेंसेक्स में एमएंडएम, मारुति सुजुकी, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, इटरनल (जोमैटो), सन फार्मा, टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील और एशियन पेंट्स के शेयर लाभ में रहे जबकि आईटीसी, एचटीएल टेक, टीसीएस, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, एचयूएल, एलएंडटी और टाइटन के शेयरों को नुकसान हुआ।

इससे पहले आज सुबह जीएसटी स्लैब में संभावित कटौती की उम्मीदों ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया। सेंसेक्स 300 अंकों की उछाल के साथ 81,012.42 पर खुला। उधर निफ्टी भी मजबूती के साथ 24,818.85 पर खुला। घरेलू मोर्चे पर निवेशकों की नजर अब विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़ों और सिन गुड्स कंपनियों पर है, क्योंकि सरकार ने इन पर अतिरिक्त टैक्स लगाने की घोषणा की है। यह टैक्स कंपनजेशन सेस खत्म होने के बाद भी जारी रहेगा। वहीं एशियाई बाजारों में भी शुक्रवार को जोरदार तेजी रही। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.39 फीसदी चढ़ा, जबकि साउथ कोरिया का कॉस्पी और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 क्रमशः 0.26 फीसदी और 0.58 फीसदी ऊपर बंद हुए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जापानी ऑटो शुल्क में कटौती और चिप उत्पादकों पर सख्ती के फैसले ने वैश्विक बाजारों को सहारा दिया। वॉल स्ट्रीट के प्रमुख सूचकांक भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुए। एसएंडपी 500 में 0.80 फीसदी, नेस्डेक में 1 फीसदी और डाउ जोंस में 0.90 फीसदी की तेजी दर्ज हुई।

अदाणी पावर को 1:5 के अनुपात में शेयर विभाजन के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिली

- विभाजन के बाद शेयर की संख्या 2,480 करोड़ से बढ़कर 12,400 करोड़ हो जाएगी

नई दिल्ली ।

अदाणी पावर को एक अगस्त 2025 को जारी डाक मतपत्र नोटिस के जरिये 1:5 के अनुपात में शेयर विभाजन के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि एक अगस्त की डाक मतपत्र नोटिस में उल्लिखित आवश्यक बहुमत के साथ प्रस्ताव को विधिवत पारित माना गया है। 10 रुपये मूल्य के प्रत्येक शेयर को दो रुपये अंकित मूल्य वाले पांच पूर्ण चुकता शेयर में विभाजित किया जाएगा, जो सभी दृष्टियों से समान होंगे। मतदान छह अगस्त सुबह नौ बजे से चार सितंबर को शाम पांच बजे तक चला। अदाणी पावर ने बताया कि निदेशक मंडल ने एक अगस्त 2025 को अपनी बैठक में खुदरा एवं छोटे निवेशकों की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शेयर विभाजन को मंजूरी दी। कंपनी ने बताया कि शेयर के उप-विभाजन/विभाजन के कारण कंपनी की अधिकृत, जारी, अभिदत्त और चुकता शेयर पूंजी में कोई बदलाव नहीं होगा।

शेयर के उप-विभाजन की रिकॉर्ड तिथि, निदेशक मंडल द्वारा सदस्यों की स्वीकृति प्राप्त होने के बाद तय की जाएगी। इस विभाजन के बाद शेयर की संख्या 2,480 करोड़ से बढ़कर 12,400 करोड़ हो जाएगी।

अदाणी पावर की स्थापना 1996 में हुई थी और 2009 में इसे शेयर बाजार में सूचीबद्ध किया गया। इसके व्यवसाय एवं प्रदर्शन में पिछले कुछ वर्ष में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है जिसके परिणामस्वरूप कंपनी की प्रतिभूतियों के बाजार मूल्य में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

तेल व गैस ईएंडपी सेवाओं पर बढ़ा जीएसटी

- कंपनियों की लागत और मुनाफे पर दोहरी मार

नई दिल्ली ।

भारत में तेल और गैस के खोज और उत्पादन (ईएंडपी) क्षेत्र को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि जीएसटी परिषद ने इस क्षेत्र में उपयोग होने वाली वस्तुओं और सेवाओं पर कर दर को 12 फीसदी से बढ़ाकर 18 फीसदी कर दिया है। इस निर्णय से कंपनियों की उत्पादन लागत में इजाफा होना तय है, जबकि कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस अभी भी जीएसटी के दायरे से बाहर हैं। इसका मतलब है कि इन उत्पादों की बिक्री पर कंपनियां इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का पूरा लाभ नहीं उठा सकेंगी, जिससे फंसे हुए कर का बोझ बढ़ेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि यह वृद्धि ऐसे समय में की गई है जब वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। अप्रैल 2025 से ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 66 डॉलर/बैरेल पर आ गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7 फीसदी कम है। ओएनजीसी जैसी प्रमुख कंपनियों की प्राप्ति में 20 फीसदी की गिरावट आई है, जिससे उनकी आय और मार्जिन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। आईसीआरए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने चेताया कि कर वृद्धि और कम ऊर्जा कीमतों के चलते कुछ परियोजनाएं आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं रह जाएंगी। हालांकि सरकार द्वारा ओएएलपी-एक्स जैसे नए सुधार लाए गए हैं, लेकिन जीएसटी दरों में वृद्धि ने इन प्रयासों की गति को धीमा करने का खतरा पैदा कर दिया है।

जीएसटी परिषद ने ईवी पर 5 फीसदी रियायती दर बरकरार रखी

- टाटा और महिंद्रा जैसी कंपनियों ने जताई राहत

नई दिल्ली। जीएसटी परिषद ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) पर 5 प्रतिशत की रियायती जीएसटी दर को बरकरार रखने का फैसला किया है। इससे ईवी निर्माता कंपनियों को बड़ी राहत मिली है। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा था कि 20 लाख से 40 लाख रुपये तक की इलेक्ट्रिक कारों पर जीएसटी बढ़ाकर 18 प्रतिशत और 40 लाख रुपये से अधिक कीमत वाली कारों पर 28 प्रतिशत करने पर विचार हो सकता है। यह खबर इलेक्ट्रिक वाहनों के तेजी से बढ़ रहे उद्योग में चिंता का कारण बनी थी। टाटा मोटर्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस फैसले को भारत की पर्यावरण-अनुकूल और शून्य उत्सर्जन वाली मोबिलिटी के प्रति प्रतिबद्धता के रूप में देखा है। उन्होंने इसे दीर्घकालिक नीतिगत स्थिरता का संकेत भी बताया। महिंद्रा एंड महिंद्रा के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 5 प्रतिशत जीएसटी दर जारी रखने से इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने की गति तेज होगी और भारत का स्वच्छ मोबिलिटी क्षेत्र मजबूत होगा। हालांकि, ईवी निर्माता अब पेट्रोल और डीजल की छोटी कारों से मुकाबला करेंगे, जिन पर 18 प्रतिशत की कम कर दर लागू है। इससे बाजार प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। वोल्वो और मर्सिडीज-बेंज जैसी लग्जरी कार कंपनियों ने भी इस निर्णय का स्वागत किया है। इन कंपनियों ने इसे कार्बन मुक्त भविष्य की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता बताया है।

भारत/पाक: नीरज चोपड़ा और अरशद नदीम विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भिड़ेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा और चोट से उबर चुके पाकिस्तानी एथलीट अरशद नदीम इस महीने के आखिर में टोक्यो में होने वाली 2025 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करेंगे। नदीम के चिकित्सक असद अब्बास ने गुरुवार को बताया कि पेरिस 2024 ओलंपिक चैंपियन पूरी तरह से ठीक हो गए हैं और प्रतियोगिता के लिए तैयार हैं। अब्बास ने टेलीकॉम एशिया को बताया, 'अरशद पूरी तरह से ठीक हो गए हैं और मैंने उनके ठीक होने और प्रगति पर नजर रखी है। मुझे यकीन है कि वह नीरज और भाला फेंक स्पर्धा में भाग लेने वाले अन्य सभी एथलीटों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार होंगे।' उल्लेखनीय है कि विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में आयोजित होगी। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा का क्वालीफिकेशन 17 सितंबर को और फाइनल अगले दिन होगा। जापान नेशनल स्टेडियम में नीरज चोपड़ा बनाम अरशद नदीम पेरिस 2024 के बाद उनका पहली बार आमना-सामना होगा। पेरिस 2024 के बाद से नदीम ने केवल एक बार प्रतिस्पर्धा की है, मई में कोरिया गणराज्य के गुमी में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 86.40 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में पिछले महीने डायमंड लीग जीतने वाले जर्मनी के जूलियन वेबर, दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के पूर्व ओलंपिक चैंपियन केशोर्न वालकॉट के भी भाग लेने की उम्मीद है।

हॉकी एशिया कप 2025: फाइनल में जगह बनाने के लिए चीन से भिड़ेगा भारत, करना होगा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

राजगीर (एजेंसी)। फाइनल में जगह बनाने से एक कदम दूर भारतीय पुरूष हॉकी टीम को एशिया कप 2025 में शनिवार, 6 सितंबर को सुपर 4 चरण के आखिरी मैच में आत्मविश्वास से ओतप्रोत चीन के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इससे पहले पांच बार की चैम्पियन दक्षिण कोरिया से 2 -2 से ड्रॉ के बाद भारत ने दूसरे सुपर 4 मैच में मलेशिया को 4 -1 से हराया। इस जीत से चीन के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले हरमनप्रीत सिंह की टीम का मनोबल बढ़ा होगा।

वहीं भारत दो मैचों में चार अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि चीन और मलेशिया के तीन अंक है। दूसरी तरफ कोरिया एक अंक लेकर फाइनल की दौड़ से बाहर हो गई है। सुपर 4 चरण से शीर्ष दो टीमें फाइनल में जायेंगी और भारत के लिये एक ड्रॉ भी काफी होगा। कोरिया के खिलाफ औसत प्रदर्शन के बाद भारत ने मलेशिया के खिलाफ बेहतर खेल दिखाया हालांकि शुरूआत बहुत अच्छी नहीं रही। भारत ने शुरूआती गोल गंवा दिया लेकिन इसके बाद शानदार वापसी की।

इसके साथ ही मलेशिया पर मिली जीत के बारे में मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा कि अभी भी यह टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं है और भारतीय खिलाड़ियों को पता है कि उनसे अपेक्षायें बहुत ज्यादा है। सवाल यह है कि वे अपेक्षाओं पर कैसे खरे उतरें और इसका जवाब भी आसान है कि बारीकियों पर ध्यान देकर अपने प्रदर्शन में और सुधार किया जाये।

बता दें कि, टूर्नामेंट में अभी तक मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद और राजिंदर सिंह ने मिडफील्ड में अच्छा खेल दिखाया है। मलेशिया के खिलाफ फॉरवर्ड पंक्ति से उनका तालमेल कमाल का था। हार्दिक ने खास तौर पर तेज ड्रिबलिंग और अकेले गेंद लेकर दौड़ते हुए कई मौके बनाये। बरसों से भारतीय हॉकी की सेवा कर रहे मनप्रीत ने दिखा दिया कि अभी भी उनके भीतर जीत की भूख कम नहीं हुई है। उन्होंने न सिर्फ मौके बनाये बल्कि गोल के सूत्रधार भी रहे।

अभिषेक, सुखजीत सिंह और मनदीप सिंह ने आक्रमण का जिम्मा बखूबी संभाला और आगे भी इस लय को कायम रखना चाहेंगे। भारत को हालांकि सर्कल के भीतर मिले हर मौके को भुनाना होगा और इसके लिये हड़बड़ाने से बचना जरूरी है। पेनल्टी कॉर्नर कोच फुल्टोन की परेशानी का सबब होगा। अच्छी शुरूआत के बाद कप्तान हरमनप्रीत पेनल्टी कॉर्नर भुनाने में नाकाम रहे। जुगराज सिंह, संजय और अमित रोहिदास का भी यही हाल था। मलेशिया के खिलाफ छह में से एक ही पेनल्टी कॉर्नर पर गोल हो सका और वह भी रिबाउंड पर था। दूसरी ओर पूल चरण में भारत से 3 . 4 से हारने के बाद से चीन ने अपने प्रदर्शन में काफी सुधार किया है। लिहाजा भारतीय टीम को एहतियात बरतनी होगी क्योंकि मामूली सी गलती से अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिये सीधे क्वालीफाई करने की उम्मीदों पर पानी फिर सकता है। सुपर 4 चरण के एक अन्य मैच में मलेशिया का सामना दक्षिण कोरिया से होगा।

युकी भांबरी की यूएस ओपन के सेमीफाइनल में हार, फिर भी हुए मालामाल

न्यूयॉर्क । यूएस ओपन के मेन्स डबल्स सेमीफाइनल में भारत के युकी भांबरी और उनके न्यूजीलैंड साथी माइकल वीनस को ब्रिटिश जोड़ी के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। कड़े मुकाबले में ब्रिटिश जोड़ी सालिसबरी और स्कुप्स्की ने एख सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 6-7, 7-5,6-4 से जीत दर्ज कर ली और फाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ ही ब्रिटिश जोड़ी ने फ्लशिंग मीडोज में हार्ड कोर्ट ग्रैंड स्लैम इवेंट के फाइनल में जगह बना ली। पहले सेट में दोनों टीमें 3-3 की बराबरी पर थीं, इसके बाद भारत और कीवी जोड़ी ने बढ़त बनाई और आखिरकार सेट को टाई-ब्रेक तक ले गई। भांबरी और वीनस ने पहला सेट टाई-ब्रेक जोरदार अंदाज में 7-2 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी भांबरी-वीनस की जोड़ी की शुरुआत अच्छी रही लेकिन सालिसबरी और स्कुप्स्की ने वापसी कर मैच को एक और टाई ब्रेक तक पहुंचाया और इस बार ब्रिटिश जोड़ी ने जीत हासिल कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। निर्णायक तीसरा सेट ब्रिटिश जोड़ी के नाम रहा जिन्होंने 6-4 से जीत अपने नाम की। भांबरी और वीनस ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने अभियान की शुरुआत मार्कोस गिरोन और लर्नर टिएन को 6-0, 6-3 से हराकर की थी। दूसरे राउंड में भी उनका प्रदर्शन दमदार रहा जहां उन्होंने गोंजालो एस्कोबार और मिगुएल एंजेल रेयेस-वरेला को 6-1, 7-5 से मात दी।

भांबरी-माइकल पैसों की बरसात- फिलहाल, युकी भांबरी और माइकल वीनस को यूएस ओपन पुरुष डबल्स के सेमीफाइनल तक बेहतरीन सफर के लिए 2,50,000 अमेरिकी डॉलर यानी करीब 2.20 करोड़ रुपये की इनामी राशि मिली।

बीसीसीआई ने जर्सी प्रायोजन की राशि बढ़ायी

-400 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई होने का अनुमान

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम जर्सी के प्रायोजन की राशि बढ़ा दी है। इससे अब जर्सी का प्रायोजन करना और महंगा हो जाएगा। बीसीसीआई ने द्विपक्षीय सीरीज में जर्सी प्रायोजन के लिए प्रति मैच 3.5 करोड़ रुपए और बहुपक्षीय टूर्नामेंट के लिए प्रति मैच 1.5 करोड़ रुपए कर दिए हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, नई दरें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) द्वारा स्वीकृत प्रतियोगिताओं पर लागू होंगी। ये राशि वर्तमान दरों से अधिक है। पहले द्विपक्षीय मैचों के लिए 3.17 करोड़ रुपए और बहुपक्षीय मैचों के लिए 1.12 करोड़ रुपए का भुगतान किया जाता था। 'ड्रीम 11 के जर्सी प्रायोजक के रूप में हटने के बाद अब बोर्ड ने प्रायोजन की राशि बढ़ायी है। बीसीसीआई को जर्सी प्रायोजन राशि बढ़ाने से 400 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई होने का अनुमान है। ये नई दरें आगामी एशिया कप के बाद से ही अमल में आयेंगी। अब बोर्ड संभावित रूप से प्रति मैच 400 करोड़ रुपए से अधिक कमा सकता है। अंतिम आंकड़ा हालांकि बोली के परिणाम के आधार पर अधिक हो सकता है। ड्रीम 11 के हटने के बाद बीसीसीआई ने मंगलवार को बोलियां आमंत्रित कीं थीं हालांकि इसमें कुह शर्तें भी रखी गयीं थीं। बोर्ड की ओर से बोलियों को लेकर ये शर्त लगायी गयी है कि समूह का ऑनलाइन मनी गेमिंग, सट्टेबाजी आदि से कोई संबंध नहीं होना चाहिये। न ही इसमें संलग्न किसी भी व्यक्ति का कंपनी में किसी भी प्रकार से निवेश होना चाहिये। भारतीय टीम अभी यूएई में 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप में बिना किसी मुख्य प्रायोजक के खेलेगी, क्योंकि बोर्ड ने बोली जमा करने की आखिरी तारीख 16 सितंबर तय की है। इससे पहले केन्द्र सरकार के गेमिंग एप पर प्रतिबंध के बाद टीम के प्रयोजक ड्रीम 11 से करार समाप्त हो गया था।

रोहित शर्मा ने यो-यो टेस्ट में हासिल किए 19.4 अंक, कोहली का रिकॉर्ड टूटा

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के प्रत्येक सदस्य को यो-यो टेस्ट से गुजरना पड़ता है, जिसे पहली बार विराट कोहली के कप्तानी कार्यकाल के दौरान शुरू किया गया था। यह एक बहु-चरणीय फिटनेस टेस्ट है जो किसी खिलाड़ी की सहनशक्ति और फिटनेस के स्तर को मापता है और BCCI ने गंभीर की निगरानी में इसे फिर से शुरू करने का फैसला किया। विराट कोहली को छोड़कर लगभग सभी भारतीय खिलाड़ी बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) पहुंचे और अपना फिटनेस टेस्ट दिया। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत के वनडे कप्तान रोहित शर्मा ने 19.4 अंकों के साथ अपना फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। लेकिन क्या सच में रोहित ने 19 अंकों का आंकड़ा पार कोहली के यो-यो स्कोर को पीछे छोड़ दिया हैं?

रोहित शर्मा के 19 अंकों के आंकड़े को पार करने की सभी अफवाहें झूठी हैं, क्योंकि BCCI की सख्त नीतियां हैं और क्रिकेटरों को अपने स्कोर कहीं भी उजागर करने की अनुमति नहीं है। वास्तव में, यहां तक कि शासी निकाय (BCCI) भी अपने स्कोर किसी को नहीं बताता है। अगर कोई अपना यो-यो टेस्ट स्कोर उजागर करता है, तो खिलाड़ी को दंडित किया जाता है और उसे बाहर भी किया जा सकता है। ऐसे में यह कहना कि रोहित ने यो-यो टेस्ट में 19 अंक के आंकड़े को पार कर लिया है, यह गलत होगा क्योंकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है।

एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित शर्मा, शुभमन गिल, हार्दिक पांड्या और अन्य सहित लगभग सभी भारतीय क्रिकेटरों ने या तो पूरी तरह या आंशिक रूप से फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। जहां सभी भारतीय खिलाड़ियों ने बेंगलुरु में अपने टेस्ट पूरे कर लिए, विराट कोहली ने BCCI से आज्ञा लेकर लंदन में अपने परिवार के साथ टेस्ट दिया और कथित तौर पर इसे पास कर लिया है।

एशिया कप के लिए सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम दुबई पहुंची

दुबई । सूर्यकुमार यादव की कप्तान में भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए दुबई पहुंच गयी है। कप्तान सूर्यकुमार के साथ ही ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और मुख्य कोच गौतम गंभीर भी नौ सितंबर से यूएई में शुरू होने वाले एशिया कप के लिए दुबई पहुंचे थे। इस बार सारे खिलाड़ी अलग-अलग शहरों से होते हुए दुबई पहुंचे। सूर्यकुमार के अलावा ऑलराउंडर शिवम दुबे, बैटिंग कोच सितांशु कोटक, हार्दिक पंड्या पहले चरण में यहां पहुंचे। वहीं हर्षित राणा, कुलदीप यादव, रिंकू सिंह और अभिषेक शर्मा दूसरे चरण में यहां पहुंचे। इसके बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर भी दुबई एयरपोर्ट पर नजर आये। भारतीय क्रिकेट टीम यहां अपने अभियान की शुरुआत यूएई के खिलाफ 10 सितंबर से होने वाले मैच से करेगी और उसके बाद 14 सितंबर को वह दुबई में पाकिस्तान से खेलेगी। भारतीय टीम का इस टूर्नामेंट के लिए कोई कोई अभ्यास मैच नहीं रखा गया है। भारतीय टीम ने अंतिम बार कोई टी-20 मैच आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले फरवरी में इंग्लैंड से खेला था। भारतीय कोच गौतम गंभीर का मानना है कि अभ्यास मैचों की जगह इंट्रा-स्क्वाड मैचों को खेलना लाभदायक रहेगा।

भारतीय टीम इस प्रकार है - सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, संजू सैमसन, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव और हर्षित राणा रिजर्व खिलाड़ी - प्रसिद्ध कृष्णा, वॉशिंगटन सुंदर, रियान पराग, ध्रुव जुरेल और यशस्वी जायसवाल।

मेसी के घरेलू मैदान पर डबल से अर्जेंटीना ने वेनेजुएला को हराया

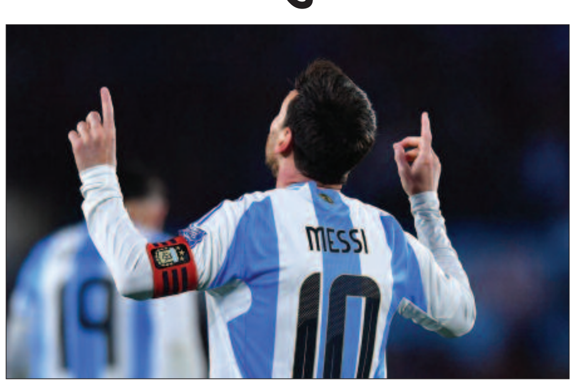

ब्यूनस आयर्स । लियोनेल मेसी ने अपने आखिरी घरेलू विश्व कप क्वालीफायर में दो गोल दागे जिससे अर्जेंटीना ने गुरुवार को वेनेजुएला पर 3-0 से जीत हासिल की। 8 बार के बैलन डी' ओर विजेता मेसी, जो वार्मअप के दौरान भावुक हो गए थे, ने 39वें मिनट में जूलियन अल्वारेज के काउंटरअटैक क्रॉस पर गोलकीपर राफेल रोमो के ऊपर से शॉट मारकर मेजबान टीम को बढ़त दिला दी। स्थानापन्न लुटारो मार्टिनेज ने निको गोंजालेज के बाएं बाईलाइन से कट-बैक के बाद डाइविंग हेडर से बढ़त दोगुनी कर दी। मेसी ने थियागो अल्माडा के साथ मिलकर 12 गज की दूरी से साइड-फुटिंग गोल करके स्कोर 3-0 कर दिया। 38 वर्षीय अर्जेंटीना के कप्तान ने 89वें मिनट में रोमो के ऊपर से गेंद को चिप करके अपनी हैट्रिक पक्की कर ली थी, लेकिन उन्हें ऑफसाइड करार दे दिया गया। मेसी, जिन्होंने पिछले हफ़्ते कहा था कि यह क्वालीफ़ाइंग अभियान लगभग उनका आखिरी अभियान होगा, को अंतिम मिनटों में 80,000 से ज्यादा प्रशंसकों ने उनका नाम लेकर सलाम किया। एस्टाडियो मोनुमेंटल में हुए इस परिणाम के साथ अर्जेंटीना दक्षिण अमेरिकी ग्रुप में शीर्ष पर 10 अंकों की बढ़त के साथ एक मैच का दिन शेष रहते पहुंच गया है। वेनेज़ुएला, जो अपने पहले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश में है, 10 टीमों की तालिका में सातवें स्थान पर बना हुआ है, जिससे उसे प्लेऑफ में जगह मिल जाएगी। अगले मंगलवार को होने वाले क्वालीफ़ायर के अंतिम दौर में, अर्जेंटीना का सामना ग्वायाकिल में इक्वाडोर से होगा, जबकि वेनेज़ुएला माटुरिन में कोलंबिया की मेजबानी करेगा।

दलीप ट्रॉफी- पंत की जगह टीम इंडिया में चुने गए इस खिलाड़ी ने खेली शानदार पारी, 3 रन से चूका दोहरा शतक

नई दिल्ली । तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज नारायण जगदीसन दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में दोहरे शतक से महज 3 रन से चूक गए। साउथ जोन की ओर से खेल रहे नारायण ने नॉर्थ जोन के खिलाफ मुकाबले में 197 रन की शानदार पारी खेली। जगदीसन के प्रथम श्रेणी में शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें इंग्लैंड दौरे पर आखिरी टेस्ट मैच के लिए ऋषभ पंत की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया था। आखिरी टेस्ट से पहले पंत को पैर में चोट लग गई जिस वजह से जगदीशन भारतीय स्क्वाड में चुने गए। लेकिन उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ प्लेइंग-11 में खेलने का मौका नहीं मिला। जगदीशन ने दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में दूसरे दिन की शुरुआत नाबाद 148 रन के स्कोर से की। उन्होंने पहले दिन अपना 11वां प्रथम श्रेणी शतक लगाया। दूसरे दिन के पहले सत्र में उन्होंने शानदार 197 रन बनाए लेकिन तीन रन से दोहरा शतक चूक गए। जगदीशन पहले ही प्रथम श्रेणी क्रिकेट में दो दोहरे शतक लगा चुके है। जगदीशन ने रणजी ट्रॉफी के पिछले सीजन की 13 पारियों में 56 की औसत से 674 रन बनाए थे। जिसमें दो शतक और 5 अर्धशतक शामिल थे। पिछले सीजन ही जगदीशन ने रणजी ट्रॉफी में लगातार 200+ का स्कोर बनाया। रेलवे के खिलाफ 245* रन बनाने के बाद चंडीगढ़ के खिलाफ 321 रन का अपना व्यक्तिगत सर्वोच्च स्कोर भी बनाया। दाएं हाथ के बल्लेबाज जगदीशन का प्रथम श्रेणी क्रिकेट में औसत अब 49.58 है और अगर पंत और जुरेल दोनों समय पर ठीक नहीं हो पाते हैं तो वह भारत के लिए डेब्यू भी कर सकते है।

महिला हॉकी एशिया कप 2025 : भारतीय महिला हॉकी टीम की बेहतरीन शुरुआत, थाईलैंड को 11-0 से दी पटखनी

हांग्जो (एजेंसी)। चीन के हांग्जो शहर में महिला हॉकी एशिया कप 2025 का आगाज हो गया है। इस दौरान भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने अभियान की शुरुआत थाईलैंड को 11-0 से हराकर बेहतरीन जीत के साथ की। गोन्गशु कैनाल स्पोर्ट्स पार्क हॉकी फील्ड में खेले गए इस मैच में भारत ने आक्रामक खेल दिखाते हुए थाईलैंड को एकतरफा अंदाज में हराया। भारतीय महिला टीम इस साल एफआइएच प्रो लीग के यूरोप फेज में आखिरी स्थान पर रही थी, लेकिन एशिया कप में उनसे बेहतरीन शुरुआत की।

महिला एशिया कप से पहले मैच में निचली रैंकिंग वाली थाईलैंड के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत करना खिलाड़ियों के लिए अच्छा है। अनुभवी गोलकीपर सविता और ड्रैग फ्लिकर और स्टार फारवर्ड दीपिका के चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर होने से भारतीय टीम कमजोर दिखाई दे रही थी। लेकिन मुमताज खान, उडिता और ब्यूटी डुंग डुंग के शानदार खेल के कारण भारतीय टीम ने एक आसान जीत अपने नाम की।

भारत ने शुरू से ही अपना दबदबा बनाए रखा और शानदार गोल दागे। मुमताज खान, इडता, ब्यूटी डुंग डुंग ने दो-दो गोल किए जबकि संगीता कुमार, नवनीत कौर, लालरेमसियामी, शर्मिला देवी और रुतुजा दादासो पिसाल ने एक-एक गोल किया। भारत ने पहले ही हाफ में 5-0 की बढ़त हासिल की। इसके बाद दूसरे हाफ में भारत का आक्रमण और तेज हुआ और खेल खत्म होते-होते टीम इंडिया ने 11 गोल कर दिए।

भारतीय टीम पूल बी में है जहां उसके साथ जापान, थाईलैंड और सिंगापुर शामिल हैं। जबकि पूल ए में मेजबान चीन, कोरिया, मलेशिया और चीनी ताइपे शामिल हैं। ये टूर्नामेंट 5 से 14 सितंबर तक चलेगा। थाईलैंड के बाद अब भारत का सामना कल यानी 6 सितंबर को जापान के साथ और 8 सितंबर को सिंगापुर से होगा।

महिला विश्वकप के उद्घाटन समारोह में कार्यक्रम पेश करेंगी श्रेया : आईसीसी

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि बॉलीवुड अभिनेत्री श्रेया घोषाल आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप 2025 के उद्घाटन समारोह में कार्यक्रम पेश करेंगी। महिला विश्व कप का आयोजन भारत और श्रीलंका संयुक्त रुप से करेंगे। विश्व कप 30 सितंबर से 2 नवंबर तक खेला जाएगा। इसमें 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। विश्व कप भारत के चार शहरों और श्रीलंका के कोलंबो में खेला जाएगा। भारत में मैच गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम और मुंबई में खेला जाएगा। श्रेया भारत और श्रीलंका के बीच टूर्नामेंट के पहले मैच से पहले गुवाहाटी में होने वाले उद्घाटन समारोह में अपना कार्यक्रम पेश करेंगी। घोषाल ने इस टूर्नामेंट का आधिकारिक गीत ब्रिंग इट होम भी रिकॉर्ड किया है। गौरतलब है कि विश्व कप का पहला मुकाबला 30 सितंबर को भारत और श्रीलंका के बीच गुवाहाटी में खेला जाएगा। इस इवेंट के लिए टिकटों की ब्रिकी भी शुरु हो गयी है। इस साल इस आईसीसी वैश्विक आयोजन के लिए टिकटों की कीमतें काफी कम रखी गयी हैं। भारत में सभी लीग मैचों के टिकटों की कीमत पहले चरण में केवल 100 रुपये है। आईसीसी ने कहा कि कम कीमत रखने का कारण स्टेडिमय में लोगों की भीड़ खींचना है। महिला क्रिकेट वैश्विक स्तर पर लगातार बढ़ रहा है और कम कीमत से इसकी ओर रुझान बढ़ेगा।

सबालेंका और अनिसिमोवा के बीच होगी यूएस ओपन में खिताबी भिड़ंत

न्यूयॉर्क । शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका और उभरती हुई अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा बीच यूएस ओपन में महिला एकल वर्ग में खिताबी भिड़ंत होगी। बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने अपनी विशिष्ट द्दढ़ता और मानसिक शक्ति का परिचय देते हुए एक सेट से पिछड़ने के बाद चौथी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को हराकर तीसरी बार यूएस ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। गुरुवार रात दो घंटे तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में बेलारुस की सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी पेगुला को 4-6, 6-3, 6-4 से हराया। पेगुला ने न्यूयॉर्क के शोरगुल में उत्साहित दर्शकों के बीच पहला सेट जीतकर पासा पलटने की चेतावनी दी। अमेरिकी खिलाड़ी ने पेगुला ने सबालेंका की सहज गलतियों का फायदा उठाया और दो बार सर्विस ब्रेक करके 6-4 से पहला सेट अपने नाम कर लिया। इसके बाद बेलारूसी खिलाडी ने ऑफ-कोर्ट ब्रेक के बाद नए द्दढ संकल्प के साथ वापसी की।

पूर्व क्रिकेटर अमित मिश्रा का बड़ा आरोप, कहा-कप्तान के पसंदीदा खिलाड़ियों को ही मिलता है मौका

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत के अनुभवी लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने बृहस्पतिवार को क्रिकेट के हर प्रारूप से संन्यास ले लिया और उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान दो अलग दौर का सामना किया। पहला दौर महान स्पिनर अनिल कुंबले की जगह लेने के साथ उनसे की जाने वाली अपेक्षाओं के भारी दबाव से निपटने में बीता तो दूसरा दौर रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा के आने से हुई प्रतिस्पर्धा से निपटने का रहा। इसमें से ऑफ स्पिनर अश्विन जहां महेंद्र सिंह धोनी की योजना का हिस्सा रहे तो वहीं जडेजा विराट कोहली की रणनीति के अनुकूल रहे। लेकिन लेग ब्रेक गेंदबाजी करने वाले और शानदार गुगली फेंकने वाले मिश्रा को अश्विन और जडेजा के साथ तीसरे विकल्प के रूप में काफी कम इस्तेमाल किया जाता।

प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद एक विशेष साक्षात्कार में मिश्रा ने कहा, 'यह बहुत निराशाजनक था। कभी आप टीम में होते हैं, कभी बाहर। कभी आपको प्लेइंग इलेवन में मौका मिलता है, कभी नहीं। बेशक, यह निराशाजनक है, और इसमें कोई शक नहीं कि मैं कई बार निराश हुआ।' उन्होंने कहा, 'लेकिन फिर आपको याद आता है कि आपका सपना भारत के लिए क्रिकेट खेलना है। आप राष्ट्रीय टीम के साथ हैं, और लाखों लोग वहां पहुंचने के लिए इतनी मेहनत कर रहे हैं। आप भारतीय टीम के 15 खिलाड़ियों में से एक हैं। इसलिए, मैंने सकारात्मक रहने की कोशिश की।'

प्रतिभा के बावजूद मिश्रा ने स्वीकार किया कि भारतीय टीम में अंदर-बाहर रहना मानसिक रूप से कठिन था। उन्होंने आगे कहा, 'जब भी मैं निराश होता था, मैं सोचता था कि मैं कहां सुधार कर सकता हूं। चाहे वह मेरी फिटनेस हो, बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी, मैंने हमेशा बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित किया। जब भी मुझे भारतीय टीम के लिए खेलने का मौका मिला, मैंने अच्छा प्रदर्शन किया, और मैं इससे बहुत खुश हूं। मैं कड़ी मेहनत से कभी पीछे नहीं हटा।'

मिश्रा ने कहा, 'मैं कहूंगा कि मेरे लिए सबसे निर्णायक क्षण 2008 के IPL में ली गई हैट्रिक थी, जहां मैंने मैच में 5 विकेट भी लिए थे। उसके बाद मैंने भारतीय टीम में वापसी की। उससे पहले, मैं घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा था, हर सीजन में 35-45 विकेट ले रहा था, लेकिन मैं राष्ट्रीय टीम में वापसी नहीं कर पाया। उस आईपीएल हैट्रिक ने मेरे लिए चीजें बदल दीं। मैंने पिछले साल सैयद मुश्ताक अली में भी अच्छा प्रदर्शन किया था और 25 विकेट लिए थे, जिससे मुझे IPL अनुबंध (दिल्ली डेयरडेविल्स) हासिल करने में मदद मिली। उस हैट्रिक के बाद मैं लगातार भारतीय टीम में वापसी करता रहा और टी-20 में मेरा करियर भी शुरू हो गया। इसलिए, 2008 में पाँच विकेट वाली वह हैट्रिक मेरे जीवन का एक निर्णायक क्षण होगी।'

मिश्रा ने विभिन्न कप्तानों द्वारा गेंदबाजों के अपने पसंदीदा चयन के बारे में अपना दृष्टिकोण रखा और यह भी कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा, 'कुछ खिलाड़ी कप्तान के पसंदीदा होते हैं। लेकिन इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। आपको बस जब भी मौका मिले खुद को साबित करना होता है। जैसा कि मैंने कहा, ये चीजें मायने नहीं रखतीं। कभी-कभी कोई खिलाड़ी जो आपसे बेहतर प्रदर्शन करता है, उसे ज्यादा पसंद किया जाता है, लेकिन जब आप अच्छा प्रदर्शन करने लगते हैं, तो सब कुछ बदल जाता है।'

उन्हें आईपीएल में विदेशी खिलाड़ियों की तुलना में भारतीय बल्लेबाजों को गेंदबाजी करना हमेशा ज्यादा चुनौतीपूर्ण लगता था। मिश्रा ने कहा, 'जब भी मैंने किसी जाने-माने भारतीय खिलाड़ी का विकेट लिया, मुझे गर्व महसूस हुआ। वीरेंद्र सहवाग, रोहित शर्मा, युवराज सिंह, गौतम गंभीर या विराट कोहली जैसे खिलाड़ी - ये ऐसे खिलाड़ी हैं जो किसी भी पल खेल का रुख बदल सकते हैं। आप अपने कौशल से किसी विदेशी खिलाड़ी को परेशान कर सकते हैं, लेकिन इन खिलाड़ियों को आप अच्छी तरह जानते हैं। जब आप उनका विकेट लेते हैं, तो आपको एक अलग, बहुत सकारात्मक एहसास होता है। मैं कहूंगा कि सभी भारतीय बल्लेबाज़ों के सामने गेंदबाज़ी करना स्पिनर के लिए मुश्किल होता है।'

आया मौसम गाजर का

मैदानी क्षेत्रों में एशियायी किस्में अगस्त-सितम्बर माह और यूरोपियन किस्में अक्टूबर-मध्य दिसम्बर तक बोयी जाती हैं। बीजों को 15 दिनों के अंतराल से बोया जाता है। ताकि नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। पर्वतीय क्षेत्रों में मार्च से जून तक बोनी की जा सकती है।

- **भूमि एवं तैयारी–** अच्छी जल निकास सुविधा वाली गहरी दोमट-भुरभुरी मिट्टी जिसमें कार्बनिक खाद की पर्याप्त मात्रा हो, गाजर की खेती के लिये उपयुक्त होती है। मृदा का पीएच मान 6.5 उपयुक्त होता है। चिकनी मिट्टी में गाजर की जड़ें, कठोर, कुरूप और कई रेशेदार जड़ों वाली बनती हैं।
- **बीज एवं बुवाई / समय–** मैदानी क्षेत्रों में एशियायी किस्में अगस्त-सितम्बर माह और यूरोपयिन किस्में अक्टूबर-मध्य दिसम्बर तक बोयी जाती हैं। बीजों को 15 दिनों के अंतराल से बोया जाता है। ताकि नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। पर्वतीय क्षेत्रों में मार्च से जून तक बोनी की जा सकती है।
- **बीज दर –** बीज ग्रेडेड और बड़े आकार के हों तथा अंकुरण 90 प्रतिशत होने पर सामान्यतया 7 से 8 कि.ग्रा. बीज प्रति हेक्टर लगता है।
- **किस्में–** पूसा केशर, पूसा मेघाली, गाजर नं.29, चयन नं. 233, पूसा यमदग्नि, चेन्टनी, नेन्टस
- **बीजोपचार–** गाजर के बीजों को थाइरम 2 ग्राम एवं कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम के मिश्रण से प्रति किलो बीज दर से बीजोपचार करना चाहिये।
- **बुवाई विधि–** गाजर के बीज समतल क्यारियों में अथवा मेड़ों पर बोये जा सकते हैं। अच्छे अंकुरण के लिये बुवाई पूर्व खेत की सिंचाई कर देनी चाहिये। कतारे 30 से.मी. और पौधे से पौधे 10 से.मी. पर होने चाहिये। बीजों को 2.0 से.मी. से अधिक गहराई पर न बोंये। मेढ़ में बोनी अच्छी पैदावार देने में सहायक होती है।
- **खाद एवं उर्वरक–** सामान्यतया 25-30 टन कम्पोस्ट या गोबर की खाद को एक माह पूर्व खेत में फैलाकर मिला दें। आधार खाद के रूप में 47 कि.ग्रा. यूरिया 313 कि.ग्रा. सिंगलसुपर फास्फेट एवं 167 किलो म्यूरेटा पोटाश प्रति हे. दें। खड़ी फसल में बीज बुवाई के 30-40 दिन बाद यूरिया कि.ग्रा. नत्रजन की पूर्ति करें।
- **सिंचाई–** बीज बोते समय नमी उचित मात्रा में रखने के लिये बुवाई पूर्व सिंचाई की जानी चाहिये। पहली सिंचाई बीज बोने के 10-12 दिन बाद जब बीज अंकुरित हो जाये तब करें। बाद में फसल को 12-15 दिनों के अंतर से सिंचाई करें। कभी भी सिंचाई करते समय अधिक पानी न दें।
- **निंदाई-गुड़ाई–** गाजर की फसल में पहली निंदाई-गुड़ाई 20 से 25 दिन बाद करनी चाहिये। इसके खरपतवार नियंत्रण के साथ-साथ जड़ों के उचित विकास के लिये मृदा में वायु संचार बढ़ जाती है। एलाक्लोर (लासो) 4 लीटर 800 लीटर पानी में घोलकर बीज बोने के बाद किंतु अंकुरण के पूर्व छिड़काव कर नींदा नियंत्रण किया जा सकता है। दूसरी बार निंदाई-गुड़ाई बीज बोने के 40-45 दिन बाद करनी चाहिये।
- **खुदाई–** जड़ों के विपणन योग्य आकार के हो जाने के बाद तुरंत ही बाजार में भेजना चाहिये अन्यथा वह कठोर और उपयोग योग्य नहीं रह जाती है। जड़ों को उखाड़ने के पूर्व हल्की सिंचाई कर दें। एशियाई किस्मों के जड़ों का ऊपरी भाग का व्यास जब 2.5 से 5.0 से.मी. का हा जाये तब उन्हें खोद लेना चाहिये। जड़ें हाथ से खींचकर या फावड़े की मदद से खोदी जा सकती हैं।
- **पैदावार–**
  अधिक प्राप्त होती है। औसतन 150-200 क्विं./हे. पैदावार प्राप्त हो जाती है।

सर्वोत्तम चारा ल्यूसर्न

हरा चारा खिलाने से कई लाभ होते हैं। दुधारू पशु को इससे

हैं। हरा चारा स्वादिष्ट होता है अतः पशु उसे चाव से खाता है तो जाहिर हैं कि उसको शुष्क पदार्थ भी मिलते हैं। चारा पाचक होता है अतः पशु का पाचन भी ठीक रहता है लेकिन 'अति सर्वत्र वर्जयेत' इस कहावत अनुसार 30 से 35 किलो प्रति पशु प्रतिदिन इससे ज्यादा हरा चारा नहीं खिलाये क्योंकि इससे उन्हें आफरा (पेट में गैस वायु इकट्ठा होना) की शिकायत हो सकती है।

हरा चारा खिलाने से कई लाभ होते हैं। दुधारू पशु को इससे महत्वपूर्ण पोषक द्रव्य प्रोटीन, शर्करा, खनिज, जीवन सत्व मिलते हैं। हरा चारा स्वादिष्ट होता है अतः पशु उसे चाव से खाता है तो जाहिर हैं कि उसको शुष्क पदार्थ भी मिलते हैं। चारा पाचक होता है अतः पशु का पाचन भी ठीक रहता है लेकिन 'अति सर्वत्र वर्जयेत' इस कहावत अनुसार 30 से 35 किलो प्रति पशु प्रतिदिन इससे ज्यादा हरा चारा नहीं खिलाये क्योंकि इससे उन्हें आफरा (पेट में गैस वायु इकट्ठा होना) की शिकायत हो सकती है। हरे फलीधारी चारे में रबी में काश्तयोग्य एक चारा हैं ल्युसर्न। इसे आंग्लभाषा में अल्फा अल्फा कहते हैं। इसका अरबी भाषा में अर्थ हैं सर्वोत्तम।

- **जलवायु –** इस चारा फसल की काश्त राजस्थान के अत्यधिक गर्म प्रदेश से लद्दाख के अति ठंडे प्रदेश में भी की जा सकती है। ठंडी जलवायु इस फसल को सुहाती है। यह जिस मिट्टी में पानी की अच्छी तरह से निकासी होती हैं। ऐसी मिट्टी में बढ़िया बढ़ती है। खेत में पानी का जमाव इसे नुकसानदेह होता है।
- **काश्त –** इस चारा फसल को बोने हेतु अक्टूबर तथा नवम्बर के अंत तक का समय ठीक रहता है। खेत में एक गहरी जुताई कर भुरभुरी मिट्टी की क्यारियां बनायें। खेत समतल बनायें ताकि पानी की निकासी ठीक से हो।
- **बीज प्रक्रिया–** ल्यूसर्न के बीजों का सतही कवच जरा कठिन होता हैं। जिससे अंकुरण ठीक से नहीं हो पाता। अतः बीज को बुआई से पहले (छह से आठ घंटे पहले) पानी में भिगोकर रखें। इसके बाद बीज को राइजोबियम मेलिलोटी नामक जीवाणु संवर्धक से उपचारित कर सकते हैं। यह खास ल्यूसर्न के लिए किया जाता है। फिर बीज छाया में सुखायें।
- **बुआई–** बीज प्रक्रिया के छह से आठ घण्टे बाद अगर शुष्क तथा अर्धशुष्क इलाका हैं जहां तलछटी वाली मिट्टी है तो खेत समतल बनाकर बीज को खेत में ऐसे ही बिखेर सकते हैं। इसके बाद उसे बखर हल्के से चलाकर मिट्टी में मिलायें।
- **इसके** अलावा ल्यूसर्न बीज को बुआई यंत्र द्वारा सीधी कतारों में 30 से 35 सेंटीमीटर दूरी पर बो सकते हैं। अगर ज्यादा बरसात वाला इलाका है जहां खेत में पानी भर जाता हैं तो खेत में (रिजेस) बनायें जो एक- दूसरे से 50 से 60 सेंटीमीटर दूर हो। फिर बुआई यंत्र से बुआई करें।
- **खाद–** ल्यूसर्न फसल की अच्छी बढ़वार हेतु उसे फास्फोरस, पोटेशियम, कैल्शियम तथा गंधक (सल्फर) की ज्यादा जरुरत होती है। अतः बुआई के समय 18 किलो नत्रजन, 70 से 75 किलो फॉस्फेट, 40 किलो पोटेशियम और 150 ग्राम सोडियम मॉलीबडेट मिट्टी में डालकर सिंचाई करें। इससे पहले मिट्टी में 20 से 25 टन अच्छी तरह पकी गोबर खाद जिसमें ह्युमस भरपूर है। वह प्रति हेक्टर में डाले और मिट्टी में मिलायें।
- **सिंचाई –** ल्यूसर्न को नमी की जरुरत होती है। अतः जरुरत अनुसार हर हफ्ते 1 या 2 हल्की सिंचाई दें। बुआई के तुरंत बाद सिंचाई करें ताकि अंकुरण अच्छा हो। जाड़े में 15 से 20 दिन के अंतराल से सिंचाई करें।
- **कटाई–** जब फसल में फलियां आती हैं तब आखिरी में से लेकर जब फसल के दसवें भाग में फूल आते हैं तब पहली कटाई कर सकते हैं।

पालक

पालक की खेती लवणीय भूमि में भी होती है। हल्की क्षारीय मिट्टी को भी सहन कर लेती है। इसके लिए खेत की कई बार जुताई करके तथा पाटा चलाकर अच्छी तरह भुरभुरा बना लें। बुवाई पूर्व खेत में क्यारियां तथा सिंचाई की नालियां बना लें।

उन्नत किस्में

पूसा भारती, पूसा हरित, आल ग्रीन, पूसा ज्योति, जोबनेर ग्रीन।

खाद एवं उर्वरक– बुवाई से 15 से 20 दिन पूर्व प्रति हेक्टेयर 20 गाड़ी अच्छी सड़ी हुई गोबर खाद डालकर खेत में अच्छी तरह मिला दें। बुवाई से पूर्व किलो नत्रजन, 40 किलो फास्फोरस एवं 40 किलो पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से मिट्टी में मिला दें। नत्रजन की इतनी ही मात्रा खड़ी फसल में बराबर भागों में बांटकर पहली एवं दूसरी कटाई के बाद या

आं

बुवाई एवं बीज की मात्रा– एक हेक्टेयर खेत की बुवाई के लिए लगभग 25 से 30 किलो बीज की आवश्यकता होती है। प्रायः बीजों को खेत में छिटकवां विधि से बोते हैं। परंतु पंक्तियों में बोना अधिक लाभप्रद होता है। इस विधि में पंक्तियों से पंक्तियों की दूरी 20 सेंटीमीटर तथा पौधे से पौध की दूरी 5 से 7 सेंटीमीटर रखते हैं। बीज को 3 से 4 सेंटीमीटर की गहराई पर बोते हैं। बुवाई के समय मिट्टी में पर्याप्त नमी होनी चाहिए। अगर नमी कम हो तो बुवाई के कुछ दिन बाद हल्की सिंचाई कर दें ताकि बीजों का जमाव ठीक प्रकार से हो सके। बीज 8 से 10 दिन में अंकुरित हो जाते हैं।

रबी की फसल के लिए बुवाई सितम्बर मध्य से दिसम्बर मध्य तक की जा सकती है। पालक की बुवाई गर्मी तथा खरीफ के मौसम में भी की जा सकती है लेकिन इन दोनों मौसमों में बुवाई के बाद केवल एक कटाई ही लें तथा फिर दुबारा बुवाई करें। इस प्रकार इन मौसमों में बार-बार बुवाई कर इसकी खेती की जा सकती है।

सिंचाई एवं निराई-गुड़ाई– बुवाई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई करें। पत्तियों की अधिक लगातार वृद्धि के लिए मिट्टी में पर्याप्त नमी हों। अतः थोड़े-थोड़े अंतराल पर हल्की सिंचाई करते रहें। पालक की फसल में काफी सिंचाई की आवश्यकता होती है अतः मौसम, मिट्टी एवं फसल की आवश्यकतानुसार 6 से 10 दिन के अंतर पर हल्की सिंचाई करते रहें। खरपतवारों के नियंत्रण के लिए 2 से 3 निराई-गुड़ाई करना जरुरी होता है।

कटाई एवं उपज– पालक बुवाई के 3 से 4 सप्ताह बाद पहली कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। पत्तियों को पूर्ण आकार की हो जाने के बाद जब वे पूरी तरह हरी, कोमल तथा रसीली अवस्था में हों तो जमीन की सतह से 5 से 7.5 सेंटीमीटर ऊपर से ही काट लेते हैं। इसके बाद 15 से 20 दिन के अंतर पर कटाई करते हैं। किस्म के अनुसार 6 से 8 कटाई हो जाती है। औसत उपज 100 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

जलवायु– यह प्रमुख रूप से सर्दी (रबी) के मौसम की फसल है। अन्य सब्जियों की अपेक्षा पालक में पाला सहने की क्षमता अधिक होती है तथा यह प्रतिकूल परिस्थितियां अधिक सहन कर सकता है। गर्मी एवं खरीफ के मौसम में भी इसकी खेती की जा सकती है परंतु अधिक गर्मी रहने पर बीज डण्ठल शीघ्र आ जाते हैं तथा सिर्फ एक ही बार पत्तियों की कटाई हो पाती है। उन क्षेत्रों में जहां अधिक गर्मी नहीं पड़ती है वहां इसे सालभर लगा सकते हैं।

भूमि एवं खेत की तैयारी– पालक की अच्छी खेती के लिए बलुई दोमट या दोमट मिट्टी बहुत उपयुक्त है। वैसे इसकी खेती चिकनी मिट्टी में सफलतापूर्वक की जा सकती है।

ककोड़ा

ककोड़ा एक रुचिकारक गर्म, वात, कफ और पित्तनाशक सब्जी है। इसका फल कफ, खांसी, अरुचि, वात, और हृदयशूल को दूर करता है। उन्नत किस्में– इसकी दो प्रचलित किस्में हैं– छोटा ककोड़ा व बड़ा ककोड़ा। छोटा ककोड़ा किस्म के फल आकार में गोल व छोटे होते हैं तथा दोनों सिरे नुकीले तथा लम्बे होते हैं। बड़ा ककोड़ा किस्म के फल आकार के बड़े, कम बीज वाले व गोल होते हैं। छोटा ककोड़ा की मांग बाजार में ज्यादा रहती है। बड़ा ककोड़ा किस्म में पैदावार अधिक मिलती है।

जलवायु– इसके लिए आर्द्र तथा गरम जलवायु उपयुक्त रहती है। वृद्धि एवं उपज 32 से 40 डिग्री तापमान पर अच्छी होती है।

भूमि एवं खेत की तैयारी– साधारणतया इसके पौधे ऐसी भूमि में उगाए जा सकते हैं जिसमें जल निकास की उचित व्यवस्था हो। वैसे बलुई दोमट भूमि इसके लिए सर्वोत्तम पाई गई है। सिंचाई की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। हल चलाकर खेत अच्छी तरह तैयार कर लें।

लगाने की विधि– बीजों से लगाने पर फल भी 1–2 वर्ष बाद आते हैं। अत: ककोड़ा को वानस्पतिक विधि से ही उगाया जाना चाहिए। इस विधि से 2–3 माह बाद ही बेलें फल देने लगती हैं।

वानस्पतिक प्रसारण विधि– प्रथम विधि– दो वर्ष की बेल की जड़ें कन्द जैसी हो जाती हैं। जिन पर कई कंद पाये जाते हैं। कंद को अलग–अलग करने का समय फरवरी–मार्च व जून–जुलाई होता है। कंद केवल मादा पौधा ही लेने चाहिए।

द्वितीय विधि– इस विधि में मादा पौधों से 2–3 माह पुरानी बेल से 30–40 सेंटीमीटर लम्बी कतारें बनाकर किसी छायादार स्थान पर लगा दें। इन कलमों में 60–80 दिनों में जड़ें फूट जाती हैं तथा इस अवस्था में इन्हें खेत में लगा दें। इसके बाद उन्हें मिट्टी के साथ उठाकर खेत में प्रतिस्थापित कर दिया जाता है।

खाद–उर्वरक एवं रोपाई– प्रत्येक क्यारी में 30–40 किलो गोबर खाद खेत की तैयारी करते समय मिलायें। बाद में मार्च–अप्रैल में 20–30 ग्राम यूरिया प्रति पौधा दें। 3×2 वर्गमीटर की दूरी पर क्यारियों, दीवारों या बाड़ के पास थाला बना लें। इनमें पौधों का कंदों को लगाएं। 4–5 मादा पौधों के साथ एक नर पौधा भी लगाना आवश्यक है। फल बनते समय पुन: 20–30 ग्राम यूरिया प्रति पौधा दिया जाना चाहिए। ककोड़ा का फल नई फुटान तथा बढ़वार पर ही लगता है। अत: इनमें प्रति थांवला, प्रति वर्ष फूल आने के समय 3–4 किलो गोबर खाद तथा 20–30 ग्राम नाइट्रोजन डालकर पानी दें।

सिंचाई– ग्रीष्मकाल में साधारणतया 6–10 दिन के अंतर पर सिंचाई की जाती है। बरसात में सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती। वर्षाकाल में अधिक जल को फसल से निकालना आवश्यक होता है।

छोरियाँ चली गाँव में दिल और चुनौतियाँ जीत रही हैं कृष्णा श्रॉफ

फिटनेस आइकन और एंटरप्रेन्योर कृष्णा श्रॉफ छोरियाँ चली गाँव में शक्ति और शालीनता दोनों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के अर्थ को नए सिरे से परिभाषित कर रही हैं। यह शो जहां शारीरिक कौशल, मानसिक रणनीति और भावनात्मक मजबूती की परीक्षा लेता है, वहीं कृष्णा अपनी खासियत से सबका ध्यान खींच रही हैं — गहरी दोस्ती और फोकस प्रतिस्पर्धी भावना के बीच संतुलन बनाने की अपनी दुर्लभ क्षमता के लिए उभर कर सामने आई हैं। एरिका पैकार्ड के साथ उनका दोस्ती का रिश्ता बेहद मजबूत है, जबकि सुमुखी सुरेश (जिन्होंने निजी कारणों से शो छोड़ दिया) के साथ उनकी आपसी समझ और सम्मान, उनके स्वाभाविक जुड़ाव को दर्शाते हैं। फिर भी, कृष्णा ने इन संबंधों को कभी अपने फ़ैसलों या जीत के इरादे पर हावी नहीं होने देतीं। वह स्पष्ट सोच वाली हैं और पूरी तरह समर्पित, यह साबित करते हुए कि मजबूत रिश्ते और शानदार खेल दोनों एक साथ संभव हैं। वह जीत के लिए पूरी तरह तैयार हैं, लेकिन अपनी ईमानदारी से समझौता किए बिना।

अपनों से आगे बढ़कर कृष्णा ने हर किसी के साथ सार्थक रिश्ते बनाए हैं। अंजुम फ़कीह को वह बड़ी बहन कहती हैं और हाल ही में बाहर हुई रमीत संधू के साथ भी उनके पल बेहद सच्चे और दिल से जुड़े रहे। कृष्णा एक ऐसी गर्मजोशी और समावेशिता लाती हैं जिसे नज़रअंदाज़ करना मुश्किल है। चाहे टीम टास्क हो या व्यक्तिगत चुनौती, कृष्णा दूसरों को आगे बढ़ने का मौका देती हैं, बिना किसी को अलग-थलग महसूस कराए या प्रतियोगिता को निजी बनाएं बिना।

यही समावेशी और संतुलित दृष्टिकोण है, जो उन्हें प्रतिद्वंद्वियों के बीच भी शांत प्रशंसा दिलाई है। तेज़-तर्रार माहौल के बावजूद, कृष्णा अपने व्यवहार में लगातार सम्मानजनक और जमीन से जुड़ी हुई रहती हैं — चाहे वह अनिता हसनंदानी के साथ हो, डबल धमाल सिस्टर्स सुरभि-समृद्धि की जोड़ी के साथ, या फिर डॉली जावेद और वाइल्ड कार्ड एंट्री माएरा मिश्रा के साथ। एक ऐसा शो जिसमें अक्सर ड्रामा देखने को मिलती है, वहां कृष्णा स्पष्ट सोच और चरित्र की मिसाल बनकर उभरती हैं।

दोस्ती और निष्पक्ष प्रतिद्वंद्विता, दोनों के लिए जगह बनाए रखने की उनकी क्षमता दुर्लभ है और कृष्णा इसे बिना किसी का सम्मान घटाए बखूबी निभा रही हैं। भले ही वह अपनी शारीरिक ताकत के लिए पहचानी जाती हों, लेकिन 'छोरियां चली गांव' में उनकी असली चमक उनके दबाव में भी उनका शालीन व्यवहार ही सबका ध्यान खींच रहा है।

नीरू बाजवा और रुबीना दिलैक का पंजाबी फिल्म और टीवी पर राज

पंजाबी फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री में आज कई ऐसे कलाकार हैं जिन्होंने अपनी मेहनत और प्रतिभा से लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। नीरू बाजवा और रुबीना दिलैक ऐसे ही दो नाम हैं जो पंजाबी सिनेमा और टीवी की दुनिया में अपनी अलग पहचान रखते हैं। दोनों ने अपने अभिनय के दम पर पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री को मजबूती दी है और साथ ही दर्शकों का मनोरंजन भी किया है। पंजाबी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने में इन दोनों का योगदान काफी महत्वपूर्ण है। जहां नीरू बाजवा को पंजाबी सिनेमा की सबसे सफल अभिनेत्रियों में गिना जाता है, वहीं रुबीना दिलैक ने टीवी और फिल्मों दोनों में अपनी छाप छोड़ी है। दोनों कलाकारों ने न केवल पंजाबी फिल्मों में काम किया, बल्कि टेलीविजन पर भी अपनी अच्छी-खासी मौजूदगी दर्ज कराई है। उनकी फिल्मों और सीरियल्स ने पंजाब की संस्कृति, लोगों के जीवन और पारिवारिक रिश्तों को खूबसूरती से पेश किया है। इसी वजह से वे पंजाबी सिनेमा और टीवी की जानी-मानी हस्तियां बन चुकी हैं।

नीरू बाजवा का जन्म 26 अगस्त 1980 को कनाडा के सरे शहर में हुआ था। वह एक भारतीय परिवार से ताल्लुक रखती हैं। नीरू ने अपने करियर की शुरुआत 1998 में हिंदी फिल्म मैं सोलह बरस की से की थी, लेकिन बाद में उन्होंने पंजाबी फिल्मों में ज्यादा काम किया और वहां उन्हें काफी सफलता मिली। नीरू की पंजाबी फिल्मों में जट्ट एंड जूलियट, सरदार जी, लौंग लाची, शादा जैसी कई हिट फिल्में शामिल हैं। उन्होंने पंजाबी सिनेमा में अपनी खास जगह बनाई और तीन बार पीटीसी पंजाबी फिल्म पुरस्कार भी जीता। पंजाबी फिल्मों में बेहतरीन अभिनय के लिए उन्हें फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला।

नीरू ने सिर्फ अभिनय ही नहीं किया, बल्कि पंजाबी फिल्मों के निर्देशन और प्रोडक्शन में भी हाथ आजमाया है। 2017 में उन्होंने पंजाबी फिल्म सरगी का निर्देशन किया, जो उनकी बहन रुबीना बाजवा की शानदार फिल्म थी। नीरू का योगदान सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, उन्होंने हॉलीवुड की अलौकिक थ्रिलर फिल्म इट लिव्स इनसाइड (2023) के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी छवि बनाई। नीरू बाजवा ने टीवी में भी काम किया, जिसमें अस्तित्व...एक प्रेम कहानी, जीत, बंदूकें गुलाब, और हरी मिर्ची लाल मिर्ची जैसे सीरियल शामिल हैं। वह हाल ही में रिलीज हुई अजय देवगन की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में भी नजर आईं।

रुबीना दिलैक की बात करें, तो उनका जन्म 26 नवंबर 1989 को हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में हुआ। अपनी पढ़ाई

पूरी करने के बाद मॉडलिंग और अभिनय की ओर रुख किया। रुबीना ने टीवी इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत की, लेकिन पंजाबी फिल्मों में अपनी पहचान बनाई। टीवी सीरियल छोटी बहू में उनके अभिनय को काफी पसंद किया गया। इसमें उन्होंने राधिका नाम की लड़की का किरदार निभाया, जो घर-घर में मशहूर हुआ। इसके बाद वह सास बिना ससुराल, शक्ति-अस्तित्व के एहसास की, पुनर्विवाह- एक नई उम्मीद, देवों के देव...महादेव, जीनी और जूजू जैसी सीरियल्स में नजर आईं। उन्होंने बिग बॉस 14, फियर फैक्टर- खतरों के खिलाड़ी 12, और झलक दिखला जा 10 सहित कई रियलिटी शो किए। वह बिग बॉस 14 की विजेता भी रहीं। उन्होंने चल भज्ज चलें जैसी पंजाबी फिल्मों में काम किया। रुबीना ने कई पुरस्कारों के लिए नामांकन हासिल किए और कई बार जीत भी हासिल की है। टीवी और फिल्मों दोनों में उनकी लोकप्रियता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

नीरू बाजवा और रुबीना दिलैक की मेहनत और लगन ने पंजाबी फिल्म और टीवी इंडस्ट्री को मजबूती दी है। दोनों पंजाबी सिनेमा और टीवी की चमकती हुई हस्तियां हैं।

कनिका मान ने दिया लूट मुबारक के लिए निमंत्रण!

पंजाबी और टीवी जगत की मशहूर अभिनेत्री कनिका मान ने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक खास पोस्ट की, जिसने उनके फैंस का जोश हाई है। ये पोस्ट उनकी आने वाली फिल्म लूट मुबारक का आधिकारिक पोस्टर है, जिसमें फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठाया गया है। कनिका मान ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लूट मुबारक फिल्म का पोस्टर साझा किया, जिसमें फिल्म का नाम गुरमुखी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लिखा हुआ है। पोस्टर में मुख्य कलाकार हरीश वर्मा और कनिका मान के नाम भी नजर आ रहे हैं। साथ ही फिल्म के निर्माता, निर्देशक और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की गई है। यह फिल्म 20 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म में ड्रामा, बदला और प्यार देखने को मिलेगा।

कनिका मान ने अपने कैप्शन में लिखा है, वाहेगुरु जी! जब हमारे दिल उन लोगों के लिए दुखते हैं जो विपदा का सामना कर रहे हैं, तब हम अपनी नई फिल्म एक छोटे से संदेश के रूप में साझा करते हैं, जो बताती है कि कहानियां सिर्फ मनोरंजन का जरिया नहीं होतीं, बल्कि वे हमें जोड़ती हैं, हमें ताकत देती हैं और दुखों को कम करने में मदद करती हैं। सोशल मीडिया पर उनके फैंस इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और आने वाली फिल्म के लिए शुभकामनाएं भी दे रहे हैं। बता दें कि कनिका हाल ही में पंजाबी फिल्म जॉम्बीलैंड में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ बिन्नू ढिल्लों, अंगीरा धर, जी खान गुरी, धनवीर सिंह और जस्सा ढिल्लों समेत कई कलाकार अहम किरदार में हैं। यह फिल्म भारत की पहली पंजाबी जॉम्बी कॉमेडी है, जिसे लेखक-निर्देशक थापर ने बनाया था। वहीं इसे नेक्स्ट लेवल प्रोडक्शंस के बैनर तले नीरज रुहिल और सुभव शर्मा द्वारा निर्मित किया गया। यह फिल्म पांच भाषाओं पंजाबी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज हुई थी।

यूएनएफपीए की ब्रांड एंबेसडर बनीं कृति सेनन

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। वो संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की ब्रांड एंबेसडर बनाई गई हैं। यह संयुक्त राष्ट्र संघ की एक संस्था है जिसका कार्य महिला, पुरुष और बच्चों के अधिकार, स्वास्थ्य और समान अवसर के साथ सुखी जीवन को बढ़ावा देना है। ब्रांड एंबेसडर बनने के बाद उन्होंने अपनी भूमिका के बारे में बात की और बताया कि कैसे अपने करियर की शुरुआत में उन्हें लैंगिक असमानता का सामना करना पड़ा। कृति सेनन ने बॉलीवुड में वेतन असमानता के बारे में भी बात की। सेनन ने कहा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। ये बहुत बड़ा सम्मान है और उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी। मैं इसके लिए बहुत उत्सुक हूं, क्योंकि मुझे हमेशा से ये लगता था कि मैं कुछ ऐसा बदलाव ला सकूं जो मेरे दिल के करीब हो। मेरा मानना है कि लैंगिक असमानता बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है। ये बहुत बड़ा मुद्दा है, फिर चाहे बात जेंडर बेस्ड वायलेंस की हो या गर्ल चाइल्ड एजुकेशन की हो। मुझे खुशी है कि मैं यूएनएफपीए के साथ मिलकर ऐसे लोगों के लिए अब कुछ कर पाऊंगी, उनका साथ दे पाऊंगी। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं अपने देश का वैश्विक स्तर पर प्रतिनिधित्व करना चाहती थी, अपनी आवाज के जरिए ऐसे मुद्दों को उठाना चाहती थी, जिससे लोगों के जीवन खुशहाल बन सकें।

मेरा उद्देश्य विवाद पैदा करना नहीं, सिर्फ सच दिखाना है

डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द बंगाल फाइल्स जल्द रिलीज होने वाली है। रिलीज से पहले फिल्म को लेकर काफी विवाद हुआ। इसके अलावा फिल्म काफी समय से कोई ना कोई वजह से सुर्खियों में भी बनी हुई है। विवेक अग्निहोत्री फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' को लेकर बातचीत की।

द बंगाल फाइल्स का आइडिया कहां से आया?

जब हमने द कश्मीर फाइल्स बनाई थी, तब हमने सिर्फ एक फिल्म नहीं बनाई थी। हमने एक मूवमेंट शुरू किया था और उस मूवमेंट का नाम था – राइट टू ट्रुथ। हमारी टीम का मानना है कि हर भारतीय को यह हक है कि उसे सच पता चले और सच हमेशा किताबों में या अखबारों में नहीं लिखा होता। कभी-कभी सच को छिपा दिया जाता है, ताकि लोग उसे न जान सकें। द कश्मीर फाइल्स बनाने के बाद, हमने तय किया कि अगली फिल्म बंगाल पर होनी चाहिए। क्योंकि बंगाल का इतिहास बहुत गहरा और जटिल है।

द बंगाल फाइल्स में क्या दर्शक आपसे द कश्मीर फाइल्स से बेहतर की उम्मीद कर सकते हैं?

दर्शक हमेशा उम्मीद करते हैं और मैं उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश करती हूं। द बंगाल फाइल्स में मेरा किरदार बिल्कुल अलग है। यह किरदार मुझे एक नई चुनौती देता है और मुझे लगता है कि दर्शक जब इसे देखेंगे तो चौंक जाएंगे क्योंकि यह रोल पहले किए गए मेरे सभी किरदारों से बिलकुल अलग है।

जब आप द बंगाल फाइल्स बना रहे थे, तो क्या आपको लगा था कि फिर से पिछली फिल्मों जैसा विवाद होगा?

विवाद होना मेरे लिए कोई नई बात नहीं है। विवाद तब होता है जब आप सच बोलते हैं। अगर मैं सिर्फ मनोरंजन की फिल्में बनाऊं, तो शायद कभी विवाद न हो। लेकिन जब आप सच्चाई पर उंगली रखते हैं, तो कई लोगों को तकलीफ होती है और वही लोग विवाद खड़ा करते हैं। लेकिन मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। क्योंकि मैं जानता हूं कि मेरा मकसद सिर्फ सच को सामने लाना है और मुझे लगता है कि जनता भी यही चाहती है- सच जानना। तो चाहे विवाद हो या न हो, मैं अपनी राह से पीछे नहीं हटूंगा।

आपको कभी लगता है कि विवाद आपकी फिल्मों को नुकसान पहुंचाता है?

विवाद फिल्मों को नुकसान नहीं पहुंचाते। बल्कि कभी-कभी विवाद ही लोगों को फिल्म देखने थिएटर तक खींच लाते हैं। लेकिन मेरा उद्देश्य विवाद पैदा करना नहीं है। मेरा उद्देश्य सिर्फ सच दिखाना है। अब अगर सच से विवाद होता है, तो यह समाज की जिम्मेदारी है कि वह इसका सामना करे।

विवेक आपने कहा था कि ट्रोल्स अब आपको परेशान नहीं करते। लेकिन क्या कभी उनकी बातें आपको चोट पहुंचाती हैं?

पहले पहुंचती थी। लेकिन अब मैंने समझ लिया है कि जो सच बोलता है, उसे गालियां भी मिलती हैं और अगर मैं सच की वजह से गालियां खा रहा हूं, तो यह मेरे लिए सम्मान है।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की भूमिका में नजर आएंगे धनुष

साउथ एक्टर धनुष ही फिल्म कलाम: जल्द द मिसाइल मैन ऑफ इंडिया में पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशक ओम राउत का मानना है कि धनुष से बेहतर इस किरदार को कोई और नहीं निभा सकता है। निर्देशक ओम राउत ने कहा... धनुष एक बेहतरीन एक्टर हैं। मुझे खुशी है कि उन्होंने यह भूमिका निभाने के लिए हामी भरी है। मैं व्यक्तिगत रूप से उन्हें बहुत मानता हूं और इस फिल्म में उनके साथ काम करने को लेकर उनसे बेहतर इस फिल्म और इस उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि किरदार को और कोई नहीं निभा सकता।

कर्नाटक में ईवीएम नहीं बैलेट पेपर से होगा चुनाव, कांग्रेस की चाल से सकते में आयोग !

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरे देश में ईवीएम मशीन से चुनाव और 'वोट चोरी' को लेकर विपक्ष का विरोध जारी है। सरकार से वैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग की जा रही है। विपक्ष का कहना है कि ईवीएम से चुनाव में गड़बड़ी हो रही है। हालांकि, चुनाव आयोग ने विपक्ष के दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। आयोग कहा कहना है कि ईवीएम को हैक करना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है, लेकिन इन सबके बीच कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने वैलेट पेपर से चुनाव कराने का फैसला लिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कर्नाटक कैबिनेट ने गुरुवार को राज्य चुनाव आयोग को राज्य में आगामी पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय चुनाव ईवीएम के बजाय वैलेट पेपर से कराने की सिफारिश करने के अपने फैसले की घोषणा की। कर्नाटक के कानून और संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल ने कैबिनेट बैठक के बाद इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि लोगों में ईवीएम को लेकर

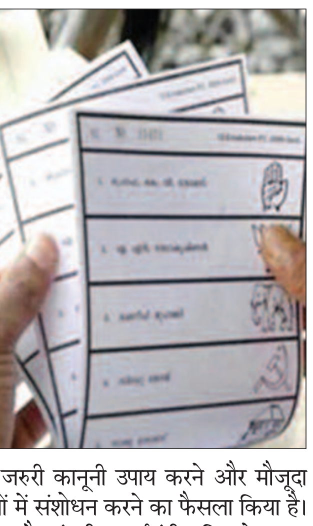

विश्वास और विश्वसनीयता कम हो रही है।

पाटिल ने वोटर लिस्ट में सुधार को लेकर भी सरकार के फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने राज्य चुनाव आयोग द्वारा वोटर लिस्ट में संशोधन को आसान बनाने के लिए जरुरी कानूनी उपाय करने और मौजूदा नियमों में संशोधन करने का फैसला किया है। कानून और संसदीय कार्यमंत्री पाटिल ने बताया कि वैलेट पेपर से चुनाव का फैसला सरकार ने सोच समझ कर लिया है। उन्होंने बताया कि वैलेट पेपर को समर्थन देने का कैबिनेट का यह फैसला बेंगलुरु में पंचायतों और पांच नवगठित नगर निगमों के चुनावों से पहले मतदाता सूची के एसआईआर की सिफारिश के साथ आया है।

पाटिल ने बताया कि स्थानीय निकाय चुनाव अब तक विधानसभा चुनावों के लिए तैयार मतदाता सूचियों पर निर्भर रहे थे। अब एक ऐसी पद्धति डेवलप की जाएगी, जिससे लोगों की निर्भरता नहीं रहेगी। इसके लिए राज्य चुनाव आयोग को सिफारिश भेजा जाएगा।

पाटिल ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में कर्नाटक और पूरे देश में मतदाता सूची में बेमेल, नाम जोड़ने और हटाने के कारण वोट चोरी की व्यापक चिंताएं रही हैं। उन्होंने कहा कि अब हमने राज्य निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची में संशोधन करने की सिफारिश करने का फैसला लिया है, ताकि यह तय किया जा सके कि कर्नाटक में मतदाताओं को मतदान करने के अवसर से वंचित न किया जाए।

दुबई के साईं भक्त ने 1 करोड़ 58 लाख रुपये का सोना दान किया

शिरडी (एजेंसी)। श्रद्धा और धैर्य का महामंत्र देने वाले शिरडी के साईं बाबा के दर्शन के लिए हर साल देश-विदेश से करोड़ों भक्त शिरडी आते हैं। इस अवसर पर भक्त साईं बाबा को उदारतापूर्वक दान देते हैं। शिरडी के साईं बाबा को 2008 में हैदराबाद के आदिनारायण रेड्डी ने एक स्वर्ण सिंहासन भेंट किया था। तब से, इसे साईं बाबा को मिला सबसे बड़ा दान माना जाता था। लेकिन 17 साल बाद, आज एक बार फिर, दुबई के एक साईं भक्त ने 1 किलो 623 ग्राम 600 मिली ग्राम वजन के दो सुनहरे ओम साईं राम पत्र भेंट किए हैं। इसका मूल्य 1 करोड़ 58 लाख रुपये है और इस भक्त ने गुप्त दान किया है और साईं बाबा संस्थान से अपना नाम उजागर न करने का अनुरोध किया है। संस्थान से जुड़े सूत्र बताते हैं कि दुबई का ये भक्त, जिन्होंने साईं बाबा को सोना चढ़ाया है, साईं बाबा की समाधि के दर्शन के लिए हर महीने शिरडी आते हैं। वे आरती में भी शामिल होते हैं। साईं दर्शन के बाद, वे हमेशा संस्थान को लगभग 1 लाख रुपये का दान देते हैं। वे कई वर्षों से साईं बाबा को सोने की कोई वस्तु दान करना चाहते थे। आखिरकार, गुरुवार के पावन दिन, उन्होंने दो सुनहरे ओम साईं राम पत्र अर्पित करके अपनी इच्छा पूरी की। दुबई के इस भक्त द्वारा दिए गए स्वर्ण दान को साईं बाबा संस्थान ने समाधि मंदिर के दोनों द्वारों पर स्थापित किया है जहाँ से भक्त दर्शन के बाद बाहर निकलते हैं। इससे भक्त मंदिर से बाहर निकलते समय ? साईं राम का जाप करते हैं। इस दान की जानकारी देते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गाडिलकर ने कहा, यह भक्त चाहता था कि उसका दान गुप्त रहे। इसलिए, उसके नाम की घोषणा नहीं की गई है। इस अवसर पर संस्थान द्वारा भक्त को शॉल, साईं मूर्ति और उदी भेंटकर सम्मानित किया गया।

दिल्ली पुलिस ने 15 विदेशी नागरिकों को किया डिपोर्ट, 13 नाइजीरियाई और 2 बांग्लादेशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में घुसपैठियों के खिलाफ पुलिस सर्च अभियान चल रही है। इसी क्रम में पुलिस ने द्वारका में अवैध रूप से रह रहे 15 विदेशी नागरिकों को डिपोर्ट किया है। द्वारका के पुलिस उपायुक्त के मुताबिक पुलिस ने अगस्त महीने में 13 नाइजीरियाई और 2 बांग्लादेशियों को निर्वासन के लिए भेजा। ये 15 लोग द्वारका में अवैध रूप से रह रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक द्वारका की ऑपरेशन यूनिट और पुलिस नियमित रूप से उन विदेशी नागरिकों के बारे में खुफिया जानकारी जुटा रही है, जो अवैध रूप से इलाके में रह रहे हैं या घूम रहे हैं। द्वारका के मोहन गार्डन थाने की 5, एंटी-नारकोटिक्स सेल की 5, उत्तम नगर थाने की 3 और डाबरी थाने की 2 टीमों ने द्वारका की निगरानी में अवैध रूप से रह रहे 15 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। ये टीमें उन विदेशी नागरिकों को पकड़ने के लिए सक्रिय हुईं, जो बिना वैध वीजा के देश में तय समय से ज्यादा समय तक रह रहे हैं, अवैध रूप से प्रवेश कर चुके हैं और द्वारका जिले के क्षेत्र में रह रहे या घूम रहे हैं।

गैर-मान्यता प्राप्त संस्थानों की जांच को लेकर हाईकोर्ट में लगाई याचिका

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई है, जिसमें देशभर के गैर-मान्यता प्राप्त संस्थानों की जांच कराने की मांग की गई है। याचिका में विशेष रूप से बाराबंकी स्थित श्री रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी का जिक्र किया गया है, जहां कथित तौर पर बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) की मान्यता के बिना छात्रों को विधि पाठ्यक्रमों में दाखिला दिए जाने का मामला उठाया गया है। जानकारी अनुसार याचिकाकर्ता सौरभ सिंह की ओर से अधिवक्ताओं सिद्धार्थ शंकर दुबे और अनिमेष उपाध्याय द्वारा दाखिल इस याचिका में अदालत से अनुरोध किया गया है कि बीसीआई को निर्देशित किया जाए कि वह अपनी वेबसाइट पर सभी मान्यता प्राप्त और गैर-मान्यता प्राप्त विधि महाविद्यालयों की सूची सार्वजनिक रूप से जारी करे। याचिका को न्यायालय की रजिस्ट्री में प्रस्तुत कर दिया गया है और इसकी सुनवाई अगले सप्ताह होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। गौरतलब है कि 1 सितंबर से एबीवीपी सहित विभिन्न छात्र संगठनों ने विश्वविद्यालय में विधि पाठ्यक्रमों की अनियमितताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू किया था।

बिट्स पिलानी गोवा कैंपस में एक और छात्र की मौत, एसआईटी जांच की मांग

पणजी (एजेंसी)। दक्षिण गोवा स्थित बिट्स पिलानी (केके बिड़ला गोवा परिसर) में गुरुवार को 20 वर्षीय छात्र ऋषि नायर अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाया गया। पुलिस के अनुसार, मोबाइल कॉल का जवाब न मिलने पर छात्रावास का दरवाजा तोड़ा गया, जहां ऋषि को बिस्तर पर बेसुध हालत में पाया गया। यह घटना परिसर में पिछले 10 महीनों में पांचवीं और एक महीने के भीतर दूसरी मौत है। जानकारी के मुताबिक, ढाई महीने पहले हैदराबाद में प्रेमिका की आत्महत्या के बाद ऋषि अवसाद में चला गया था। माता-पिता ने उसे गोवा परिसर में शिफ्ट किया था और वो वहीं रह भी रहा था। गुरुवार सुबह उससे जब संपर्क नहीं किया जा सका तो परिजन छात्रावास पहुंचे और उसके बाद ही शव बरामद हुआ। मौत के कारणों की जांच की जा रही है। इससे पहले दिसंबर 2024 से अब तक छात्र ओम प्रियन सिंह, अथर्व देसाई, कृष्णा कसेरा और कुशाग्र जैन की मौत भी छात्रावास में हो चुकी है।

जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित

मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने घटना पर चिंता जताते हुए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति गठित की है। उन्होंने कहा, कि ऐसी घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण हैं। जांच रिपोर्ट के बाद ही आगे की कार्रवाई होगी। वहीं, कांग्रेस नेता ओलेंसियो सिमोस ने लगातार होती मौतों को लेकर राज्य सरकार और गृह मंत्रालय पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कोर्टालिम क्षेत्र के लोग सदमे में हैं और यह कानून-व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है। उन्होंने विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाने की मांग दोहराई।

सैनी सरकार पर सुरजेवाला का हमला बोले- जंगलराज से भी आगे निकल गया हरियाणा राज्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा के कानून-व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। भिवानी कोर्ट परिसर में गुरुवार को दिनदहाड़े हुई गोलीबारी ने प्रदेश को दहला दिया। बताया जाता है कि बदमाशों ने कोर्ट में पेशी पर आए रोहतक निवासी युवक पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना के बाद अदालत जैसे संवेदनशील स्थल पर सुरक्षा को लेकर विपक्षी नेताओं ने कड़ी चिंता जताई जा रही है। राज्यसभा सांसद कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने सूबे की भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए आरोप लगाया है कि भाजपा ने हरियाणा को पूरी तरह से अपराध के आतंक और जंगलराज के अंधेरे में झोंक दिया है। अब प्रदेश में क़ानून का राज तो दूर, न्याय की दहलीज पर भी बेख़ौफ़ होकर कहर बरपाते गुंडो की गोलियों का शोर है। उन्होंने कहा, आज हरियाणा के भिवानी कोर्ट परिसर में बदमाशों ने दिनदहाड़े ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर रोहतक से आए युवक को लहूलुहान कर दिया। हरियाणा में भाजपा के फैलाए गुंडाराज में अब क्या कोर्ट-कचहरी पर भी अपराधियों और माफियाओं का कब्ज़ा हो गया है? भाजपा ने हरियाणा के लोगों की ज़िंदगी अब गुंडों, बदमाशों, अपराधियों और माफियाओं के हवाले करके, पूरा प्रदेश ही सौंप दिया है। सुरजेवाला ने सीएम पर कटाक्ष करते हुए कहा, विपक्ष के नेताओं को धमकाने और हर बात पर चुटकुले सुनाने-कहकहे लगाने वाले हरियाणा के सीएम नायब सैनी सत्ता के महल में मखमली चादर तानकर सोए हैं। वे यही नहीं रुके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी हमला करते हुए उन्होंने कहा, बाकी प्रदेश के लोगों को खोखले वादे और केवल चुनावी झांसे देने वाले पीएम मोदी का तो अगले चुनाव तक हरियाणा से कोई मतलबी नाता है नहीं।

तेजस्वी के डांस पर बड़े भाई तेज प्रताप का सियासी तंज ! हर किसी का अपना हुनर है, श्रीकृष्ण भी नाचते थे

मुंबई (एजेंसी)। इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पूर्वी राज्य बिहार में चल रही सियासत के बीच, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव विपक्ष की मतदाता अधिकार यात्रा के समापन के एक दिन बाद, पटना के मरीन ड्राइव एक्सप्रेसवे पर लड़कों के साथ नाचते नज़र आए। यह वीडियो उनकी बहन रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर शेयर किया और वायरल हो गया। तेजस्वी खुशी-खुशी ग्रुप में शामिल हो गईं और उन्होंने कुछ ट्रेंडिंग डांस स्टेप्स सीख लिए और यहां तक ??कि बॉलीवुड अभिनेता और शीर्ष डांसर ऋतिक रोशन के सिग्नेचर स्टेप्स की नकल करने की भी कोशिश की।

हालांकि, इसको लेकर सियासत तेज हो गई है। तेजस्वी यादव के बड़े भाई तेज प्रताप यादन ने भी उनपर तंज कसा है। बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने तेजस्वी यादव के नाचते हुए वायरल वीडियो पर कहा कि अगर वह नाच रहे हैं तो मैं क्या कर सकता हूं? अगर वह नाचना चाहते हैं, तो वह नाचेंगे। उन्हें कौन रोक सकता है? कई बार ऐसा होता है जब मैं बांसुरी बजाता हूं। हर किसी का अपना कौशल होता है... युवा नृत्य करने के लिए प्रेरित होंगे। श्री कृष्ण भी नाचते थे।

वीडियो में तेजस्वी यादव को एक समर्पित प्रशिक्षु की तरह युवा लड़कों से ट्रेंडी डांस स्टेप्स सीखते हुए देखा जा सकता है, जो उन्हें युवा पीढ़ी का एक सच्चा नेता बनाता है। वीडियो शेयर करते हुए, यादव ने लिखा, ÷16 दिवसीय मतदाता अधिकार यात्रा कल गर्मी, बारिश और उमस के बीच संपन्न हुई। रात में, सिंगापुर से मेरे भतीजे ने सुझाव दिया कि हम ड्राइव पर चलें। रास्ते में, हमें कुछ युवा कलाकार मित्र मिले जो गा रहे थे और रील बना रहे थे। उन्होंने हमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया, इसलिए हमने कोशिश की। हम सब मिलकर, युवाओं की अपेक्षाओं, आकांक्षाओं, सपनों और आशाओं के साथ तालमेल बिठाते हुए, जाति और धर्म से ऊपर उठकर, सद्भाव, सरलता और सहजता से काम करेंगे और सरकार में बदलाव के माध्यम से एक नया बिहार बनाने का संकल्प लेंगे।÷

ज्ञानवापी, काशी और मथुरा पर बातचीत के लिए तैयार, महमूद मदनी ने आरएसएस के सुझाव का किया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने शुक्रवार को मुस्लिम समुदायों और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच बातचीत का समर्थन किया और संवेदनशील धार्मिक मुद्दों पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की हालिया टिप्पणियों का स्वागत किया। एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में, एक इस्लामिक विद्वान ने कहा कि उनके संगठन ने पहले ही बातचीत के पक्ष में एक प्रस्ताव पारित कर दिया है, और इस बात पर ज़ोर दिया है कि मतभेद तो हैं, लेकिन उन्हें कम करने के प्रयास किए जाने चाहिए।

मदनी ने एएनआई को बताया कि बहुत सारे किंतु-परंतु हैं। मेरे संगठन ने एक प्रस्ताव पारित किया है कि बातचीत होनी चाहिए। मतभेद हैं, लेकिन हमें उन्हें कम करने की ज़रूरत है... हम बातचीत के सभी प्रयासों का समर्थन करेंगे। हाल ही में, आरएसएस प्रमुख ने ज्ञानवापी और मथुरा-काशी पर बयान दिए।

मुस्लिम समुदाय तक पहुँचने के उनके प्रयासों की प्रशंसा और सराहना की जानी चाहिए। हम सभी प्रकार की बातचीत का समर्थन करेंगे। ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा-काशी विवाद पर भागवत की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए, मदनी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस तरह की बातचीत को मान्यता मिलना ज़रूरी है।

इससे पहले, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि राम मंदिर संघ द्वारा आधिकारिक रूप से समर्थित एकमात्र आंदोलन है, हालाँकि सदस्यों को काशी और मथुरा आंदोलनों की वकालत करने की अनुमति है। उन्होंने भारत में इस्लाम की स्थायी उपस्थिति पर ज़ोर दिया, जनसांख्यिकी संतुलन के लिए प्रत्येक भारतीय से तीन बच्चे पैदा करने का आग्रह किया, और नागरिकों के लिए नौकरियों की वकालत करते हुए, असंतुलन के लिए धर्मांतरण और अवैध प्रवासन को ज़िम्मेदार ठहराया।

मदनी ने हाल के वर्षों में राजनीतिक भाषा और विमर्श के स्तर में गिरावट की भी आलोचना की। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि विपक्षी नेताओं और राज्य के नेताओं सहित सभी राजनीतिक दल के नेता अनुचित और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। मौलाना मदनी ने पहलगाम आतंकी हमले की साजिश को नाकाम करने के लिए देश के नागरिक समाज को भी श्रेय दिया और कहा कि अगर यह घटना किसी और देश में हुई होती, तो बहुत अराजकता फैल जाती।

तेजस्वी का बड़ा आरोप कहा- बिहार तो छोड़िए एक वार्ड तक बंद नहीं करा सकती भाजपा

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मां की गाली देने के विरोध में एनडीए के बिहार बंद को राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने विफल बताया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बिहार बंद कराना तो बहुत दूर की बात है भाजपा पंचायत का एक वार्ड तक बंद नहीं करा पाई। उनका बिहार बंद पूरी तरह फेल हो गया है। पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी ने कल बिहार में दुनिया भर की गुंडागर्दी की। भाजपाई गुंडों ने सरेआम महिलाओं को पीटा, शिक्षिकाओं को पीटा, गर्भवती महिलाओं को रोका, बुजुर्गों को धक्का दिया, छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार किया, बच्चों को स्कूल जाने से रोका, एम्बुलेंस को रोका, शहीद के परिजनों को पीटा लेकिन फिर भी ये लोग एक वार्ड तक बंद नहीं करा पाए। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि जैसे उनकी रैली में पुलिस और प्रशासन पर दबाव दिया जाता है, उसी तरह बिहार बंद के लिए भी पुलिस को बोल देना चाहिए था। वे ही ट्रैफिक रुकवा देते। तेजस्वी ने कहा, गुजरात के रहने वाले मोदी ने वोट की खेती के लिए बिहार बंद में आम बिहारियों को परेशान करने का मस्ती भरा निर्णय ले लिया। बता दें कि बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इससे पहले भाजपा और विपक्षी दल अपनी जमीन मजबूत करने के लिए पूरी ताकत से मैदान में उतर गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को गाली देने के विरोध में एनडीए ने बिहार बंद का आव्हान किया था। जिसे एनडीए सफल बता रहा है और विपक्ष का दावा है कि बिहार बंद पूरी तरह फेल हो गया है।

कर्नाटक सरकार पहली बार करा रही लैंगिक अल्पसंख्यकों का सर्वेक्षण

-सर्वे में विभागीय अधिकारियों के साथ, ट्रांसजेंडर के सदस्य भी लेंगे भाग

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने गुरुवार को पहली बार लैंगिक अल्पसंख्यकों के शुरुआती सर्वेक्षण की शुरुआत की। ये सर्वे राज्य के सभी जिलों में कराए जाएंगे। इस सर्वे के साथ पूर्व देवदासियों का फिर सर्वेक्षण भी किया गया है। हालांकि पूर्व देवदासियों का सर्वे सिर्फ 15 जिलों में होगा। पहली बार हो रहे इस सर्वे में विभागीय अधिकारियों के साथ-साथ, ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्य भी भाग लेंगे। यह सर्वेक्षण 15 सितंबर से शुरू होगा और 45 दिनों तक चलेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के कार्यालय द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि ये सर्वेक्षण उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थितियों के बारे में सटीक जानकारी एकत्र करने और सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक पुनर्वास प्रदान करने के लिए किए जाएंगे, जिन जिलों में पूर्व देवदासियों के सर्वे कराए जाएंगे, उनमें बेलगावी, विजयपुरा, बागलकोट, रायचूर, कोप्पल, धारवाड़, हावेरी, गडग, कलबुर्गी, यादगीर, चित्रदुर्ग, दावणगिरि,

शिवमोग्गा, बल्लारी और विजयनगर शामिल हैं।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि कर्नाटक राज्य महिला विकास निगम द्वारा किए जा रहे दोनों सर्वेक्षण 15 सितंबर को शुरू होंगे और 45 दिनों के अंदर पूरे हो जाएंगे। सर्वेक्षण कराने की तैयारी का काम पहले ही पूरा हो चुका है। इस प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए, सरकार ने दो ऐप तैयारी किए हैं और एक हेल्पलाइन नंबर (1800 599 2025) भी शुरू किया है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि लैंगिक अल्पसंख्यकों का सर्वेक्षण राज्य भर के सभी तालुका सरकारी अस्पतालों और जिला सरकारी अस्पतालों में किया जाएगा, जबकि पूर्व देवदासी महिलाओं का पुनः सर्वेक्षण 15 जिलों के तालुका बाल विकास परियोजना अधिकारियों के कार्यालयों में किया जाएगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि देवदासी पुनर्वास परियोजना इकाई के अधिकारी स्तर के कर्मचारी पूर्व देवदासी महिलाओं का सर्वेक्षण करेंगे।

बता दें लैंगिक सर्वेक्षण वह प्रक्रिया है जिसमें किसी संगठन, समाज या कार्यस्थल में पुरुष, महिला, ट्रांसजेंडर, नॉन-बाइनरी आदि के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है उस बारे में जानकारी जुटाना है। इसके अलावा भेदभाव, अवसर, वेतन और अन्य जनसांख्यिकीय पहलुओं पर जानकारी इकट्ठा करना है। ये सर्वेक्षण लैंगिक असमानताओं की पहचान करने, पूर्वाग्रहों को उजागर करने और अधिक न्यायसंगत व समतापूर्ण कार्यस्थल बनाने में मदद करते हैं। सिद्धारमैया सरकार ने लैंगिक अल्पसंख्यकों के भेदभाव का पता लगाने के लिए यह सर्वे शुरू कराने का फैसला किया है, जिसे अल्पसंख्यक महिलाओं को रिझाने का एक सियासी दांव समझा जा रहा है। इससे पहले सिद्धरमैया सरकार ने सरकारी ठेकों में मुस्लिमों को 4 फीसदी आरक्षण देने का बिल पास किया था।

पश्चिम बंगाल में नया बवाल: टीएमसी कुणाल घोष और भाजपा के मिथुन चक्रवर्ती के बीच तनातनी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस के एक धाकड़ नेता और विपक्षी भाजपा के एक दमदार चेहरे के बीच तकरार छिड़ गई है और मामला हाई कोर्ट तक जा पहुंचा है। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने गुरुवार को कहा कि उन्हें पता चला है कि अभिनेता से भारतीय जनता पार्टी नेता बने मिथुन चक्रवर्ती ने कलकत्ता हाई कोर्ट में उनके खिलाफ 100 करोड़ रुपये की दीवानी मानहानि का मुकदमा दायर किया है। बता दें कि यहां अगले साल यानी 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं इसके साथ ही आए दिन नए नए बवाल भी शुरु हो गए हैं।

टीएमसी के वरिष्ठ नेता घोष ने कहा कि उन्होंने भी चक्रवर्ती के खिलाफ बैंकशाल अदालत में आपराधिक मानहानि का मुकदमा दायर करवा दिया है, जिसमें अभिनेता द्वारा उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है। उन्होंने कहा कि उन्हें अभी तक चक्रवर्ती के वकील से कोई नोटिस नहीं मिला है और वह अदालत में मुकदमे की सुनवाई का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। घोष ने कहा कि उन्हें सूत्रों से पता चला कि चक्रवर्ती ने उनके खिलाफ उच्च न्यायालय में दीवानी मानहानि का मुकदमा दायर किया है। चक्रवर्ती ने पहले घोष को एक कानूनी नोटिस भेजा था। घोष के वकील अयान चक्रवर्ती ने कहा कि उन्होंने नोटिस का जवाब पहले ही भेज दिया था। घोष ने कहा कि जब चक्रवर्ती का मुकदमा सुनवाई के लिए आएगा, तो वह उच्च न्यायालय से अभिनेता के खिलाफ लगाए गए आरोपों की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जांच की मांग करेंगे। सूत्रों के अनुसार, मिथुन चक्रवर्ती ने दावा किया है कि कुणाल घोष ने जानबूझकर राजनीतिक द्वेष के तहत उनके और उनके परिवार के खिलाफ झूठे और दुर्भावनापूर्ण टिप्पणियां कीं। घोष ने कथित तौर पर टिप्पणी की थी कि अभिनेता चिटफंड घोटाले में शामिल थे और जांच से बचने के लिए तृणमूल छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे।

चीन ने बीजिंग से दिए कई संदेश, इधर भारत 53 देशों के साथ बैठक कर दिखाई अपनी ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में दो घटनाएं ऐसी हुई हैं, जिनकी पूरी दुनिया में चर्चा हो रही। एक तो चीन की राजधानी बीजिंग में हुई मिलिट्री परेड और दूसरी भारत में 53 देशों के प्रतिनिधियों ने बैठक कर बड़ी कार्ययोजना पर चर्चा की। दोनो ही घटनाओं शक्ति सामर्थ और एकजुटता से जुड़े हुए संदेश थे। सबसे पहले बात करते हैं चीन की। जहां चीन ने कुछ दिनों पहले ही मिलिट्री परेड का आयोजन किया था। इस शक्ति प्रदर्शन में दुनिया के कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने शिरकत की थी। एक्सपर्ट की नजर में इसका सबसे बड़ा मकसद अमेरिका समेत तमाम पश्चिमी देशों को संदेश देना था कि चीन अब झुकने वाला नहीं है। वहीं, फाइटर जेट से लेकर अल्ट्रा मॉडर्न टेक्नोलॉजी से लैस मिसाइल को दुनिया के सामने पेश कर राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने यह संदेश भी दे दिया कि चीन अब डिफेंस तकनीक के क्षेत्र में भी पीछे नहीं है। इससे अमेरिका समेत तमाम वेस्टर्न पावर में खलबली मची हुई है।

इधर, राजधानी दिल्ली में 53 देशों के 67 प्रतिनिधियों का महाजुटान हुआ है। इस महाकार्यक्रम में कई मसलों पर विचार-विमर्श हुआ। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सुरक्षा से जुड़ी अपने तरह की यह पहली महाबैठक थी। इंडियन आर्मी ने दिल्ली कैंट स्थित मानेकशॉ सेंटर में विदेशों से भारत में तैनात रक्षा अताशे के लिए वार्षिक ब्रीफिंग आयोजित की। इस मौके पर समकालीन वैश्विक शांति और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों तथा उन पर भारत के दृष्टिकोण को साझा किया गया। सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि इस कार्यक्रम में 53 देशों से आए 67 रक्षा अताशे शामिल हुए। इस दौरान भारत की सुरक्षा नीतियों, रणनीतिक प्राथमिकताओं और वैश्विक चुनौतियों के प्रति दृष्टिकोण पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम में भारत के सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भी हिस्सा लिया और विदेशी अताशे के साथ बातचीत की। उन्होंने उभरते क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा परिदृश्यों, भारत की रणनीतिक सोच और भारतीय सेना की प्राथमिकताओं पर अपने विचार साझा किए। सेना ने बताया कि इन चर्चाओं से रक्षा सहयोग को बढ़ावा मिलेगा और वैश्विक शांति व स्थिरता की दिशा में साझा समझ विकसित होगी। भारतीय सेना ने ब्रीफिंग के दौरान आत्मनिर्भर भारत अभियान और स्वदेशी रक्षा उत्पादन की दिशा में हो रहे प्रयासों की जानकारी भी दी। अधिकारियों के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य न केवल भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना है बल्कि मित्र देशों के साथ सहयोग के नए आयाम भी स्थापित करना है।

सेना द्वारा साझा की गई तस्वीरों में विदेशी रक्षा अताशे और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को विभिन्न सत्रों में भाग लेते हुए देखा जा सकता है। कार्यक्रम ने भागीदार देशों के प्रतिनिधियों को भारत की सैन्य दृष्टि और दीर्घकालिक रणनीतिक दिशा को बेहतर ढंग से समझने का अवसर दिया। भारतीय सेना के मुताबिक, इस तरह के संवाद से आपसी विश्वास और सहयोग की भावना को बल मिलता है। साथ ही यह अवसर वैश्विक स्तर पर शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने वाली सामूहिक पहल को मजबूत करता है। करीब चार घंटे चले इस वार्षिक सत्र में रक्षा अताशे ने भारतीय सैन्य नेतृत्व के साथ कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया और भविष्य में रक्षा साझेदारी को गहरा करने पर सहमति जताई।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)